आदिवासी एक्सप्रेस

आमजन का एक मात्र हिंदी दैनिक अखबार

रांची, शनिवार
17 मई 2025
वर्ष: 38, अंक: 164
पृष्ठ: 12, मूल्य: 3रु
RNI NO.: 49065/1989
DAVP CODE: 130961

फिल्मी

अनुष्का शर्मा की गोद में दिखे अकाय, वामिका भी आईं नजर, विराट कोहली संग कहां घूमने निकलीं एक्ट्रेस?

संथाल

कृषि, पशुपालन, सहकारिता, उद्यान एवं आत्मा विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक की गई आयोजित

हज़ारीबाग

केरेडारी प्रखंड के बेंगवारी पंचायत के रैयतों तथा खनन परियोजना केरेंडारी (एनटीपीसी) के अधिकारियों के साथ उपायुक्त ने की वार्ता

नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता, बरामद हुआ हथियारों का जखीरा

क्राइम संवाददाता द्वारा

गिरिडीह: नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के खिलाफ सीआरपीएफ और जिला पुलिस को अहम सफलता हाथ लगी है. सीआरपीएफ 154 बटालियन के कमांडेंट सुनीलदत्त त्रिपाठी एवं गिरिडीह के एसपी डॉ बिमल कुमार को मिली सूचना के आधार पर पारसनाथ पहाड़ी पर सर्च अभियान चलाया गया. इस अभियान के दरमियान पारसनाथ के जोकाई नाला और गार्दी के नजदीक हथियारों का जखीरा बरामद किया गया है. इसकी जानकारी कमांडेंट सुनीलदत्त त्रिपाठी एवं जिला के एसपी डॉ बिमल ने शुक्रवार को दी है.

अधिकारियों ने बताया कि नक्सलियों के द्वारा छिपाये गए हथियारों कर संदर्भ में मिल रही सूचना पर 154 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की टुकड़ी के साथ द्वितीय कमान अधिकारी दलजीत सिंह भाटी, अपर पुलिस अधीक्षक अभियान सुरजीत कुमार, सहायक कमांडेट सीएच तोम्बा सिंह, जीडी ओम प्रकाश वर्मा एवं खुखरा थाना प्रभारी निरंजन कच्छप की एक टीम बनाते हुए सर्च अभियान चलाया गया. इस अभियान में नक्सलियों के द्वारा पारसनाथ पहाडी

के खुखरा थाना क्षेत्र में चतरी कनाडीह गांव के ऊपर जोकाई नाला के नजदीक गार्दी के घने जंगल से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद के साथ अन्य सामान बरामद किया गया. एसपी ने बताया कि नक्सलियों द्वारा सिंटैक्स कई टंकी में हथियार को रखा गया था. टंकी को जमीन के अंदर छिपा दिया गया था. काफी मेहनत और सावधानी के साथ टंकी को जमीन से निकाला गया.

इसके साथ -साथ कुख्यात टीपीसी सब जोनल कमांडर प्रताप गिरफ्तार, कई जिलों की पुलिस को थी तलाश - TPC COMMANDER : राजधानी पुलिस ने उग्रवादी संगठन टीपीसी के खिलाफ एक बड़ी कामयाबी हासिल की है. गुप्त सूचना के आधार पर टीपीसी के कुख्यात उग्रवादी दिवाकर गंझू उर्फ प्रताप को गिरफ्तार कर लिया गया है. टीपीसी के सब जोनल कमांडर प्रताप की तलाश रांची सहित कई जिलों के पुलिस को थी. गिरफ्तार उग्रवादी पर रांची के ग्रामीण थाना क्षेत्र और हजारीबाग सहित कई जिलों में आगजनी और गोलीबारी कर दहशत फैलाने का आरोप है.

एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि गुरुवार को सूचना मिली थी कि प्रताप अपनी टीम के साथ बुढ़मू इलाके में लेवी वसूलने और अपना दहशत कायम करने के लिए किसी बड़ी अपराधीक घटना को अंजाम देने का योजना बना रहा है. साथ ही पतरातू की ओर से आने वाले राहगीरों को रोककर मोबाईल चेक कर मारपीट कर रहा है. सूचना मिलने पर ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल के निर्देश पर खलारी डीएसपी और बुढ़मू थानेदार रितेश कुमार को उग्रवादियों को गिरफ्तार करने का टास्क दिया गया था.

इलाके में उग्रवादियों की होने की सूचना मिलते ही डीएसपी खलारी और थाना प्रभारी बुढ़मू दल-बल के साथ चैनगढ़ा जंगल के पास पहुंचे. इसके साथ ही गम्हरिया जंगल का घेराबंदी कर प्रतिबंधित संगठन टीएसपीसी के कमांडर दिवाकर गंझू उर्फ प्रताप और उसके दस्ता सदस्य अक्षय गंझू को अवैध हथियार, मोबाइल, मोटरसाइकिल, टीएसपीसी का पर्चा आदि के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है.

एसएसपी रांची ने बताया की प्रताप के ऊपर पांच लाख रुपये के इनाम का प्रस्ताव भेजा गया था. लेकिन प्रस्ताव को मंजूरी नहीं मिल पाई थी. प्रताप उग्रवादी जगु गंझू के कहने पर करीब 15 वर्ष पहले टीपीसी संगठन में शामिल हुआ था. जगु गंझू का वर्ष 2018 में पुलिस एनकाउंटर में मारे जाने और एरिया कमांडर दिनेश राम के जेल जाने के बाद प्रताप को टीपीसी का एरिया कमांडर बनाया गया था.

बरामद सामानों की सूची

303 बोल्ट एक्शन सिंगल शॉट राइफल (कंट्री मेड)- 08 पीस-12 बोर डबल बैरल (फैक्ट्री मेड) - 1 पीस-315 बोर सिंगल शॉट राइफल (कंट्री मेड) - 04 पीस-7.62 एसएलआर राइफल विथ मैगजीन - 01 पीस-वायर कटर (बिग साइज) - 02 पीस-मैगज़ीन पाउच - 03 पीस-पिस्टल पाउच - 01 नंबर-इलेक्ट्रिक डेटोनेटर नंबर -33 कनेक्टिंग विथ वायर - 08 पीस-303 राउंड - 08 पीस-चार्जर क्लिप - 06 नंबर-राइफल गजे - 01 पीस-कॉर्डक्स वायर - 14 बंडल-एक्सपलोसिव - 02 बैग-7.62 राउंड - 38 पीस-9 एमएम - 10 पीस-फिलर - 03 पीस-केएफ 8 एमएम - 09 पीस निट्रोबेन्जने - 2.5 लीटर-देसी कट्टा - 02 पीस-सेमी आटोमेटिक देसी - 01 पीस-एसटीसी - 700 आर/सेट - 01 पीस

सारंडा में माओवादियों के साथ-साथ प्राकृतिक आपदा से भी जूझ रहे सुरक्षा बल के जवान

क्राइम संवाददाता द्वारा

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिला के सारंडा, कोल्हान और पोड़ाहाट के जंगलों में माओवादियों के खिलाफ सुरक्षा बल के जवान अंतिम अभियान चला रहे हैं। इस अभियान के दौरान सुरक्षा बलों को कई विपरीत परिस्थिति का भी सामना करना पड़ रहा है। घने और बीहड़ जंगलों में कई प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद कई बार परेशानी और नुकसान तक उठाना पड़ रहा है। सुरक्षा बल के जवान को माओवादियों के द्वारा लगाए गए आईईडी, स्पाईक हाल, बुबी ट्रैप समेत अन्य विस्फोटक के साथ-साथ प्राकृतिक आपदा वज्रपात, मलेरिया, डेंगू ,सांप, बिच्छू आदि से भी जूझना पड़ रहा है।

सारंडा, कोल्हान और पोड़ाहाट के जंगल बहुत की घने और पहाड़ों से घिरा हुआ है। इसमें माओवादी अपने को सुरक्षा देने के लिए जंगल के मुख्य सड़क, पगडंडी, जंगली रास्ते, पहाड़ के नीचे, पेड़ों के नीचे समेत जहां-तहां आईईडी विस्फोटक लगा कर रखे हैं।

सुरक्षा बल के जवान एसओपी का पालन करते हुए सैकड़ों आईईडी बम को बरामद करने में सफलता हासिल की है। इसके बावजूद कभी-कभी सुरक्षा बल के जवान भी माओवादियों के लगाये आईईडी की चपेट में आ

जाते हैं, जिससे उनकी मौत तक हो जाती है।

वहीं, सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के लिए रास्तों में स्पाईक हाल भी लगा दिया जाता है, इससे भी सुरक्षा बलों को नुकसान होता है। जबकि पगला बम या बुबी ट्रैप भी पौधों के टहनियों में फंसा कर रख दिया जाता है। जवान जैसे ही पौधों को हटाना चाहते हैं, बुबी ट्रैप विस्फोट कर जाता है। इन सभी विस्फोटकों के बाद जवानों को प्राकृतिक आपदा से भी जूझना पड़ता है। इसमें मलेरिया, सांप, बिच्छू के साथ अब वज्रपात भी शामिल हो गया है। जवान माओवादी सर्च ऑपरेशन के दौरान चार-पांच दिन तक घने जंगलों में ही धीरे-धीरे आगे बढ़ते हैं। वहां उसे गर्मी, ठंडा और बरसात तीनों मौसम का सामना करना पड़ता है। जवान जंगलों में सत्तू, चना, गुड़, बिस्किट, मिक्चर आदि खाकर अभियान में शामिल रहते हैं। जरुरत का पानी खत्म हो जाने पर जंगलों में बने चुंआ व नदियों का पानी इस्तेमाल करने को मजबूर होते हैं।

वहीं, अब बरसात में वज्रपात का भी खतरा पैदा हो गया है। अक्सर माओवादी सर्च अभियान के दौरान सुरक्षा बल के जवान वर्षा होने पर पेड़ के नीचे या झाड़ियों में छूप कर बरसात से बचते हैं। लेकिन गुरुवार को हुई सारंडा के जंगल में अभियान के दौरान वज्रपात से एक अधिकारी के मौत ने सोचने पर सभी को मजबूर कर दिया है कि सर्च अभियान के दौरान सुरक्षा बल के जवान वर्षा से बचने के लिए क्या सुरक्षा उपाय अपनायेंगे। माओवादियों के साथ सुरक्षा बल के जवान अब प्राकृतिक आपदा से भी जूझने को मजबूर हो रहे हैं।

जेपीएससी सिविल सेवा के लंबित रिजल्ट पर सुदेश महतो का सरकार पर निशाना

संवाददाता द्वारा

रांची: जेपीएससी मुख्य परीक्षा का रिजल्ट 11 महीने बीतने के बाद भी घोषित नहीं होने पर सियासत जारी है. आजसू प्रमुख और राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने सरकार की उदासीन रवैया पर जमकर हमला बोला है. आजसू कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने युवाओं को रोजगार का सपना दिखाया था. जो अब तक साकार नहीं हो रह है.

सुदेश महतो ने कहा कि हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री बने लगभग 6 साल होने को है. उन्होंने कहा कि सीएम हेमंत सोरेन साल में दो बार सिविल सर्विसेज की परीक्षा होने की बात कही थी. लेकिन हकीकत यह है कि अब तक इतने दिनों में मात्र दो बार ही परीक्षा आयोजित हुई है. जिसमें जेपीएससी के माध्यम से मात्र 153 युवाओं को ही रोजगार मिला है. जबकि बीडीओ, सीओ समेत अन्य विभागों में 1900 पद अभी भी रिक्त पड़े हुए हैं. उन्होंने कहा कि जेपीएससी के लंबित रिजल्ट के लिए राज्य सरकार को प्रशासनिक जवाबदेही तय करनी होगी.

आजसू प्रमुख सुदेश कुमार महतो ने कहा है कि पार्टी ने नई सरकार को 6 महीने का वक्त दिया था. अब सरकार के खिलाफ आंदोलन किया जाएगा. उन्होंने कहा कि राज्य के युवाओं के भविष्य के साथ यह सरकार खिलवाड़ कर रही है. झूठे आश्वासन देकर राज्य के युवाओं को बरगलाने का काम किया गया है. ऐसे में वे इस सरकार के खिलाफ जोरदार आंदोलन करेंगे और जनता के बीच जाकर बताने का काम करेंगे. उन्होंने कहा कि वे बताएंगे कि जिस जनमत के आधार पर सरकार बनी है, वे सरकार जनता को धोखा देने का काम किया है.

गौरतलब है कि जेपीएससी ने 11वीं से 13वीं सिविल सेवा मुख्य परीक्षा का परिणाम 11 महीने बीतने के बाद भी जारी नहीं कर सका है. 342 पदों के लिए जारी इस विज्ञापन के तहत प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम 22 अप्रैल 2024 को आयोग द्वारा जारी किया गया था. जिसमें 7011 अभ्यर्थी सफल हुए थे. जिसके बाद जून 2024 में मुख्य परीक्षा हुआ था.

जेपीएससी अभ्यर्थियों का अनशन खत्म, विधायक जयराम महतो ने की पहल

रांची, संवाददाता: जेपीएससी सिविल सेवा की मुख्य परीक्षा के परिणाम को लेकर छात्रों का धरना प्रदर्शन खत्म हो गया है. छात्र जेपीएससी कार्यालय के समक्ष अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठकर अपना विरोध जता रहे थे. उनका कहना है कि 10 महीने पहले आयोजित परीक्षा का परिणाम अभी तक नहीं आया है, जिससे उनका भविष्य अंधकार में है. डुमरी विधायक जयराम महतो ने छात्रों से मुलाकात की और उनकी भूख हड़ताल समाप्त करवाई. उन्होंने छात्रों को जूस पिलाकर उनका अनशन तोड़वाया और उन्हें आश्वस्त किया कि उनकी समस्या का समाधान करवाने के लिए वे हर संभव प्रयास करेंगे. इसके बाद विधायक जयराम महतो छात्रों के साथ राजभवन पहुंचे और राज्यपाल से मुलाकात की. उन्होंने राज्यपाल को इस मामले में जानकारी दी और छात्रों की समस्या से अवगत कराया. राज्यपाल ने छात्रों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए जल्द समाधान का आश्वासन दिया. छात्रों ने जेपीएससी से जल्द से जल्द परीक्षा परिणाम जारी करने की मांग की है. उनका कहना है कि वे अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं और उन्हें न्याय मिलने की उम्मीद है. छात्रों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही परिणाम नहीं आया तो वे फिर से आंदोलन करने को मजबूर होंगे. अब देखना होगा कि जेपीएससी कब तक परीक्षा परिणाम जारी करता है और छात्रों की समस्या का समाधान होता है.

रांची पुलिस के हत्थे चढ़े पांच ड्रग्स पैडलर, ब्राउन शुगर बरामद

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांची: डीआईजी सह एसएसपी रांची को मिली गुप्त सूचना के आधार पर नशे के तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है. इस क्रम में रांची के गोंदा इलाके से पांच ड्रग्स पैडलर्स को गिरफ्तार किया गया है. गिरफ्तार तस्करों के पास से कई ग्राम ब्राउन शुगर भी बरामद किया गया है.

डीआईजी सह एसएसपी रांची चंदन कुमार सिन्हा को यह लगातार सूचनाएं मिल रही थी कि रांची के कांके इलाके में कुछ ड्रग्स पैडलर्स एक्टिव हैं, जो ब्राउन शुगर जैसे ड्रग्स तस्करी कर बाजार में बेच रहे हैं. जानकारी ये भी मिली कि शातिर ड्रग्स पैडलर दुर्गा सिंह ही इलाके में ब्राउन शुगर की तस्करी कर रहा है.

सूचना मिलने के बाद पुलिस के द्वारा लगातार दुर्गा और उसके गिरोह पर नजर रखा जाने लगा. इसी दौरान गोंदा थाना प्रभारी को यह सूचना मिली कि दुर्गा का गिरोह गढ़वा से ब्राउन शुगर लेकर रांची के लिए निकला है.

जानकारी मिलने के बाद पुलिस पूरी तरह से अलर्ट हो गई. दुर्गा के गिरोह के आने वाले सभी रास्तों पर पुलिस वालों ने नजर रखना शुरू कर दिया. इसी बीच पुलिस को एक सटीक सूचना मिली कि दुर्गा एक कार से कांके रोड की तरफ ड्रग्स लेकर आ रहा है.

पुलिस के सूत्रों ने कार का नंबर भी उपलब्ध करवा दिया. जैसे ही दुर्गा की कार कांके रोड की तरफ मुड़ी पुलिस वालों ने उसे घेर लिया. पुलिस को देखकर कुछ लोग कार से उतरकर भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन पुलिस की दबिश के आगे कोई कार से निकलकर भाग ही नहीं पाया.

तलाशी के दौरान कार में मौजूद दुर्गा सहित पांचों के पास से 88 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया गया. छापेमारी में दुर्गा के अलावा गुंजन कुमार सिंह, रंजन बैठा, अमरजीत यादव और सागर कुमार को गिरफ्तार किया गया है.

डीआईजी सह एसएसपी रांची चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि सभी तस्कर गढ़वा से ब्राउन शुगर लेकर रांची आ रहे थे. इसी दौरान गुप्त सूचना के आधार पर उन्हें गिरफ्तार किया गया है. गिरफ्तार तस्करों में दुर्गा पूर्व में भी ड्रग्स तस्करी के आरोप में जेल जा चुका है.

ट्रेंड टीचर्स को नोटिस और राज्य सरकार को जवाब दायर करने का निर्देश

संवाददाता द्वारा

रांची: राणा प्रताप-झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने हजारीबाग में वर्ष 2015 के विज्ञापन के आधार पर वर्ष 2019 में प्रारंभिक शिक्षक के पद पर नियुक्ति को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई की. इस मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने प्रार्थी का पक्ष सुना. इसके बाद अदालत ने राज्य सरकार को मामले में जवाब दायर करने का निर्देश दिया. इसके साथ ही अदालत ने प्रार्थियों से कम अंक रहने के बावजूद नियुक्त इंटरमीडिएट प्रशिक्षित शिक्षकों (इंटरमीडिएट ट्रेंड टीचर्स) को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया. इस मामले की अगली सुनवाई के लिए अदालत ने जुलाई माह में तिथि निर्धारित करने को कहा.

इससे पूर्व प्रार्थियों की ओर से

अधिवक्ता चंचल जैन ने पक्ष रखते हुए अदालत को बताया कि प्रार्थियों को अधिक अंक रहने के बावजूद उनकी नियुक्ति नहीं की गयी, जबकि कम अंक वाले को इंटरमीडिएट प्रशिक्षित शिक्षक के पद पर नियुक्त कर दिया गया.

अधिवक्ता चंचल जैन ने नियुक्त किये गये शिक्षकों को सेवा से हटाने तथा पद नहीं रहने पर नया पद सृजित कर उनकी नियुक्ति करने के लिए राज्य सरकार को आदेश देने का अदालत से आग्रह किया. प्रार्थी शिबू कुमार महतो व अन्य की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दायर की गयी है.

राष्ट्रीय डेंगू दिवस: झारखंड में हर साल हजारों लोग होते हैं शिकार

विशेष प्रतिनिधि द्वारा

रांची: आज राष्ट्रीय स्तर पर डेंगू दिवस मनाया जा रहा है. एडीज मच्छर के काटने से फैलने वाली इस बीमारी से बचाव के प्रति जनजागरूकता लाने के उद्देश्य से शुरू की गई राष्ट्रीय डेंगू दिवस की महत्ता झारखंड जैसे राज्य के लिए और अभी अधिक इसलिए बढ़ जाती है क्योंकि साल दर साल बड़ी संख्या में लोग डेंगू के शिकार होते हैं. सरकारी आंकड़े के अनुसार 2023 में राज्य में 04 लोगों की मौत डेंगू से हुई थी. राहत की बात यह रही कि 2024 और 2025 में अभी तक डेंगू से कोई भी मौत नहीं हुई है.

ये है डेंगू के लक्षण : एडीज मच्छर के काटने से होने वाली बीमारी डेंगू में संक्रमित व्यक्ति को तेज बुखार

और पूरे शरीर में तेज दर्द होता है. इसके साथ-साथ संक्रमित व्यक्ति की आंखें लाल हो जाती है और रोगी को बहुत कमजोरी होती है. संक्रमण बढ़ने पर कई बार शरीर में प्लेटलेट्स की कमी की वजह से बीमार व्यक्ति के शरीर पर जगह-जगह चकत्ता - चकत्ता दिखने लगता है.

रांची सदर के पूर्व उपाधीक्षक और इंटरनल मेडिसीन के चिकित्सक डॉ ए के झा कहते हैं कि ज्यादातर मामलों में डेंगू का संक्रमण स्वयं समाप्त हो जाता है, लेकिन कई दफा प्लेटलेट्स कम हो जाने से इंटरनल हेमरेज (रक्तस्राव) होने के चलते मरीज की स्थिति गंभीर हो जाती है. ऐसे में मरीज को किसी भी योग्य चिकित्सक की देखरेख में इलाज शुरू कराना बेहद जरूरी हो जाता है.

डॉ. ए के झा ने बताया कि बिना योग्य चिकित्सक को दिखाए कभी भी दवा न खाएं. यह डेंगू में खतरनाक होता ही है, कई अन्य बीमारियों में भी यह खतरनाक और जानलेवा हो जाता है.

अपने घर और आसपास में पानी न जमा होने दें-डॉ अजीत

डॉ अजीत ने बताया कि डेंगू के फैलाव के लिए एडीज मच्छर मुख्य रूप से जिम्मेवार होता है. एडीज मच्छर की खासियत यह है कि इसका लार्वा साफ और बहुत दिन से स्टोर किये साफ पानी में पनपता है. ऐसे में अपने घर और आसपास में, कूलर में, खराब हो चुके टायर या डब्बों में पानी नहीं जमा रहने दें. डॉ अजीत कुमार ने बताया कि एडीज मच्छर ज्यादातर दिन में ही एक्टिव रहता है. इसलिए दिन के समय भी मच्छरों से बचाव जरूरी है.

झारखंड में वेक्टर बोर्न डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम (JVBDCP) के नोडल ऑफिसर डॉ. बीके सिंह ने बताया कि डेंगू और मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह एक्टिव है. नगर निगम के साथ समन्वय स्थापित कर मच्छरों के रोकथाम का अभियान जल्द शुरू किया जाएगा. उन्होंने बताया कि डेंगू की रोकथाम के लिए डोर टू डोर सर्विलांस अभियान चलाया जाएगा. लार्वारोधी दवाओं का छिड़काव- मच्छररोधी दवाओं का छिड़काव की पूरी व्यवस्था है. उन्होंने बताया कि राज्य में इस वर्ष जनवरी से अप्रैल तक लगभग 74 डेंगू संक्रमित मिल चुके हैं. 2024 और 2025 में डेंगू से किसी भी मरीज की मृत्यु नहीं हुई है.

आइए एक नजर डालें राज्य में डेंगू की स्थिति पर : वर्ष 2023-कुल डेंगू संदिग्ध मिले-20749-स्टेड- 20749 पॉजिटिव- 2578-डेंगू से मौत- 04

पांच जिले जहां 2023 में सबसे अधिक डेंगू पॉजिटिव मिले ्पूर्वी सिंहभूम - 1277-रांची- 309-साहिबगंज-338 सरायकेला खरसावां - 168-देवघर-136-वर्ष 2024डेंगू के संदिग्ध-14311-सैंपल टेस्टेड- 14311 पॉजिटिव मिले - 1528

ये पांच जिले जहां 2024 में सबसे अधिक डेंगू मरीज मिले-पूर्वी सिंहभूम-351-ची- 211-साहिबगंज - 176-धनबाद- 118
खूंटी - 113

वर्ष 2025 के मई तक का ये है आकंड़ा: वर्ष 2025 के जनवरी महीने में 313 डेंगू सस्पेक्टेड मरीजों की जांच हुई जिसमें 15 पॉजिटिव केस मिले हैं. फरवरी महीने में 336 सैंपल की जांच में 21 पॉजिटिव, मार्च में 348 सैंपल की जांच में 23 पॉजिटिव और अप्रैल महीने में 371 सैंपल की जांच में 15 डेंगू पॉजिटिव मिले

जयशंकर ने की अफगान विदेश मंत्री से बातचीत, आतंक और अफवाह पर चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ एस. जयशंकर ने अफगानिस्तान के कार्यकारी विदेश मंत्री मौलवी अमीर खान मुत्ताकी के साथ सीधे बातचीत की। बातचीत में डॉ जयशंकर ने अफगानिस्तान द्वारा हाल ही में हुए पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करने की सराहना की। डॉ जयशंकर ने कहा कि भारत और अफगानिस्तान के बीच पारंपरिक मित्रता का संबंध है और उन्होंने अफगान लोगों की विकास आवश्यकताओं के प्रति भारत के निरंतर समर्थन को रेखांकित किया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि हाल के दिनों में भारत और अफगानिस्तान के बीच अविश्वास पैदा करने के प्रयासों की मौलवी मुत्ताकी द्वारा स्पष्ट रूप से अस्वीकृति महत्वपूर्ण है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान ने कहा था कि भारत की मिसाइलें अफगानिस्तान के क्षेत्र में भी जाकर गिरी है। इसका अफगानिस्तान ने खंडन किया था। बैठक के दौरान, दोनों पक्षों ने सहयोग के नए तरीकों और अवसरों पर चर्चा की, जिससे भारत और अफगानिस्तान के बीच संबंधों को और मजबूत किया जा सके। इस संवाद ने दोनों देशों के बीच सामंजस्य और विकास के प्रति प्रतिबद्धता को और बढ़ाने का अवसर प्रदान किया।

रेलवे बोर्ड ने कर्नाटक के लिए दो नई रेलवे लाइनों की फाइनल लोकेशन सर्वे को दी मंजूरी

नई दिल्ली। कर्नाटक में रेल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए रेलवे बोर्ड ने दक्षिण पश्चिमी रेलवे (एसडब्ल्यूआर) क्षेत्र के तहत दो महत्वपूर्ण नई रेलवे लाइनों के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे (एफएलएस) को मंजूरी दे दी है।रेलवे बोर्ड के अनुसार, पहली प्रस्तावित लाइन अलमट्टी और यादगीर के बीच 162 किलोमीटर तक फैली हुई है। इसकी स्वीकृत सर्वेक्षण लागत 4.05 करोड़ रुपये है। दूसरी 73 किमी लंबी भद्रावती-चिकजाजूर (चन्नगिरी के माध्यम से) रेल लाइन के सर्वे के लिए 1.825 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं। इन सर्वेक्षणों की कुल अनुमानित लागत 5.875 करोड़ रुपये है। यह पहल राज्य भर में कनेक्टिविटी बढ़ाने के उद्देश्य से प्रमुख रेलवे परियोजनाओं की योजना और विकास में महत्वपूर्ण कदम है। अलमट्टी-यादगीर लाइन उत्तर कर्नाटक को प्रमुख आर्थिक गलियारों से जोड़ेगी, जबकि भद्रावती-चिकजाजूर लाइन से राज्य के मध्य भागों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। यह पहल राज्य में व्यापार, औद्योगिक विकास और यात्रियों की सुविधा को बढ़ावा देगी।

प्रधानमंत्री ने मत्स्य पालन क्षेत्र को और मजबूत बनाने के उपायों पर की बैठक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गहरे समुद्र में मछली पकड़ने और समुद्री खाद्य निर्यात पर ध्यान केंद्रित करते हुए मत्स्य पालन क्षेत्र की प्रगति और भविष्य की योजनाओं की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में केंद्रीय मत्स्यपालन मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट में लिखा,

मत्स्य पालन क्षेत्र को और मजबूत बनाने के तरीकों पर एक बैठक की अध्यक्षता की। हम इस क्षेत्र को बहुत महत्व देते हैं और इस क्षेत्र से संबंधित बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए बड़े पैमाने पर काम किया है। हमारे मछुआरों के लिए ऋण के साथ-साथ बाजारों तक अधिक पहुंच सुनिश्चित की है। आज की बैठक में निर्यात को बेहतर बनाने और गहरे समुद्र में मछली पकड़ने पर ध्यान केंद्रित करने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया गया।

तुर्किये की ग्राउंड हैंडलिंग कंपनी सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज की सुरक्षा मंजूरी रद्द

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने तुर्किये की ग्राउंड हैंडलिंग फर्म सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज की सुरक्षा मंजूरी तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी है।नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने इसका कारण राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में बताया है। नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने जारी एक पत्र में कहा है कि ग्राउंड हैंडलिंग एजेंसी श्रेणी के तहत सेलेबी

एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को 21 नवंबर, 2022 को मंजूरी दी गई थी। अब बीसीएएस के महानिदेशक को मिली शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को दी गई सुरक्षा मंजूरी तत्काल प्रभाव से रद्द की गई है।

रेलवे पुलिस ने गाजियाबाद स्टेशन से अगवा बच्चे को सकुशल बरामद किया, अपहरणकर्ता गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। रेलवे पुलिस ने गाजियाबाद स्टेशन से अगवा चार साल के बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने अपहरणकर्ता सलमान खान को गिरफ्तार किया है। रेलवे पुलिस ने एक बयान में बताया कि 12 मई को एक महिला ने थाना जीआरपी गाजियाबाद में शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसके 4 वर्षीय छोटे बच्चे हर्षित को एक व्यक्ति रेलवे स्टेशन गाजियाबाद के प्लेटफॉर्म से अगवा करके ले गया है। शिकायत पर उसी दिन मामला दर्ज किया गया। अपहृत बच्चे को बरामद करने के लिए आरपीएफ व जीआरपी गाजियाबाद की संयुक्त टीम का गठन किया गया। इस विशेष टीम द्वारा बच्चे की बरामदगी के लिए विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की गई। इन्हीं प्रयासों

के अंतर्गत 14 मई को आरपीएफ और जीआरपी गाजियाबाद की संयुक्त टीम ने रेलवे स्टेशन गाजियाबाद से बच्चे का अपहरण करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार कर अपहृत बच्चे को बरामद किया। पकड़े गए व्यक्ति को गिरफ्तार किया और दर्ज मामले में शामिल गिरफ्तार गिए गए अभियुक्त ने पूछताछ में अपना नाम सलमान खान पुत्र मो. मासुख, उम्र 24 वर्ष, निवासी गांव शिमलापर, थाना चाकन, जिला गया, बिहार बताया। अभियुक्त से एक मोबाइल फोन भी बरामद हुआ जोकि अपराधी ने अपहृत बच्चे की माता का चुराया था। अभियुक्त ने बताया कि वह बच्चे की मां से 11 मई को पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मिला था। अभियुक्त द्वारा महिला को अकेले देखकर बच्चे को बेचने का मन में विचार आया। उसने सोचा की बच्चे को बेचकर अच्छी धनराशि मिल जाएगी इसीलिए वह महिला के साथ साथ घूमने लगा। 12 मई को जब बच्चे की मां बच्चे को उसे सौंप कर वॉशरूम के लिए चली गयी तो अभियुक्त बच्चे को लेकर चुपचाप स्टेशन से चला गया और बच्चे को बेचने का प्रयास करने लगा। इस बीच वह पुलिस की गिरफ्त में आ गया।

लोकसभा अध्यक्ष ने दी अपने समकक्ष मिल्टन डिक को पुनः निर्वाचन पर बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने ऑस्ट्रेलिया के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के अध्यक्ष के रूप में मिल्टन डिक के पुनः निर्वाचन पर बधाई दी है। आज डिक के साथ एक टेलीफोनिक बातचीत के दौरान बिरला ने कहा कि मैं ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष के रूप में आपके पुनः निर्वाचन पर भारत की संसद की ओर से आपको बधाई देता हूं। आपके नए कार्यकाल के लिए मेरी शुभकामनाएं। इस अवसर पर बिरला ने पहलगाम आतंकवादी हमले पर भारत के साथ एकजुटता के लिए ऑस्ट्रेलिया को धन्यवाद दिया। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को ऑस्ट्रेलिया के समर्थन की सराहना की। बिरला ने जोर देकर कहा कि दुनिया को आतंकवाद के सभी आयामों को समाप्त करने के लिए एक आवाज में बोलना चाहिए। बिरला ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ऑस्ट्रेलिया के प्रान मंत्री एंथनी अल्बनीज के बीच मित्रता को याद किया और विश्वास व्यक्त किया कि भारत-ऑस्ट्रेलिया द्विपक्षीय संबंध

अल्बनीज़ के इस कार्यकाल के दौरान और गहरे होंगे। बिरला ने कहा कि भारत इस वर्ष बाद में क्वाड और द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन के लिए एंथनी अल्बनीज का स्वागत करने के लिए उत्सुक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि डिक की अध्यक्षता में भारत-ऑस्ट्रेलिया संसदीय सहयोग नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा और दोनों देशों के बीच संबंध और मजबूत होंगे, जिसमें बहुपक्षीय मंच भी शामिल हैं।

पाकिस्तान के साथ संबंध और बातचीत दोनों हमेशा रहेंगे द्विपक्षीयः जयशंकर

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान के साथ भारत का संबंध और बातचीत हमेशा द्विपक्षीय ही रहेंगे। इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि भारत की कार्रवाई केवल पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों तक सीमित थी और हमने अपना लक्ष्य पा लिया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के साथ संघर्ष विराम नहीं हुआ है बल्कि संघर्ष रोका गया है। उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी दी कि उसे आतंकवाद के पूरे ढांचे को नष्ट करना होगा और वह जानता है कि क्या करना है। विदेश मंत्री ने आज हॉलैंड के विदेश मंत्री हेनरी क्लीन के साथ उनके नई दिल्ली स्थित दूतावास का उद्घाटन किया। उन्होंने हॉलैंड्स को आतंकवाद के खिलाफ ठोस समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम से इतर विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने पाकिस्तान, आतंकवाद, अमेरिका से व्यापार वार्ता और संघर्षकाल में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को लेकर महत्वपूर्ण बयान दिया। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच संबंध और बातचीत हमेशा द्विपक्षीय ही रहेंगे।

इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साफ कहा है कि पाकिस्तान के साथ बातचीत केवल आतंकवाद पर होगी। पाकिस्तान को उन आतंकवादियों को सौंपना होगा जिसकी सूची हमने दी है और आतंकवादी नेटवर्क को बंद करना होगा। भारत आतंकवाद के मुद्दे पर बातचीत के लिए तैयार है। सैटेलाइट तस्वीरों से स्पष्ट है कि कौन गोलीबारी बंद करना चाहता थाजयशंकर ने कहा, हमने पाकिस्तान को संदेश भेजा था कि हम आतंकवादी ढांचे पर हमला कर रहे हैं, सेना पर नहीं और सेना के पास यह विकल्प है कि वह बाहर खड़ी रहे और हस्तक्षेप न करे। उन्होंने उस अच्छी सलाह को न मानने का विकल्प चुना। एक बार 10 मई की सुबह उन्हें बुरी तरह से नुकसान पहुंचा। सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि हमने कितना नुकसान किया और उन्होंने कितना कम नुकसान किया। यह स्पष्ट है कि कौन गोलीबारी बंद करना चाहता था। उन्होंने कहा, युद्ध विराम पर, या जिसे आप युद्ध विराम कहते हैं, हम इसे गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई की समाप्ति के रूप में संदर्भित करते हैं। हमने बहावलपुर, मुरीदके, मुजफ्फराबाद और अन्य स्थानों में आतंकवादी ढांचे को नष्ट करके अपने लक्ष्य को प्राप्त किया है। डॉ. जयशंकर ने स्पष्ट किया कि भारत का पाकिस्तान से संपर्क आतंकवाद के मुद्दे तक सीमित रहेगा। आतंकवाद का आधार समाप्त किए बिना कोई भी सामान्य द्विपक्षीय संबंध या जल संधि पुनः शुरू नहीं होगी।

बारापुला फ्लाईओवर पर स्थापित किया गया 200 टन का स्टील स्पैन

एजेंसी

गाजियाबाद। एनसीआरटीसी ने दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर पर सराय काले खां स्टेशन को जंगपुरा स्टेबलिंग यार्ड से कनेक्ट करने के लिए बनाए जा रहे वायडक्ट के लिए बारापुला फ्लाईओवर पर 200 टन वजनी 4 गर्डर्स वाले स्टील स्पैन को सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया गया है। एनसीआरटीसी की टीम ने इस प्रक्रिया को प्रशासन, लोक निर्माण विभाग और ट्रैफिक पुलिस के सहयोग से पूर्ण किया, जिसके लिए एनसीआरटीसी द्वारा सावधानीपूर्वक योजना बनाई गई और उत्कृष्ट समन्वय के साथ इस कार्य को पूर्ण किया गया। एनसीआरटीसी के प्रवक्ता पुनीत वत्स ने बताया कि नमो भारत कॉरिडोर पर चलने वाली ट्रेनों को खड़ा करने के लिए सराय काले खां स्टेशन से कुछ ही दूरी पर जंगपुरा स्टेबलिंग यार्ड बनाया जा रहा है, जिसके लिए सराय काले खां स्टेशन से वायडक्ट का निर्माण किया जा रहा है। नमो भारत कॉरिडोर के एलिवेटेड सेक्शन में वायाडक्ट के निर्माण के लिए एनसीआरटीसी आमतौर पर औसतन 34 मीटर की दूरी पर पिलर निर्माण करता है। हालांकि, कुछ जटिल क्षेत्रों में जहां कॉरिडोर नदियों, पुलों, रेल क्रॉसिंग, मेट्रो कॉरिडोर, एक्सप्रेस-वे या ऐसे अन्य मौजूदा ढांचों को पार कर रहा है, वहां पिलर्स के बीच इस दूरी को बनाए रखना व्यावहारिक रूप से संभव नहीं होता, इसलिए ऐसी जगहों पर पिलर्स के बीच की दूरी को आवश्यकतानुसार बढ़ाया जाता है और ऐसे क्षेत्रों में वायडक्ट निर्माण हेतु पिलर्स को जोड़ने के लिए स्पेशल स्पैन का उपयोग किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस लोकेशन पर भूतल पर

एक नाला बह रहा है, जिसके समानांतर बारापुला फ्लाईओवर स्थित है। यहाँ नमो भारत कॉरिडोर नाले और बारापुला फ्लाईओवर दोनों को एक ही जगह पर पार कर रहा है। इसी को पार करने के लिए 4 गर्डर वाला स्टील स्पैन बनाया गया है। इन स्टील गर्डर्स की लंबाई 40 मीटर (प्रत्येक) है और वजन 50 टन (प्रत्येक) है। इन 4 स्टील गर्डर्स को 2 स्टेज लिफ्टिंग प्रक्रिया के जरिए उच्च क्षमता वाली 3 क्रेन्स की मदद से स्थापित किया गया।

सेना प्रमुख ने पाकिस्तान के हमलों को नाकाम करने वाले बहादुर सैनिकों का हौसला बढ़ाया

एजेंसी

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने ऑपरेशन 'संदूर' के दौरान पाकिस्तान के हमलों को नाकाम करने वाले बहादुर सैनिकों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने पंजाब के ऊंची बस्सी और पठानकोट एयर बेस पर सैनिकों से बातचीत की। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने आज ही डैगर डिवीजन, चिनार कोर के अग्रिम स्थानों का दौरा किया और भारतीय वायु सेना और बीएसएफ के सैनिकों से बातचीत करके उनके दृढ़ संकल्प को सराहा। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ भारत के ऑपरेशन 'सिंदूर' के स्थगित होने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 13 मई को वायु सेना के आदमपुर एयरबेस पर पहुंचकर वायु सैनिकों की हौसलाफजाई की थी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज श्रीनगर के बादामी बाग कैंट में भारतीय सेना के बहादुर सैनिकों के प्रति आभार जताने पहुंचे। उन्होंने सैनिकों को

संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि मैं आपकी उस ऊर्जा को महसूस करने आया हूं, जिसने दुश्मनों को नेस्तनाबूद कर दिया। इसी क्रम में सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने आज पंजाब के ऊंची बस्सी और पठानकोट एयर बेस पर बहादुर सैनिकों से बातचीत की। सैनिकों से बातचीत करते हुए उन्होंने राइजिंग स्टार कोर, आर्मी एयर डिफेंस (एडी), डिफेंस सिक्योरिटी कोर (डीएससी) और डिफेंस सिविलियन एम्प्लॉइज के सैनिकों की भूमिका को सराहा, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान गैरीसन और एयर बेस की सुरक्षा की। उन्होंने भारतीय वायु सेना और बीएसएफ के सैनिकों से भी बातचीत की। उन्होंने सैनिकों के उस दृढ़ संकल्प की सराहना की, जिसने दोनों प्रतिष्ठानों के भीतर महत्वपूर्ण संपत्तियों को निशाना बनाने के दुश्मन के कई प्रयासों को सफलतापूर्वक विफल कर दिया। सेना प्रमुख ने नागरिक प्रशासन के घनिष्ठ सहयोग के लिए धन्यवाद भी दिया। सेना प्रमुख ने कहा कि सेना वायु रक्षा प्रणाली की एल-70 और ज़ू-23 तोपों के पॉइंट एयर डिफेंस गन क्रू की बहादुरी, साहस और निस्वार्थ समर्पण ने पाकिस्तान के हवाई हमलों को प्रभावी ढंग से विफल कर दिया, जिसे हमेशा गर्व के साथ याद किया जाएगा। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने डैगर डिवीजन, चिनार कोर के अग्रिम स्थानों का दौरा किया और सभी रैंकों के साथ बातचीत की।

मुख्य चुनाव आयुक्त से केजरीवाल के नेतृत्व में मिला आआपा प्रतिनिधिमंडल

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी से निर्वाचन सदन में मुलाकात की। यह मुलाकात भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय और राज्य राजनीतिक दलों के अध्यक्षों के साथ की जा रही बातचीत के क्रम में हुई। आयोग के मुताबिक ये बातचीत चुनावी प्रक्रिया में सुझाव और राजनीतिक दलों की चिंताओं को साझा करने के लिए की जा रही हैं। इससे राष्ट्रीय और राज्य पार्टी अध्यक्ष अपने सुझाव और चिंताओं को सीधे आयोग के साथ साझा कर सकते हैं। यह पहल सभी संबंधित मतदाताओं और दलों के साथ मौजूदा कानूनी ढांचे के अनुसार चुनावी प्रक्रिया को और मजबूत करने के आयोग के व्यापक दृष्टिकोण के अनुसार है। आयोग ने इससे पहले छह मई को बहुजन समाज पार्टी अध्यक्ष

मायावती के नेतृत्व में पार्टी के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात कर चुका है। आयोग लगातार विभिन्न दलों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात कर रहे हैं। आयोग ने कुल 4,719 सर्वदलीय बैठकें आयोजित की हैं, जिनमें सीईओ द्वारा 40 बैठकें, डीईओ द्वारा 800 बैठकें और ईआरओ द्वारा 3879 बैठकें शामिल हैं। इसमें विभिन्न राजनीतिक दलों के 28,000 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए।

जामिया और मानू ने भी तुर्किए के शैक्षिक संस्थानों के साथ समझौते निलंबित किए

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली स्थित विश्व के सुप्रसिद्ध जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के बाद देश की प्रतिष्ठित जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जामिया) और मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी (मानू) ने भी तुर्किए के साथ हुए समझौतों को निलंबित कर दिया है। ऐसा देशहित और राष्ट्रीय सुरक्ष के मद्देनजर किया गया है। दोनों विश्वविद्यालयों ने इसकी जानकारी एक्स पर एक पोस्ट पर दी है। गौरतलब है कि भारत-पाकिस्तान के बीच उत्पन्न तनाव के दौरान पाकिस्तान का साथ देने वाले देशों तुर्किए और आजरबाईजान के प्रति भारत में जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है। जहां इन देशों के सामानों का भारतीय जनता के जरिए बायकॉट किया जा रहा है, वहीं इन देशों की यात्रा के लिए पहले से की गई बुकिंग को भी रद्द करने की खबरें चल रही हैं। अब भारतीय विश्वविद्यालयों के जरिए तुर्किए के शिक्षण संस्थानों के साथ किए गए समझौतों को निलंबित किया जा रहा है। जेएनयू पहले ही तुर्किए की इनोनू यूनिवर्सिटी से साथ शैक्षिक समझौता निलंबित कर चुकी है। अब जामिया

मिल्लिया इस्लामिया ने आज एक ट्वीट के जरिए यह घोषणा की है कि उसने तुर्किए के शैक्षणिक संस्थानों के साथ जो भी एमओयू साइन किए हैं, वह सभी फिलहाल निलंबित कर दिए हैं। अपने ट्वीट में जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने कहा है कि राष्ट्रहित और राष्ट्र की सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए यह फैसला लिया गया है। इसी तरह हैदराबाद स्थित मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी (मानू) ने भी तुर्किए के यूनुस एमरे इंस्टीट्यूट के साथ अपने शैक्षणिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) को तत्काल समाप्त करने की घोषणा की। विश्वविद्यालय का कहना है कि यह निर्णय भारत और पाकिस्तान के बीच हाल के तनाव के दौरान तुर्किए द्वारा पाकिस्तान की आतंकवादी गतिविधियों को समर्थन दिए जाने के मद्देनजर लिया गया है। ज्ञात हो कि पिछले वर्ष 2 जनवरी को मानू और तुर्किए के यूनुस एमरे इंस्टीट्यूट के बीच पांच वर्षीय एमओयू पर हस्ताक्षर हुए थे, जिसके तहत मानू के स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज, लिंग्विस्टिक्स एंड इंडोलॉजी में तुर्की भाषा में डिप्लोमा कोर्स शुरू किया गया था। इसके लिए तुर्की से एक विजिटिंग प्रोफेसर की सेवाएं ली गई, लेकिन वह प्रोफेसर अब अपने वतन तुर्की लौट चुका है।

सुप्रीम कोर्ट ने डीपफेक वीडियो पर नीति बनाने की याचिका पर सुनवाई से किया इंकार, कहा- हाईकोर्ट में पहले से मामले लंबित

एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से बनाए गए डीपफेक वीडियो को रोकने के लिए नीति बनाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करने से इंकार कर दिया है। जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने याचिकाकर्ता को दिल्ली हाईकोर्ट में पहले से लंबित मामले में आवेदन दायर करने का निर्देश दिया। याचिका में डीपफेक वीडियो के दुरुपयोग को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एक विशिष्ट समिति के गठन की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि डीपफेक का खतरा बढ़ रहा है। उदाहरण के तौर पर, ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी मीडिया से साझा करने वालीं भारतीय सेना की वरिष्ठ अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के डीपफेक वीडियो ऑनलाइन प्रसारित हो रहे हैं। इस तरह के कंटेंट से सामाजिक और राजनीतिक स्थिरता को खतरा हो सकता है। याचिका में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एआई-जनरेटेड या डीपफेक कंटेंट की पहचान और हटाने के लिए सख्त नियम बनाने की मांग की गई थी। इसमें केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को पक्षकार बनाया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि डीपफेक से संबंधित कई याचिकाएं दिल्ली हाईकोर्ट में पहले से लंबित हैं। दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली बेंच इन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है और केंद्र सरकार से जवाब मांगा गया है। कोर्ट ने आशंका जताई कि अगर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू होती है, तो हाईकोर्ट की कार्यवाही प्रभावित हो सकती है। इसलिए, याचिकाकर्ता को हाईकोर्ट में आवेदन करने को कहा गया। साथ ही, सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट से अनुरोध किया कि यदि याचिकाकर्ता वहां आवेदन करता है, तो उसके सुझावों पर विचार किया जाए। डीपफेक वीडियो के बढ़ते खतरे को देखते हुए विशेषज्ञों का मानना है कि इस मुद्दे पर त्वरित और प्रभावी नीतिगत हस्तक्षेप की आवश्यकता है।

हरे कृष्ण मंदिर विवाद खत्म, सुप्रीम कोर्ट ने 'इस्कॉन बेंगलुरु' के पक्ष में सुनाया फैसला

एजेंसी

बेंगलुरु । सुप्रीम कोर्ट ने इस्कॉन बेंगलुरु और इस्कॉन मुंबई के बीच दशकों से चले आ रहे विवाद में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि बेंगलुरु का हरेकृष्ण हिल मंदिर इस्कॉन बेंगलुरु के अधीन रहेगा और इस्कॉन मुंबई का इस पर कोई अधिकार नहीं होगा। इस फैसले के साथ सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हाईकोर्ट के उस निर्णय को भी पलट दिया, जिसमें बेंगलुरु मंदिर को इस्कॉन मुंबई के स्वामित्व में माना गया था। सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को सही ठहराते हुए कहा कि इस्कॉन बेंगलुरु इस्कॉन मुंबई की शाखा नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र संस्था है। यह फैसला जस्टिस अभय एस. ओक और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने सुनाया। मामले की सुनवाई 15 फरवरी 2016 को सुप्रीम कोर्ट में शुरू हुई थी और आठ साल बाद 24 जुलाई 2024 को सुनवाई पूरी होने के बाद निर्णय सुरक्षित रखा गया था। विवाद की जड़ इस्कॉन के संस्थापक श्रील प्रभुपाद भक्तिवेदांत स्वामी के 1977 में महासमाधि लेने के बाद उनके शिष्यों के बीच सिद्धांतों और प्रशासनिक नियंत्रण को लेकर शुरू हुई असहमति में है। इस्कॉन बेंगलुरु ने दावा किया था कि वह एक स्वायत्त इकाई है, जबकि इस्कॉन

मुंबई इसे अपनी शाखा मानता था। इस्कॉन बेंगलुरु के अध्यक्ष मधु पंडित दास ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा, ''यह श्रील प्रभुपाद के हरे कृष्ण आंदोलन के लिए ऐतिहासिक क्षण है। 1977 में उनके महासमाधि लेने के बाद इस्कॉन मुंबई ने उन शिष्यों को निष्कासित करने की कोशिश की जो श्रील प्रभुपाद को एकमात्र गुरु मानते थे। उन्होंने हमारी संपत्ति पर दावा किया और हमें बाहर करने की धमकी दी। सुप्रीम कोर्ट ने आज स्पष्ट किया कि बेंगलुरु की पंजीकृत इस्कॉन सोसाइटी ही मंदिर की मालिक है। मधु पंडित दास ने कहा, यह लड़ाई संपत्ति से ज्यादा आध्यात्मिक और नैतिक भ्रष्टाचार के खिलाफ थी। इस्कॉन मुंबई ने हमें बाहर करने और हमारी संपत्ति हड़पने की कोशिश की, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने माना कि बेंगलुरु की पंजीकृत इस्कॉन सोसाइटी ही मंदिर की मालिक है। कोर्ट ने इस्कॉन मुंबई की अपील को खारिज करते हुए उनके हस्तक्षेप पर रोक लगा दी। यह फैसला इस्कॉन बेंगलुरु को अपने मिशन को और विस्तार देने की स्वतंत्रता देता है। यह निर्णय न केवल संपत्ति विवाद को समाप्त करता है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री की गलत सूचना का पर्दाफाश, एआई फोटो को आधार बनाकर दी थी झूठी जानकारी

एजेंसी

नई दिल्ली । ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सैन्य कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने न केवल भारत के नागरिक और सैन्य ठिकानों पर हमले किए, बल्कि भारत के खिलाफ सूचना दुष्प्रचार भी चलाया। भारत सरकार लगातार इंटरनेट पर पाकिस्तान की ओर से फैलाए जा रहे इस दुष्प्रचार की पोल खोल रही है। हाल ही में पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार का झूठा दावा भी पकड़ा गया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने 15 मई, 2025 को सीनेट में एक बयान में दावा किया कि यूके के अखबार 'द डेली टेलीग्राफ' ने पाकिस्तान वायु सेना को 'आकाश का निर्विवादित राजा' कहा है। जबकि यह दावा एक एआई-जनरेटेड फोटो पर आधारित था, जिसे भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय ने फैक्ट चेक के माध्यम से सोशल मीडिया पर उजागर किया। 'पीआईबी फैक्ट चेक' ने पाक विदेश मंत्री के दावे को पूरी तरह फर्जी करार दिया और बताया कि 'द डेली टेलीग्राफ' की जिस हेडलाइन को आधार बनाकर यह दावा किया गया है, वह असल में एक एआई इमेज है, जो असली नहीं है और न ही किसी तरह से सच पर आधारित है। 'पीआईबी फैक्ट चेक' 'एक्स' अकाउंट पर पोस्ट में कहा, 'सोशल मीडिया पर प्रसारित एक तस्वीर में दावा किया गया है कि यह ब्रिटेन के अखबार 'द डेली टेलीग्राफ' के पहले पन्ने की है, जिसमें शीर्षक है: 'पाकिस्तान वायु सेनाः आसमान का निर्विवाद राजा' दिनांक 10 मई 2025।'यह दावा झूठा है क्योंकि यह फोटो ही एआई से बनाई गई है। 'द डेली टेलीग्राफ' में ऐसा आर्टिकल कभी प्रकाशित ही नहीं हुआ था।'इस गलत सूचना को पाकिस्तान ने जानबूझकर बढ़ावा दिया, जिससे पाक का डिजिटल धोखाधड़ी का एक और मामला सामने आया। इस फेक फोटो को आधार बनाकर पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने सीनेट में दावा किया था कि 'टेलीग्राफ'ने अपने लेख में पाकिस्तान को आकाश का निर्विवाद राजा बताया है। यह वीडियो भी सोशल मीडिया पर देखी गई और भारत सरकार ने इस दावे को खारिज किया। भारत सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के साथ-साथ पाकिस्तान की लगातार झूठी सूचना के खिलाफ भी लड़ाई को मजबूत किया है।

संक्षिप्त समाचार

राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय नावाडीह में रुआर कार्यक्रम एवं समर कैंप के अंतिम दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय नावाडीह प्रखंड कटकमदाग में रुआर कार्यक्रम एवं समर कैंप के अंतिम दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें प्रधान अध्यापक मो जहांगीर अंसारी एवं पीरामल फाउंडेशन की गांधी फेलो आयुषी वर्मा के नेतृत्व में अहले सुबह प्रभात फेरी का आयोजन किया गया तत्पश्चात समर कैंप के तहत बच्चों ने शिक्षकों के साथ मस्ती की नागपुरी गाने पर खूब नाच गाने के साथ उधम मचाए। फिर उन्होंने अपना सर्टिफिकेट निर्माण के तहत वीभिन्न डिजाइन का प्रमाण पत्र बनाया। बच्चों ने बताया कि चार दीवसीय समर कैंप एक नया अनुभव लेकर आई थी जिसका हम सभी ने खूब आनंद उठाया और स्कूल आने में बहुत रुचि लगी। विद्यालय में इस तरह का आयोजन नित्य सप्ताह में होनी चाहिए। ना सिर्फ बच्चे बल्कि शिक्षकों ने भी कार्यक्रम का खूब लुत्फ उठाया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करने हेतू प्रधानअध्यापक मो जहांगीर अंसारी ने विद्यालय के शिक्षक विनय कुमार सिंह ललन कुमार ओझा स्वदेश कुमार ओझा प्रभात कुमार ओझा, सरिता कुमारी एवं पंकज कुमार ओझा के प्रति आभार व्यक्त किया।

बड़कागांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं मॉडर्न पब्लिक स्कूल में डेंगू दिवस मनाया गया

बड़कागांव संजय कुमार

बड़कागांव। राष्ट्रीय डेंगू दिवस वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत बड़कागांव प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अविनाश कुमार के अध्यक्षता में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़कागांव में डेंगू दिवस मनाया गया। वही मॉडर्न पब्लिक स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम किया गया। डेंगू दिवस पर विद्यालय में क्विज प्रतियोगिता एवं जागरूकता के लिए रैली निकाला गया। मलेरिया सुपरवाइजर तरुण कुमार शर्मा के द्वारा बताया गया कि डेंगू एक हेमोरेजिक फीवर है। डेंगू वायरल बीमारी है इससे बचाव के लिए घर के आसपास जल जमाव नहीं होने देना है। कूलर के पानी को साफ करते रहना है, सप्ताह में एक दिन ड्राई डे के रूप में मनाना है। डेंगू बीमारी का पता चलने पर तुरंत इसकी जानकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को दें। मौके पर मुख्य रूप से विद्यालय के प्राचार्य अरुण कुमार, मो इब्राहीम, अन्य शिक्षक, स्वास्थ्य कर्मी मनोज प्रभाकर, नितेश रंजन, कमलेश कुमार, नवीन कुमार अन्य लोग उपस्थित थे।

रविवार संध्या को एम्पीथियेटर में अगरबत्ती नाटक का मंचन

- रंगमंच के कलाकारों के उत्थान हेतु "हों इंटरटेन्म्वंट" कल्चरल टिम कटिबद्धः रोहित वर्मा
- लगातार हो रहे नाटक से हज़ारीबाग़ की जानता रंगमंचको बेहतर जानेगीः चंदन सिंह

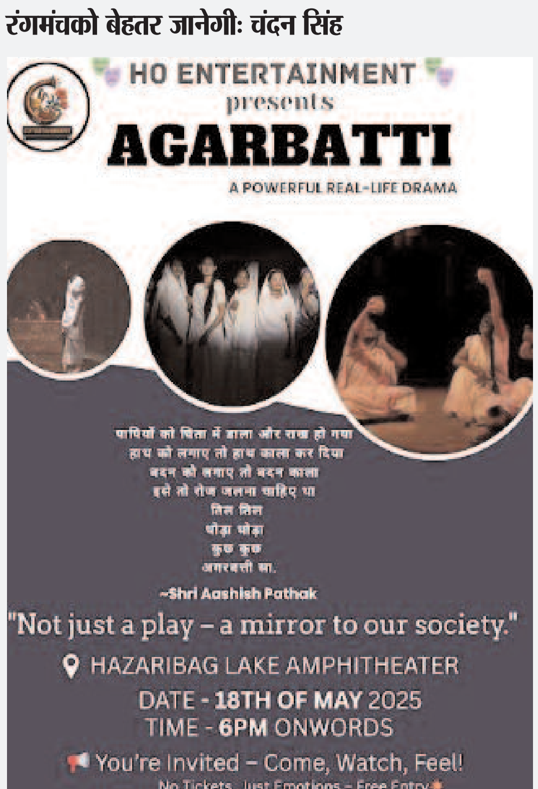

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। हो एंटरटेनमेंट सरकार अधिकृत संस्थान, द्वारा 18 मई 2025 को झील एम्फीथिएटर, हजारीबाग में एक विचारोत्तेजक नाटक अगरबत्ती का मंचन किया जा रहा है, इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय दर्शकों को रंगमंच के प्रति जागरूक करना और उनकी सांस्कृतिक रुचि को बढ़ावा देना है। इस उद्देश के ज़रिए इस महीने की अट्ठारह तारीख़ को संस्था द्वारा अगरबत्ती नाटक का मंचन किया जाएगा। नाटक अगरबत्ती पारंपरिक कला और अभिनय के माध्यम से समाज को एक महत्वपूर्ण संदेश देने का प्रयास करेगा। हो एंटरटेनमेंट रंगमंच और प्रदर्शन कला को बढ़ावा देने के लिए कार्यरत है और इस कार्यक्रम के माध्यम से स्थानीय कलाकारों को लगातार प्रदर्शन का अवसर प्रदान किया जा रहा है।झील एम्फीथिएटर में होने वाले कार्यक्रम हेतु किसी प्रकार का कोई प्रवेश शुल्क नहीं रखा गया है। इस मौके पर संस्था के सचिव रोहित वर्मा ने हजारीबाग के रंग मंच प्रेमियों और आम जानता से मौके पर उपस्थित होने का आग्रह किया है।

आरक्षी अधीक्षक ने अपराध गोष्ठी में दिए दिशानिर्देश

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। शुक्रवार को आयोजित अपराध गोष्ठी में पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग द्वारा सभी थाना प्रभारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को विभिन्न बिंदुओं पर दिशानिर्देश दिया गया। जिसमें वर्ष 2020 तक जितने भी कांड लंबित है उन सभी कांडों को प्राथमिकता के आधार पर निष्पादित करने हेतु सभी थाना प्रभारी को निर्देश दिया गया है, एनडीपीएस से संबंधित जितने भी कांड लंबित है उनक्ष सभी कांडों को निष्पादन करने हेतु संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक निर्देश दिया गया है, महिला प्रताड़ना एवं हिंसा तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति से संबंधित कांडों में अविलंब कार्रवाई करते हुए 60 दिनों के भीतर उन कांडों का निष्पादन करने का निर्देश दिया गया, पिछले माह में घटित *सभी महत्वपूर्ण अपराधिक कांडों* की समीक्षा की गयी तथा सभी कांडों के त्वरित निष्पादन के लिए निर्देश दिए गए, वर्ष 2024 के पूर्व जितने भी कांड लंबित है उन सभी कांडों को प्राथमिकता के आधार पर अविलंब निष्पादन हेतु निर्देशित किया, सभी थानों में जितने भी जमानती तथा गैरजमानती वारंट, इश्तेहार एवं कुर्की- जब्ती हेतु लंबित है उसे एक विशेष अभियान चलाकर निष्पादन करने हेतु निर्देशित किया गया, *सिविल कोर्ट के सुरक्षा की नियमित रूप समीक्षा करते हुए सुरक्षा से संबंधित सभी मानकों को पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया।

नशाखोरी के पदार्थ खरीद-बिक्री करने वाले गिरोह के विरुद्ध कार्रवाई करने का आदेश दिया गया. विभिन्न सोशल मिडिया की मोनिटरिंग करने हेतु सभी को निर्देशित किया गया. साथ ही *सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वाले लोगों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कड़ी कानूनन कार्रवाई* करने के लिए निर्देशित किया संगठित अपराध गिरोहों, अवैध खनन में संलिप्त व्यक्तियों तथा साम्प्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने वाले व्यक्तियों के खिलाफ छ्ष्ट एवं हृ्स* के तहत कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया. सरकारी जमीन से संबंधित जितने भी मामले थाना में लंबित है उन्हें यथाशीघ्र संबंधित अंचलाधिकारी से समन्वय स्थापित कर उसका निष्पादन करने हेतु निर्देशित किया गया। अवैध कोयला, बालू एवं पत्थर उत्खनन पर पूर्णत रोक लगाने हेतु निर्देशित किया गया. इसके लिए संबंधित *अंचल अधिकारी एवम् जिला खनन पदाधिकारी के साथ समन्वय* स्थापित करते हुए अवैध खनन पर कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया। सभी थाना प्रभारी को साइबर से संबंधित जितने भी कांड लंबित है उसे प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन करते हुए उसमें शामिल अभियुक्त की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है। आर्म्स एक्ट के पुराने कांडों में जितने भी अभियुक्त जेल से बाहर हुए हैं उन सभी अभियुक्त को को सत्यापन कर उनके विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश संबंधित थाना प्रभारी को दिया गया है।सभी थाना प्रभारी अपने अपने थानों में आम पब्लिक की समस्याओं को सुने एवं उसकी समस्याओं को समय पर निष्पादित करना सुनिश्चित करेंगे।

10+ 2 लॉर्ड कृष्णा स्कूल अमृत नगर हजारीबाग में सम्मान समारोह का आयोजन

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। 10+ 2 लॉर्ड कृष्णा स्कूल अमृत नगर हजारीबाग में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें प्रेस बंधु आकर विद्यार्थियों का साक्षात्कार लिए बच्चों से उनकी सफलता का राज पूछे जिसमें बच्चे अपने शैक्षणिक स्तर समय एवं गुरुजनों एवं माता-पिता की व्यवस्था की बात कही इस कार्यक्रम में 12वीं विज्ञान का छात्र एवं छात्रा तथा दसवीं कक्षा का छात्र एवं छात्रा उपस्थित रहे। विद्यालय के प्राचार्य कृष्ण कुमार देव एवं सचिव अमिताभ नीरज ने बुके एवं मोमेंटो देखकर विद्यार्थियों को सम्मानित किए। विद्यालय से 12वीं विज्ञान की छात्रा प्रथम अनुष्का प्रकाश 92.4%, द्वितीय उज्जवल कुमार सिंह 92.2%, एवं तृतीय तानिया कुमारी 83.4%, को सम्मानित किया गया। विद्यालय से विज्ञान 12वीं का परिणाम इस प्रकार रहा सबीबा जीनत 82.8%, अभिजीत कुमार सिंह 79.4%, रिया रानी 79%, अभिनव कुमार 78.2% ,सचिन सोनी 77.2% ,प्रिंस राज 74.6%, निर्भय कुमार 71.1%, विषय वार परिणाम इस प्रकार रहा अतुल प्रकाश अंग्रेजी 90% आयुष रंजन अंग्रेजी 95% अनुष्का प्रकाश अंग्रेजी 93% लावण्या श्री अंग्रेजी 90% मोहम्मद साकिब युसूफ अंग्रेजी 92% रिया रानी अंग्रेजी 97% तान्याकुमारी अंग्रेजी 94% उज्जवल कुमार सिंह अंग्रेजी 92% ,अनुष्का प्रकाश भौतिकी 93%, उज्जवल कुमार सिंह भौतिकी 92%, अनुष्का प्रकाश रसायन शास्त्र 99%, उज्जवल कुमार सिंह रसायन शास्त्र 93%, प्रिंस राज गणित82त्न, अनुष्का प्रकाश जीव विज्ञान 93%, उज्जवल कुमार सिंह जीव विज्ञान 90%, कंप्यूटर साइंस उज्जवल कुमार सिंह 96%, रिया रानी कंप्यूटर साइंस 90%, अभिनव कुमार कंप्यूटर साइंस 96%, अभिजीत कुमार सिंह कंप्यूटर साइंस 93%, उज्जवल कुमार सिंह फिजिकल एजुकेशन 96% एवं दसवीं कक्षा से प्रथम आयुष राज 93.2% द्वितीय पवन सागर 90% एवं तृतीय आनंद कुमार 83.8% को सम्मानित किया गया विद्यालय का परिणाम इस प्रकार रहा मोहम्मद अमजद राजा 81.8% रोशन कुमार दास 80.8% रोहित कुमार 80.4% नुसरत जहां 79% अभिषेक यादव 78.6% अंकित कुमार 75.2% आतिफा 71.2% लाकर विद्यालय का नाम रोशन किया विषय वार प्रतिशत इस प्रकार रहा आयुष राज विज्ञान 98% रोहित कुमार विज्ञान 94% पवन सागर विज्ञान 93% अभिषेक यादव विज्ञान 90% आनंद कुमार विज्ञान 89% रोशन कुमार दास विज्ञान 84% आयुष राज गणित 92% पवन सागर गणित 92% सागर सोशल साइंस 93% आयुष राज सोशल साइंस 90% नुसरत जहां हिंदी 91% रोशन कुमार दास हिंदी 92% पवन सागर हिंदी 89% आनंद कुमार हिंदी 90% कंप्यूटर साइंस आयुष राज 83% पवन सागर 83%, लाकर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय के प्रिंसिपल कृष्ण कुमार देव ,सचिव अमिताभ नीरज एवं शिक्षक गण मो0 अफरोज आलम, अनिल साव, भोला कुमार राय, जितेंद्र राय, जीवन कुमार यादव, पंकज कुमार राय, संदीप कुमार, सुमित कुमार, प्रदीप यादव, सुमंत कुमार उपाध्याय अतर अहमद, काजल कुमारी, मिली कुमारी रानी, देवंती देवी, रेखा देवी, शहनाज खातून, पायल अग्रवाल एवं पूनम कुमारी ने सभी विद्यार्थियों को धन्यवाद दिए एवं उज्जवल भविष्य की कामना किए।

वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन ने लगाया मई में सातवां रक्तदान शिविर

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। गुरुवार को वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन ने थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों एवं रक्त की कमी से पीड़ितों व्यक्तियों के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज में रक्तदान शिविर का आयोजन किया शिविर का उद्घाटन एसोसिएशन के अध्यक्ष ब्लड मैन निर्मल जैन ने किया शिविर का शुभारंभ नवीन जैन ने रक्तदान करके किया तत्पश्चात छोटन अंगुरिया , नानक सरण, मुकेश कुमार, अमित कुमार ,सत्यम कुमार, भोला कुमार,दीपक गुप्ता, अनिल कुमार मेहता, ए के साव एवंउदय कुमार सिंह, आदि अनेक रक्तदाताओं ने रक्तदान कर मानवता का परिचय दिया रक्तदान के पश्चात वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्मल जैन ने समस्त रक्त दाताओं के उज्जवल भविष्य की? कामना करते हुए उनके इस नेक कार्य के लिए बहुत-बहुत साधुवाद किया साथ ही रक्तदाताओं को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। श्री जैन ने बताया कि गर्मी में रक्तदान शिविर आयोजित करने में काफी कठिनाइयों आ रही है रक्तदान करने वाली सभी संस्थाओं से अनुरोध है कि वे शिविर लगाकर रक्त की कमी को पूरा करने में मदद करें। एक 9 महीने के बच्चे को ए पॉजिटिव रक्त की आवश्यकता थी ,उसका हीमोग्लोबिन काफी गिर गया था व्हाट्सएप की सूचना पर नवीन जैन ने अपने सारे काम छोड़कर उसे रक्तदान कर जान बचाने में मदद की । शिविर को सफल बनाने में वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्मल जैन मेडिकल कॉलेज के टेक्नीशियन मुरली प्रजापति ,शमशाद ,मुकीम अख्तर ,आ`खैरी ,शीला कुमारी ,सुशील सिंह एवं उदय कुमार निहाल राज का विशेष सहयोग रहा।

केरेडारी प्रखंड के बेंगवारी पंचायत के रैयतों तथा खनन परियोजना केरेंडारी (एनटीपीसी) के अधिकारियों के साथ उपायुक्त ने की वार्ता

- शुद्ध पेयजल,प्रदूषण,रोजगार, सड़क, ब्लास्टिंग के समय स्थानीय लोगों की समस्या,महिलाओं को स्वरोजगार एवं कृषि जैसे मुद्दों पर उपायुक्त ने की निर्णायक चर्चा
- एक सप्ताह के अंदर सभी मुद्दों पर कंपनी को प्रगति रिपोर्ट सौंपने का उपायुक्त ने दिया निर्देश
- स्थानीय निवासियों और प्रभावित लोगों की समस्याओं और चिंताओं को नजरअंदाज न किया जाएः उपायुक्त

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। केरेडारी प्रखंड के बेंगवारी पंचायत के रैयतों तथा खनन परियोजना केरेंडारी (एनटीपीसी) के अधिकारियों के साथ उपायुक्त श्रीमती नैंसी सहाय ने आज शुक्रवार को कार्यालय सभाकक्ष में वार्ता की।

बैठक में मुख्यतः शुद्ध पेयजल प्रदूषण, रोजगार, कृषि,सड़क, ब्लास्टिंग के समय स्थानीय लोगों की समस्या,महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने समेत कई मुद्दे पर निर्णायक चर्चा किया गया।

केरेडारी का बेंगवारी पंचायत माइनिंग अधिग्रहण क्षेत्र में नहीं आता है,लेकिन सीमावर्ती पंचायतों में हो रहे खनन कार्यों के कारण यह पंचायत प्रत्यक्ष रूप से पूर्णतः प्रभावित है। खनन कार्य के कारण बेंगवारी पंचायत में शुद्ध पेयजल की समस्या,जमीनी जल स्तर में कमी,नदियों के सुख जाने से कृषि कार्य की समस्या उत्पन्न हो गई है,इन्हीं बिंदुओं के निराकरण को लेकर बेंगवारी पंचायत के रैयतों ने उपायुक्त के साथ बैठक की।

उपरोक्त विषय को लेकर उपायुक्त श्रीमती नैंसी सहाय ने एनटीपीसी के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि रैयतों को शुद्ध पेयजल मिले यह सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रहे*,इस विषय पर किसी प्रकार का तर्क वितर्क स्वागत योग्य नहीं है। यह मनुष्य के स्वास्थ्य से जुड़ा है इसलिए इसे सर्वोच्च प्राथमिकता मिले।

एनटीपीसी के द्वारा इन रैयतों को टैंकर के माध्यम से उपलब्ध कराए जा रहे पेयजल की जांच कराकर रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि कंपनी इस बात का ख्याल रखे कि स्थानीयों को मूलभूत सुविधाओं से वंचित न होना पड़े।

उन्होंने पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करानें को लेकर प्रभावित लोगों के घरों का आकलन कर डीप बोरिंग हेतु सर्वे कराने का निर्देश दिया। सड़क के किनारे बसे होने के कारण ट्रकों से कोयले की ढुलाई के दौरान अत्यधिक कोल डस्ट और प्रदूषण के लिए ग्रीन नेट लगाने के उपायुक्त के निर्देश पर एनटीपीसी के द्वारा सहमति प्रदान की गई।

कृषि को लेकर उपायुक्त ने कहा कई क्षेत्रों में कोल खनन के कारण जल स्तर कम होने तथा नदियों के सुख जाने से स्थानियों के कृषि कार्य प्रभावित हुए है उन्हें मर्चरिंग,ड्रिप सिंचाई, लिफ्ट सिंचाई के माध्यम से कृषि कार्य हेतु किस प्रकार की सुविधाओं को बहाल किया जा सकता है इस बाबत प्रखंड कृषि पदाधिकारी द्वारा प्रोजेक्ट तैयार कराने का निर्देश दिया,साथ ही एनटीपीसी को इस प्रोजेक्ट को धरातल पर उतारने के लिए सभी आवश्यक सहयोग करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि कार्य जीविका का महत्वपूर्ण श्रोत होता है।

रोजगार के मामले पर बेंगवारी पंचायत के शेष बचे 50 परिवारों को भी प्राथमिकता के आधार पर पॉलिसी के अनुसार नियुक्ति देने की बात कही,साथ ही भविष्य में भी रिक्तियों को भरने की आवश्यकता पर इन परिवारों के सदस्यों को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। खनन प्रभावित क्षेत्रों के परिवारों को आवश्यक सहयोग देने को भी कहा।

हजारीबाग में फिर से बहाल हुई आयुष्मान भारत योजना की सुविधा, मरीजों को मिली राहत

- कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह ने स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी और सिविल सर्जन, हजारीबाग का जताया आभार

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। शुक्रवार को झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह ने आयुष्मान भारत योजना के तहत डायलिसिस सुविधा की बहाली और मरीजों को राहत मिलने के लिए स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी और हजारीबाग के सिविल सर्जन का आभार व्यक्त किया है। मुन्ना सिंह ने कहा कि हाल ही में डायलिसिस से पीड़ित मरीजों ने निजी अस्पतालों में सुविधा नहीं मिलने की शिकायत की थी, जिसे उन्होंने प्राथमिकता के आधार पर संबंधित विभागों के समक्ष रखा था। इसके बाद मंत्री और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा त्वरित संज्ञान लेते हुए व्यवस्था में सुधार किया गया, जिससे मरीजों को बड़ी राहत मिली है। उन्होंने कहा कि यह सकारात्मक बदलाव जनहित के प्रति सरकार और स्वास्थ्य विभाग की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आगे भी इस तरह की समस्याओं पर संवेदनशीलता और तत्परता से कार्रवाई की जाएगी। मुन्ना ने यह भी दोहराया कि कांग्रेस पार्टी जनस्वास्थ्य और आम जनता की भलाई को सर्वोपरि मानती है और इसी मूल उद्देश्य के साथ गरीब, पीड़ित और वंचित वर्ग की आवाज उठाने का कार्य करती रहेगी।

ए आई बी पार्क हजारीबाग जिला इकाई की बैठक

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। आर्ष कन्या विद्यालय गुरुकुल, नवाबगंज में सभी बैंकों के सेवानिवृत कर्मचारियों का संगठन ए आई बी पार्क हजारीबाग जिला इकाई की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता केनरा बैंक के अनंत कृष्ण ने की। बैठक में झारखंड राज्य ए.आइ. बी. पार्क के उप मंडलीय महासचिव कॉमरेड हितनाथ झा, जिला शाखा हजारीबाग के वाईस प्रेजिडेंट टी.पी. पोद्दार सहित विभिन्न बैंकों के लगभग पचास सदस्यों की उपस्थिति थी। बैठक प्रारंभ करने से पहले विगत कुछ महीनों में दिवंगत हुए बैंक सेवा निवृत कमचारियों एवं पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष पर्यटकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखा गया। ऑपेरशन सिन्दूर की भूरि-भूरि प्रसंसा की गई। तत्पश्चात संगठन के सचिव बृंदा प्रसाद ने राज्य कमिटी से हुए सांगठनिक संवादों एवं जिले में हुई गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी और सदस्यों द्वारा उठाए गए सांगठनिक प्रश्नों के जवाब भी दिए। बैंक रिटायरीज के सम्मुख वर्षों से लंबित एवं अहम मुद्दा है पेंशन अपडेशन। बैंक रिटायरीज के मूल पेंशन में कभी बढ़ोत्तरी नहीं होती जैसा कि राज्य एवं केंद्र सरकार के रिटायरीज के पेंशन में की जाती है, फ़लतः बैंक रिटायरीज घोर आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। बैंक रिटायरीज के प्रति सरकार के सौतेला व्यवहार पर रोष व्यक्त करते हुए मांग की गई कि सरकार जल्द से जल्द पेंशन अपडेशन करे। अधिकांश सदस्यों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। सांगठनिक मुद्दों के अतिरिक्त अनेक सदस्यों ने अपनी व्यक्तिगत अनुभवों का जिक्र करते हुए सेवा निवृति के बाद खुद को कैसे स्वस्थ रखा जाए इसपर अपने अपने विचार रखे। सदस्यों ने अपने वक्तव्य में इस बात पर अधिक जोर दिया कि सेवा निवृति के बाद स्वस्थ रहने के लिए खुद को अपने रुचिकर कामों में व्यस्त रखने का प्रयास करें। बैठक में आयुष्मान भारत योजना के तहत सत्तर साल से अधिक उम्र वालों को सरकार की ओर से दी जाने वाली मेडिकल बीमा सुविधा के विषय में चर्चा हुई और इसका लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। दो घंटे तक चली इस बैठक में उपस्थित साथियों में काफी उत्साह दिखा। यह संगठन समय-समय पर सामाजिक कार्य में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेती है एवं भविष्य में भी इस तरह के कार्य करने के लिए विचार-विमर्श हुई। बैठक में श्री दिलीप कुमार गुप्ता, मंदिरा गुप्ता, अरविंद किशोर, ए.के. त्रिपाठी, आशिष चक्रबर्ती, अजय कुमार, दिनेश श्रीवास्तव एवं और अनेक सदस्यों ने अपने अपने विचार रखे। साथी टी.पी.पोद्दार, विद्या सागर प्रसाद एवं अन्य कवियों द्वारा काव्य पाठ भी किया गया। टी.पी. पोद्दार को पिछले दिनों त्रिवेणीकान्त ठाकुर साहित्य जैसे प्रतिष्ठित सम्मान मिलने पर सभी सदस्यों ने बधाइयां दी। सभी साथियों ने प्रसन्नता व्यक्त की कि सेवानिवृत्त के बाद श्री हितनाथ झा की मैथिली में सात पुस्तकें प्रकाशित हुई है और साहित्यिक सम्मेलन में राज्य के बाहर भी सम्मिलित होते हैं। प्रमोद रंजन की चार पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी है। टी.पी. पोद्दार की हिन्दी एवं बांग्ला में अनेक पुस्तक प्रकाशित है। अजय कुमार के धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात बैठक की समाप्ति की घोषणा की गई।

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा विदेश राज्य मंत्री भारत सरकार कीर्ति वर्धन सिंह पहुंचे मां भद्रकाली के दरबार

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

इटखोरी (चतरा)। गुरुवार को केंद्रीय पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा विदेश राज्य मंत्री भारत सरकार इटखोरी अवस्थित ऐतिहासिक मां भद्रकाली मंदिर पहुंचे। मंदिर पहुंचने पर मंदिर प्रबंधन समिति एवं भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के द्वारा कीर्तिवर्धन सिंह का भव्य स्वागत किया गया। मंदिर पहुंचकर केंद्रीय पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा विदेश राज्य मंत्री भारत सरकार ने मां भद्रकाली की पूजा अर्चना कर देशवासियों के सुख समृद्धि की कामना की। मां भद्रकाली की पूजा अर्चना के उपरांत मंदिर परिसर अवस्थित समस्त देवालयों का दर्शन किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री को मंदिर प्रबंधन समिति के द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। मौके पर चतरा सांसद काली चरण सिंह, चतरा विधायक जनार्दन पासवान, सिमरिया विधायक उज्जवल कुमार दास, बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी, उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिंहा, अपर समहर्ता अरविंद कुमार, जिला परिषद उपाध्यक्ष ब्रजकिशोर तिवारी, डॉ. मृत्युंजय सिंह समेत कई अधिकारी और गणमान्य उपस्थित थे।

22 मई को सरना पूजा महोत्सव मनाने का निर्णय

• सरना पूजा महोत्सव के अवसर पर होगा एकदिवसीय मेला का आयोजन- सिकेंद्र खरवार

विकाश कुमार कान्हाचट्टी

कान्हाचट्टी प्रखंड के तुलबुल पंचायत के ग्राम जसपुर सरना स्थल में शुक्रवार को आदिवासी जनजाति समाज का एक बैठक सिकेंद्र खरवार के अध्यक्षता में किया गया, बैठक की संचालन उमेश सिंह खरवार ने किया,बैठक में हरेक वर्ष की तरह इस वर्ष भी 22 मई 2025 को सरना पूजा महोत्सव को पुरे धूमधाम से आदिवासी परम्पराओ एवं नगाड़ा मंदार के साथ मनाने का निर्णय लिया गया,वहीं सरना समिति के अध्यक्ष सिकेंद्र खरवार ने कहा है की ग्राम जसपुर में लगातार 9 वर्षो से प्रखंड के जसपुर गाँव में सरना पूजा का कार्यक्रम के अवसर पर एक दिन का मेला का आयोजन होते आया है और इस बार भी मेला का आयोजन किया जाएगा, साथ में बाजार एवं मेला लगाने वालों को भी सादर आमंत्रित किया गया है बैठक में शामिल, सिकेंद्र खरवार, उमेश खरवार, बिजय सिंह, रामुतार खरवार, राजकुमार सिंह खरवार, बून्दी सिंह, डोमन सिंह खरवार, ग्राम प्रधान रामसेवक सिंह खरवार, छोटू सिंह,सुरेश सिंह, रामधन सिंह, फुलेश्वर कुमार खरवार, उमेश सिंह, छोटेलाल खरवार,टीकम खरवार, पंकज सिंह, टहल सिंह खरवार, सोनू कुमार सहित महिलाएं शामिल हूए।

गिरिडीह में पावित्री हॉस्पिटल में रक्तदान शिविर का आयोजन

• सिविल सर्जन ने किया शुभारंभ

गिरिडीह, प्रतिनिधि। शुक्रवार को पावित्री हॉस्पिटल में रोटरी क्लब आफ गिरिडीह ग्रेटर के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ गिरिडीह के सिविल सर्जन डॉ एस. पी. मिश्रा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर अस्पताल के मुख्य चिकित्सक व निदेशक डॉ रितेश कुमार सिन्हा, डॉ सोहेल, डॉ कामेश्वर प्रसाद सहित कई चिकित्सक, रोटरी क्लब के सदस्य सी.ए आकाश रौशन, पावित्री फार्मा संचालक रितेश जमुवार, रवि सिन्हा, अंकित सिन्हा और अन्य ने रक्तदान कर इस नेक कार्य में भाग लिया। शिविर मे डॉ रितेश कुमार सिन्हा के पिता आशुतोष प्रसाद और गिरिडीह रोटरी के अध्यक्ष ब्रह्मदेव प्रसाद, गिरिडीह रेड क्रॉस की निकिता गुप्ता, मदन विश्वकर्मा, नवीन सिन्हा, प्रदीप दाराद और अस्पताल स्टाफ ने भी सहयोग दिया। सभी ने रक्तदान के महत्त्व और थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों के लिए इसकी आवश्यकता पर जोर देते हुए लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया।

दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप

जमुआ,प्रतिनिधि। जमुआ के गांव के राजेश यादव की पत्नी कुसुम देवी ने जमुआ थाना में प्राथमिकी दर्ज कराकर अपने ससुराल वालों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। पीड़िता के अनुसार उसकी शादी वर्ष 2024 में हुई है। शादी के समय पिता ने दहेज में छह लाख रुपया और एक बाइक दिया था। शादी के दो महीना बाद उसका पति राजेश यादव, ससुर हूलो महतो और सास सदवा देवी उसे मायके से दो लाख रुपया मांगकर लाने की बात कहते हुए प्रताड़ित करने लगे। उसने मायके वालों को इस बात की जानकारी दी जिसके बाद घरेलू पंचायत हुआ। पंचायत के बाद भी उसे प्रताड़ित करने का दौर नहीं थमा जिसके कारण वह अपने मायके बिरनी के जनता जारीडीह में रह रही है। उसने ससुराल वालों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग किया है।

सीसीएल के सीएमडी पद पर निलेंदु कुमार सिंह एक साल बेमिसाल कड़ी मेहनत, टीमवर्क, दूरदृष्टि, पक्का इरादा, समर्पण और प्रतिबधता का साल

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

टंडवा-केरेडारी/ जब मन में बेहतर से बेहतरीन करने की सकारात्मक सोच हो और योजना बद्ध तरीके से लक्ष्य प्राप्त करने का दृढ़ संकल्प के साथ कुछ और सोचे तो नए कृर्तिमान बनते है और इतिहास के अध्याय में स्वर्णीम पन्ना जुड़ते हैं। सीसीएल के सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह के एक वर्ष के कार्यकाल में सर्वकालिक सर्वाधिक गुणवत्ता पूर्ण कोयला उत्पादन और कोयला डिस्पैच का कीर्तिमान तो बना ही कुछ ऐसे कल्याणकारी कार्य भी हुए जिसका लाभ सीसीएल के आम लोगों को चिरकाल तक प्राप्त होता रहेगा। यही कारण है कि यह कहा जाने लगा है कि सीसीएल के सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह के एक साल का कार्यकाल बेमिशाल साबित हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार निलेंदु कुमार सिंह ने 30 अप्रैल 2024 को सीसीएल के सीएमडी का पदभार ग्रहण किया था। उन्होंने पदभार ग्रहण करने के साथ ही सीसीएल के सभी क्षेत्रों एवं परियोजनाओं का गहण दौरा किया। अधिकारियों, कामगारों, श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों से कोलियरी के समस्याओं की जानकारी प्राप्त की तथा उत्पादन बढ़ाने के लिए उनसे सुझाव लिया। श्री सिंह ने समस्याओं का निराकरण कर उत्पादन बढ़ाने के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास शुरू कर दिया। चुनावी वर्ष होने के कारण कई समस्याओं से निपटते हुए उत्पादन बढ़ाने का प्रयास युद्ध स्तर पर चलते रहा। नतीजतन श्री सिंह के पदभार ग्रहण करने के महज एक महीने के कार्यकाल में 31 मई 2024 तक सीसीएल के कोयला उत्पादन में 29% का ग्रोथ हुआ। ग्रोथ का यह सिलसिला जारी रहा और वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंत तक निलेंदु कुमार सिंह के नेतृत्व में सीसीएल ने 87.55 मिलियन टन कोयला उत्पादन करने का सर्वकालिक कीर्तिमान स्थापित कर दिया। इसके पूर्व वित्तीय वर्ष 2023-24 में सीसीएल ने 86.054 मिलियन टन कोयला उत्पादन किया था जो उस वक्त का सर्वकालिक सर्वाधिक उत्पादन का कीर्तिमान था। श्री सिंह के नेतृत्व में गत वित्तीय वर्ष में 85.81 मिलियन टन कोयला डिस्पैच कर सर्वकालिक कीर्तिमान स्थापित किया। जहां तक जन कल्याण के कार्य की बात है तो निलेंदु कुमार सिंह के कार्यकाल में अब तक चिकित्सा, शिक्षा, खेल, कला संस्कृति मुख्यालय स्तर से क्षेत्रीय स्तर पर कई ऐसे कार्य हुए जिससे सीसीएल कर्मियों के साथ साथ झारखण्ड के आम लोगों को काफी लाभ पहुंचा। रांची में कांके रिनपास के पास 200 विस्तरों वाले सुपरस्पेशिलिटी अस्पताल का निर्माण होना झारखण्ड के लोगों के लिए एक बहुत बड़ी देन है। कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी ने 10 जनवरी 2025 में इसका शिलान्याश किया था। इस वर्ष इसके चालू होने की उम्मीद की जाती है। सीसीएल के गाँधीनगर अस्पताल में अक्सर निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाकर लोगों को विशेषज्ञ चिकित्सकों की सलाह दी जाती है और उपचार की सुविधा प्रदान की जाती है। खेलगांव में खेलाड़ियों को बेहतर और आधुनिक सुविधा प्रदान की जाती है। सीसीएल के लाल एवं लाडली योजना के तहत गरीब मेधावी छात्र छात्राओं को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने की व्यवस्था को बेहतरीन किया गया है। सफल मैराथन के आयोजन तथा प्रधानमंत्री के आवाहन पर एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम में लाखों पेड़ लगवाए एवं बांटे गए। श्री सिंह के नेतृत्व में चालू वित्तीय वर्ष में भी सीसीएल के उत्पादन में नया कीर्तिमान बनने की उम्मीद है।

चौबीस सूत्री मांगों के समर्थन में विस्थापित प्रभावित ट्रकचालक उपचालकों का जीएम ऑफिस के समक्ष प्रदर्शन किया गया

बालूमाथ। बालूमाथ चौबीस सूत्री मांगों के समर्थन में विस्थापित प्रभावित ट्रकचालक उपचालकों का सीसीएल जीएम कार्यालय के समक्ष शुक्रवार को प्रदर्शन किया गया।विस्थापित, इस संबंध में जानकारी देते हुए विस्थापित, प्रभावित बेरोजगार ट्रक चालक, उपचालक के द्वारा बताया गया कि सीसीएल से विभिन्न मांगों को लेकर पिछले दो महीनों से अनिश्चितकालीन धरना के बावजूद प्रबंधन द्वारा कोई सकारात्मक पहल नहीं किया गया है।जिससे नाराज विस्थापित, प्रभावित ट्रक चालक उपचालक शुक्रवार को हजारों की संख्या में मोटरसाइकिल रैली निकलकर सीसीएल द्वारा संचालित तेतरियाखाड़ प्रोजेक्ट से रैली लेकर नगड़ा, तसतबार, बड़का बालूमाथ होते हुए चंदवा स्थित महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष अपनी मांग के समर्थन में रोष पूर्ण प्रदर्शन व गेट मीटिंग करेंगे। विस्थापित, प्रभावित बेरोजगार ट्रक चालक, उपचालकों ने चौबीस सूत्री मांग को आन्दोलन की तिथि से पहले पूरा करने का आह्वान सीसीएल प्रबंधन से की है।

लातेहार सह प्रभारी अजय नाथ शाहदेव का बालूमाथ में भव्य स्वागत

संवाददाता राम कुमार

बालूमाथ। लोहरदगा से हेरहंज की यात्रा के दौरान कांग्रेस संगठन विस्तार अभियान के तहत लातेहार कांग्रेस सह प्रभारी अजय नाथ शाहदेव का बालूमाथ में भव्य स्वागत किया गया। बालूमाथ कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष मो0 आमिर हयात के नेतृत्व में आयोजित इस स्वागत समारोह में पार्टी के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।स्वागत करने वालों में बालूमाथ कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष समेत बारियातू कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष रीगन कुमार, बारियातू मंडल अध्यक्ष अजय कुमार राम,बालूमाथ पश्चिम मंडल अध्यक्ष कर्मदेव भगत प्रमुख रूप से शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान संगठन के मजबूती पर चर्चा हुई तथा स्थानीय कार्यकर्ताओं से संवाद स्थापित कर आगामी रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया। अजय नाथ शाहदेव ने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर कांग्रेस युवा नेता फैसल खान,आसिफ खान, मुन्ना खान, रिंकू खान, राजन खान, मोहम्मद कमाल सहित कांग्रेस के कई लोग शामिल रहे।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने ली युवती की जान

तेज रफ्तार बालू लदे ट्रैक्टर ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह जिले में गुरुवार की देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें एक विवाहित युवती की मौत हो गई। 22 वर्षीय राधिका किशोरी अपने भाई के साथ बाइक से ससुराल जा रही थी, जब एक तेज रफ्तार बालू लदे ट्रैक्टर ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी कि दोनों भाई-बहन सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना देवरी थाना क्षेत्र के बड़ाडीह गांव के पास हुई। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने राधिका को मृत घोषित कर दिया। राधिका की पहचान पचंबा गांव निवासी शंकर राणा की पत्नी के रूप में हुई है। उसकी शादी मात्र एक साल पहले ही हुई थी। गुरुवार की रात वह बरवाबाद स्थित अपने मायके से ससुराल लौट रही थी। रास्ते में यह भीषण दुर्घटना घट गई। हादसे में राधिका का भाई सातो राणा भी गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है और उसका इलाज जारी है। इस दुर्घटना ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है और गांव में शोक की लहर है। इस घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। वहीं, परिवार के सदस्य शव को लेकर देवरी गांव वापस लौट आए। स्थानीय लोगों का कहना है कि गिरिडीह में बालू घाटों के टेंडर नहीं होने के कारण बालू का अवैध खनन और परिवहन बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। ट्रैक्टर चालक पुलिस की नजर से बचने के लिए तेज रफ्तार में वाहन चलाते हैं, जिससे इस तरह के हादसे अक्सर होते रहते हैं। इलाके के लोगों ने प्रशासन से इस घटना के बाद अवैध बालू ढुलाई पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि अगर ट्रैक्टरों की रफ्तार पर नियंत्रण नहीं लगाया गया और अवैध परिवहन पर रोक नहीं लगी, तो ऐसे हादसे आगे भी होते रहेंगे। राधिका की मौत ने एक बार फिर जिला प्रशासन की कार्यशैली और कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों को न्याय दिलाने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाने की आवश्यकता है।

वशिष्ठ नगर जोरी थाना पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

हंटरगंज (चतरा)। अलग-अलग मामलों के दो आरोपितों को वशिष्ठ नगर जोरी थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर शुक्रवार को चतरा जेल भेज दिया। पहला मामला सलैया पंचायत के पहाड़पुरा गांव का है। बीते 15 अप्रैल को तथाकथिक झोला छाप डॉक्टर के गलत इंजेक्शन से सुरेंद्र यादव नामक व्यक्ति पोस्तिया निवासी की मौत हुई थीं जिसमे आक्रोशित ग्रामीणों ने मृतक के शव चतरा डोभी मुख्य पथ एनएच 22 पर रख तथाकथिक छोलाछाप डॉक्टर पर करवाई के मामले में मृतक के पत्नी सरिता देवी ने वशिष्ठ नगर जोरी थाना में तथाकथिक छोलाछाप डॉक्टर लालू यादव उर्फ लालदेव के विरूद्ध कांड संख्या 20/25 में मामला दर्ज कराया गया था। दूसरा मामला जोलडीहा गांव का है। बीते एक वर्ष पूर्व धर्म सिंह के पुत्र छेदी सिंह पर थाना में एनडीपीएस एक्ट कांड संख्या 105/24 था । वहीं उक्त दोनों आरोपित फरार चल रहे थे। पुलिस ने बीती रात दोनो आरोपितों के घर में छापेमारी कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

शंकर औषधालय और पोस्ट ऑफिस में चोरी मामले में एक को पुलिस ने भेजा जेल

बड़कागांव संजय कुमार

बड़कागांव। हजारीबाग रोड स्थित शंकर औषधालय एवं पोस्ट ऑफिस में 10 मई की रात को हुई चोरी मामले को लेकर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामले को लेकर बड़कागांव थाना प्रभारी नेमधारी रजक ने बताया कि अनुसंधान के पश्चात हरधराबागी निवासी आरोपी यदुनंदन कुमार उर्फ यदू को गिरफ्तार कर न्यायिक विरासत में हजारीबाग भेजा गया है। बताते चलें कि शंकर औषधालय के प्रोपराइटर अरुण कुमार ने चोरी मामले को लेकर थाना में आवेदन देकर पुलिस से कार्रवाई करने की मांग की थी।

एससी एसटी एक्ट का मामला दर्ज

जमुआ, प्रतिनिधि। जमुआ के मिर्जागंज निवासी सुमित कुमार राज ने बजाज बाइक कंपनी के एएसएम और आरएम के खिलाफ एससी एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज करवाया है। सुमित के द्वारा न्यायालय में दर्ज परिवाद पत्र के आधार पर शुक्रवार को जमुआ थाना में प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया गया है। सुमित कुमार राज ने घटना बीती माह का बताते हुए कहा है कि बजाज कंपनी की तरफ से चोरपको मैदान में पल्सर वाहन का मिनिया कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में गाड़ी की खूबियां दिखाई जा रही थी। कार्यक्रम में बजाज कंपनी के बड़े बड़े पदाधिकारी आए हुए थे। कंपनी के अधिकारी लक्ष्यदेव द्वारा बीच बीच में पब्लिक का स्टेटमेंट में लिया जा रहा था। सुमित के अनुसार इस दौरान उसने यह कहा कि जो सुविधा आप अपनी कंपनी की बाइक के बारे में बता रहे हैं वह सभी खूबियां तो टीवीएस कंपनी की अपाची गाड़ी में भी है।आपलोग कंपनी का झूठा प्रचार कर रहे हैं। दर्ज बयान में सुमित ने कहा है कि उसके द्वारा इतना कहे जाने के बाद कंपनी के अधिकारी लक्ष्यदेव और मो अफजल ने उसे अपने अस्थाई कार्यालय में बुलाया और नाम पता पूछते हुए कहा कि तुम्हारी शिकायत को हम कंपनी तक पहुंचाएंगे। सुमित के अनुसार कार्यक्रम समाप्त होने के बाद वह अपने कुछ दोस्तों के साथ वापस जमुआ लौटा।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भाजपाइयों ने 251 फीट के तिरंगे के साथ निकाला तिरंगा यात्रा, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी हुई शामिल

गिरिडीह, प्रतिनिधि। पहलगाम में हुए आतंकी घटना के बाद भारत के द्वारा पाकिस्तान में छिपे आतंकवादियों के सफाया करने के लिए भारत सरकार के द्वारा चलाये गए ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद भारतीय जनता पार्टी के द्वारा भारतीय सेना के सम्मान में देश भर में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। इसी कड़ी में गिरिडीह जिले में भी तिरंगा यात्रा निकाली गयी। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, जमुआ की विधायक डॉ. मंजू कुमारी, कोडरमा के पूर्व सांसद डॉ. रविंद्र राय समेत कई पूर्व विधायक पूर्व सांसद और सैकड़ो की संख्या में भाजपाई शामिल हुए। भाजपा की यह तिरंगा यात्रा शहरी क्षेत्र के झंडा मैदान से निकलकर पूरे शहरी क्षेत्र का भ्रमण करते हुए बड़ा चौक पहुंची। इस दौरान तिरंगा यात्रा में शामिल महिला-पुरुष व युवा हाथों में 251 फीट के तिरंगा के साथ यात्रा में शामिल हुए और पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय सेना और भारत सरकार के द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भारतीय सेना और भारत सरकार को बधाई दी और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए गए। इस दौरान केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने बताया कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साफ शब्दों में कह दिया है कि भारत आतंकवाद को कभी बर्दाश्त नहीं करेगा और आतंकवादी कहीं भी छिपे रहेंगे उन्हें ढूंढ-ढूंढ कर भारत की सेना खत्म करने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से पहलगाम में आतंकवादीयों ने मासूम लोगों की धर्म पूछकर निर्मम हत्या की इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय सेना के द्वारा आतंकवादियों के खात्मे के लिए ऑपरेशन सिंदूर चलाया और यह ऑपरेशन पूरी तरह से सफल रहा। देश के वीर जवानों ने पाकिस्तान और आतंकवादियों को बताने का काम किया की अगर भारत की तरफ कोई भी आतंकवादी आँख दिखाने के काम करेगा तो भारत की सेना उसे मिट्टी में मिलाने का काम किया है। उन्होंने पाकिस्तान को आतंकवादियों को पनाह देने वाला देश बताया। इस यात्रा में केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, भाजपा प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रविंद्र राय, जमुआ विधायक डॉ. मंजू कुमारी, पूर्व विधायक जयप्रकाश वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष महादेव दुबे, भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता बिजय चौरसिया, भाजपा नेता चुन्नूकांत, सुरेश साव, दिनेश यादव, संदीप डंगाईच, संजीत सिंह पप्पू, दीपक रंजन, दिलीप केशरी, मिथुन चंद्रवंशी, साहिल शर्मा, विवेक गुप्ता विक्की, संगीता सेठ, शालिनी वैशखियार, विनीता कुमारी, नवीन सिन्हा, मनोज संघई, दीपक शर्मा, श्याम प्रसाद, प्रदीप साहू समेत कई भाजपा नेता व कार्यकर्ता शामिल हुए।

संक्षिप्त समाचार

रामगढ़ के एक गांव में विगत आधी रात को घर में अकेली महिला के साथ बलात्कार करने का किया कोशिश मामला पहुंचा थाना

रामगढ़/रामजी साह।
रामगढ़ थाना क्षेत्र के एक गांव में बीते गुरुवार की रात 9.30 बजे घर में अकेली हो रही एक महिला के साथ घर के आगे का दरवाजा तोड़कर एक युवक ने सो रही महिला के साथ बलात्कार करने की नाकाम कोशिश किया।महिला द्वारा हो हल्ला करने पर युवक ने महिला के साथ मारपीट कर घर में रखे स्कुटी वाहन को टांगी से मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया। महिला का पति मजदूरी करने दुसरे प्रदेश गया हुआ है। महिला ने अपने आवेदन में बताया कि आरोपी युवक बराबर हमें राह चलते तंग करता है तथा धमकी देता है कि तुमको मेरे साथ रहना पड़ेगा, महिला काफी डरी सहमी हुई है। इस मामले में पीड़िता ने आरोपी इलियस टुडु,पिता लखन बबलू टुडु थाना रामगढ़ जिला दुमका के खिलाफ रामगढ़ थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की पुरजोर मांग किया है।वहीं समाचार लिखे जाने तक मामला दर्ज नहीं हो पाया था।थाना प्रभारी मनीष कुमार से मंतव्य लेने की कोशिश किया गया लेकिन संपर्क नहीं हो पाया। वहीं इस घटना को लेकर पुलिस छानबीन में जुट गई है।

चंदन गाड़िया गांव में 200 परिवार एक चापाकल के भरोसे जिस कारण ग्रामीणों को हो रही है पेय जल की काफी किल्लत

शिकारीपाड़ा/दुमका/
सरकार जहां पेय जल के लिए लाख वादे करें की की घर घर पानी पहुंचाया जा रहा है , लेकिन धरातल पर कुछ और ही दिखता है जी हां आप सही सुन रहे है, हम बात कर रहे झारखंड की उपराजधानी दुमका के शिकारीपाड़ा प्रखंड के चंदनगड़िया गांव की , जहां 200 परिवार एक चापाकल के भरोसे है, जिस कारण ग्रामीणों को पेय जल के लिए काफी समस्या हो रही है इस संबंध में गुरुवार को 3 बजे ग्रामीण बताते है कि एक चापाकल रहने के लिए हम लोगों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है और तो और चापाकल से पानी भी कम निकलता है, हमलोग यहां वहां से पानी लाते है , हमलोगों के यहां और चापाकल या पानी टंकी बनवाने की जरूरत है ताकि पेय जल के लिए जो समस्या हो रही है उससे निजात मिल सके।
इस संबंध जब पीएचडी विभाग के JE सोनू कुमार से बात की गई तो उन्होंने कहा कि नया बोरिंग तो अभी नहीं हो रहा है यदि पुराना चापाकल है और वो मरम्मत होती है तो उसे ठीक कर दिया जाएगा।

तंबाकू उत्पादों की बिक्री में अंकुश लगाने को लेकर जिले के विभिन्न प्रखंडो में चलाया गया जांच अभियान

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़
पाकुड़ उपायुक्त मनीष कुमार के निर्देशानुसार आज से जिले के विभिन्न प्रखंडो में तंबाकू उत्पादों की बिक्री के विरुद्ध व्यापक अभियान प्रारंभ कर दिया गया है। शुक्रवार को अभियान के तहत हिरणपुर प्रखंड सहित विभिन्न प्रखंडो में छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान कई दुकानों पर तंबाकू निषेधात्मक नियमों का उल्लंघन करने के लिए जुर्माना लगाया गया। सभी दुकानों पर सिगरेट व तंबाकू उत्पादों के पैकेटों की जांच की गई तथा नियमों का उल्लंघन कर उत्पादों की बिक्री करने वालों पर जुर्माना भी लगाया गया। सिगरेट व अन्य तंबाकू उत्पादों को जब्त कर मौके पर ही नष्ट भी किया गया एवं दुकानदारों को भविष्य में बिना वैधानिक चेतावनी वाले तंबाकू उत्पाद बिक्री करने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी।

सिंगारसीं वायुसेना कैंप के अंदर फंदे से झुलता मिला रवि रंजन राय का शव

- **मृतक की पहचान बिहार के पटना निवासी रवि रंजन के रूप में पहचान हुई है**

सौरभ भगत
आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
आमड़ापाड़ा (पाकुड़) अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र के वायुसेना कैंप सिंगारसी में युवक के द्वारा आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। वायुसेना कैंप के एक कमरे से दुर्गंध आने पर स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना अमड़ापाड़ा थाना को दी। वहीं सूचना मिलते ही एसआई सन्नी सुप्रभात पुलिस दल-बल के साथ मौके पर सिंगारसी कैंप पहुंचे और मामले की पूरी जानकारी ली। घटनास्थल पर वायुसेना कैंप के भीतर मेस में कार्यरत युवक रवि रंजन राय का शव उसके कमरे में पंखे से लटका हुआ पाया गया। प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला प्रतीत हो रहा है। शव की स्थिति को देखते हुए अनुमान लगाया जा रहा है कि युवक ने लगभग एक से दो दिन पहले फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली है। वहीं मृतक की पहचान बिहार के पटना निवासी रवि रंजन राय के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दे दी गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल पाकुड़ भेज दिया है। पोस्टमार्टम होने के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कृषि, पशुपालन, सहकारिता, उद्यान एवं आत्मा विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक की गई आयोजित

दुमका।
ललित कुमार पाल की रिर्पोट
उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे की अध्यक्षता में उपायुक्त कार्यालय कक्ष में कृषि, पशुपालन, सहकारिता, उद्यान एवं आत्मा विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें जिला कृषि पदाधिकारी श्री सत्य प्रकाश, जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ. अवधेश कुमार सिंह, जिला उद्यान पदाधिकारी श्री गौतम कुमार, परियोजना निदेशक आत्मा श्री संजय कुमार मंडल एवं जिला सहकारिता विभाग के प्रतिनिधि उपस्थित थे।
बैठक के दौरान उपायुक्त ने निर्देश दिया कि कृषि ऋण माफी योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना एवं बीज वितरण की प्रक्रिया को समयबद्ध रूप से पूरा कर किसानों तक लाभ पहुंचाया जाए।
जिला सहकारिता पदाधिकारी द्वारा जानकारी दी गई कि जिले के चार प्रखंड–जरमुंडी, सरैयाहाट, शिकारीपाड़ा एवं रानेश्वर में 500 मीट्रिक टन क्षमता वाले गोदामों के निर्माण कार्य की शुरुआत हो चुकी है। जिला उद्यान पदाधिकारी ने अवगत कराया कि जिले में प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने हेतु एक योजना प्रारंभ की जा रही है, जिससे किसानों को टिकाऊ एवं लाभकारी खेती के लिए प्रेरित किया जाएगा। परियोजना निदेशक आत्मा ने बताया कि आत्मा द्वारा किसानों को 90 प्रतिशत अनुदान पर 2 एचपी क्षमता वाले सोलर पंप वितरित किए जा रहे हैं, जिससे सिंचाई की सुविधा बेहतर होगी और किसानों की उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी।
बैठक में उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के साथ किया जाए, ताकि अधिक से अधिक किसानों को लाभ मिल सके।

डीएवी विद्यालय में विद्यार्थियों को डेंगू बुखार के प्रति किया गया जागरूक

- **राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर पाकुड़ जिला के डीएवी विद्यालय एवं संत जोसेफ विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन**

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो
पाकुड़- सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल, जिला भी0वी0डी पदाधिकारी डॉ अमित कुमार, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी पाकुड़ डॉ गुफरान आलम के द्वारा बच्चों को डेंगू बुखार के लक्षण के साथ-साथ बचाव के उपाय भी बताए गए। उन्होंने बताया कि यह वायरस मच्छरों से फैलता है। डेंगू एक वायरल बुखार है जो की एडीज एजिप्टी नामक मादा मच्छर के काटने से फैलता है। इस बुखार में सिर में तेज दर्द, मांसपेशियों में खिंचाव, जी मचलना आदि है। यह मच्छर साफ रुके हुए पानी में अंडे देता है। इससे बचाव का एकमात्र यहीं उपाय है कि हम घरों की छतों में, टूटे हुए बर्तनों और अन्य किसी स्थान पर पानी को एकत्रित न होने दे। उन्होने बताया कि हमें पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनना चाहिए।यदि किसी को समान लक्षण दिखाई देते हैं तो नजदीकी के सरकारी अस्पताल में जाकर डेंगू की जांच करवाएं जो सरकार के द्वारा निःशुल्क किया जाता है।
इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग से अंकित कुमार, राज किशोर प्रसाद एवं शांतनु मंडल एवं शहरी स्वास्थ्य प्रबंधक मो0 फहीम अख्तर सक्रिय रहे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु डीएवी विद्यालय प्राचार्य डॉ विश्वदीप चक्रवर्ती का मुख्य सहयोग रहा।

दिव्यांग के बीच व्हीलचेयर का किया गया वितरण

- **व्हीलचेयर पाकर लाभुक ने सरकार और जिला प्रशासन के प्रति जताया आभार**

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़
पाकुड़ प्रखंड में दिव्यांग के बीच व्हीलचेयर का वितरण किया गया। पाकुड़ प्रखंड अंतर्गत चांचकी ग्राम के दिव्यांग अजमाईल शेख को बाल विकास परियोजना पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी पाकुड़ श्री भागीरथ महतो ने व्हीलचेयर प्रदान किया गया। व्हीलचेयर पाकर लाभुक ने सरकार और जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया। कहा की इससे दैनिक जीवन में काफी सहूलियत मिलेगी।

बीडीओ हिरणपुर ने बिरसा हरित ग्राम एवं आवास योजना का निरीक्षण किया

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो
हिरणपुर (पाकुड़) शुक्रवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी हिरणपुर टुडू दीलिप ने मंझलाडीह पंचायत के गांवों में मनरेगा के तहत् बिरसा हरित ग्राम योजना में गड्ढा कोड़ो कार्य का निरीक्षण किया। महारो गांव में स्वीकृत जेम्स टुडू एवं अन्य तीन लाभुकों के गड्ढा खुदाई कार्य प्रगति पर पाया। बीडीओ ने 30 मई तक गड्ढा खुदाई एवं ट्रेंच कटिंग कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने 04 एकड़ के इस पैच को बेहतर बनाने हेतु लाभुकों को हर संभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि इस तरह के पैच हाथकाठी, तेलोपाड़ा, आसनजोला, नारायणडीह, जामबाद, बड़तल्ला एवं अन्य गांवों में है जिसकी मानिटरिंग वह स्वयं कर रहे हैं।
उन्होंने अधूरे पड़े अबुआ आवास का भी निरीक्षण किया तथा छत ढलाई का कार्य मानसून से पहले करने के लिए लाभुकों को प्रेरित किया।
मौके पर प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी ट्विंकल चौधरी, जेएसएलपीएस के शंकर तिवारी, लखन साह एवं अन्य उपस्थित रहे।

बिरसा हरित ग्राम योजना में पौधारोपण से पूर्व किये जाने वाले गतिविधियों में पाकुड़ राज्यभर में अव्वल

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़
पाकुड़- राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना बिरसा हरित ग्राम योजना में पाकुड़ जिला में वृक्षारोपण के लिए लाभुकों का चयन करने में राज्यभर में पहले पायदान पर रहा। मनरेगा अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 बिरसा हरित ग्राम योजना में कुल 1500 एकड़ भूमि में वृक्षारोपण करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। जिसके विरुद्ध अबतक 1506 एकड़ योजना MIS में स्वीकृत किया जा चुका है तथा 881 योजना स्ढ्रुस में चालू है एवं 725 एकड़ में गड्ढा खुदाई का कार्य पूर्ण हो चुका है जो लक्ष्य का 48% उपलब्धि है। बंजर भूमि विकास तथा किसान का आजीविका व्यवस्था करने एवं आर्थिक रूप से मजबूत करने हेतु योजना महत्वपूर्ण है। उपायुक्त मनीष कुमार ने आगे भी इसी प्रकार उत्कृष्ट कार्य करने हेतु मनरेगा के सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को प्रोत्साहित किया। साथ ही, मनरेगा के अंतर्गत चल रही योजनाओं को और बेहतर तरीके से क्रियान्वयन करने पर बल दिया।

डीटीओ ने अवैध रूप से पार्किंग करने वाले वाहनों पर की कार्रवाई, 23 हजार 650 रुपये का जुर्माना वसूला

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो
पाकुड़- जिला परिवहन पदाधिकारी संजय पीएम कुजुर द्वारा जिले के नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न चौक चौराहों के पास अनधिकृत रूप से पार्किंग करने वाले वाहनों पर कार्रवाई की गई। गौरतलब है कि कई बार प्रशासनिक चेतावनी दिए जाने के बावजूद कई वाहनों शहरों में यत्र-तत्र खड़े होने से जाम की समस्या उत्पन्न होने की शिकायत लगातार प्रशासन को मिल रही थी। डीटीओ द्वारा इसी क्रम में नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत गांधी चौक, हरिणडंगा बाजार, अम्बेडकर चौक, नगर थाना चौक पर सड़क किनारे अनधिकृत रूप से पार्किंग किए गए कई वाहनों (कार) को टोइंग गाड़ी से टो करके नगर थाना लाया गया। साथ ही कुल 23 दो पहिया वाहनों से बिना हेलमेट ड्रंक एंड ड्राइव करने को लेकर एमबी एक्ट के अंतर्गत दंड की राशि ई पोश मशीन के माध्यम से कुल 23 हजार 650 रुपए की वसूली की गई तथा चेतावनी दी गयी कि यदि भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति होती है तो वाहनों का परमिट निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

अमड़ापाड़ा बीडीओ ने सिंगारसी पंचायत में निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्र एवं आलुबेड़ा पंचायत में जलमीनार मरम्मती का किया निरीक्षण

सौरभ भगत
आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
आमड़ापाड़ा (पाकुड़) शुक्रवार को अमड़ापाड़ा प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री प्रमोद कुमार गुप्ता ने सिंगारसी पंचायत में अधूरे पड़े आंगनबाड़ी केंद्र एवं आलुबेड़ा पंचायत में जलमीनार मरम्मति कार्य का निरीक्षण किया।आंगनबाड़ी केंद्र के निरीक्षण के क्रम में सेविकाओं एवं ग्रामीणों के बीच आवश्यक जानकारी साझा किया तथा उसे शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।
इसके अलावा प्रखंड विकास पदाधिकारी ने अमड़ापाड़ा प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत आलुबेड़ा में 14 एवं 15 वें वित्त आयोग से निर्मित खराब हो चुके जलमीनार के मरम्मति कार्य का निरीक्षण किया। ठीक हो चुके जलमीनारों का नियमित देखभाल एवं जल निकासी हेतु सोक पीट बनाने का निदेश दिया गया। साथ ही मरम्मति हेतु लंबित जलमीनारों को एक सप्ताह के अंदर ठीक करवाने का निर्देश संबंधित पंचायत सचिव को दिया गया।

बरसात से पूर्व नगर परिषद युद्धस्तर पर करा रहा नाले की सफाई, लोगों को जलजमाव से मिलेगी निजात

- **शहर की नालियों की सफाई शुरू, प्रशासक, नगर परिषद ने की अपील नाली में नहीं फेंके गंदगी, जाम हो तो सूचना दें**

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो
पाकुड़- बरसात से पहले ही नगर परिषद ने शहरी क्षेत्र के सभी महानाला

की साफ-सफाई कराने में जुट गयी है। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में नाला का सफाई के साथ ही कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त नालों की मरम्मत भी करायी जा रही है। जिससे बरसात के दिनों में शहर के लोगों को जल जमाव की समस्या नहीं झेलनी पड़े। साफ-सफाई मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के तहत श्रमिकों से प्रतिदिन साफ-सफाई का कार्य किया जा रहा है।
प्रशासक, नगर परिषद अमरेन्द्र कुमार चौधरी ने बताया कि बरसात के दिनों में शहर में जलजमाव की समस्या को देखते हुए युद्ध स्तर पर नालों की साफ सफाई का कार्य कराया जा रहा है। शहर को जलजमाव से मुक्त रखने के लिए नाला सफाई का कार्य कराया जा रहा है।

शिकारपीपाड़ा क्षेत्र में बिजली कटौती और लो वोल्टेज से लोग परेशान

शिकारीपाड़ा/दुमका।
शिकारीपाड़ा क्षेत्र में बढ़ती गर्मी और बिजली कटौती, लो वोल्टेज के कारण लोग परेशान इसको लेकर हैप्पी क्लब के अध्यक्ष विकास भगत ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि शिकारपीपाड़ा क्षेत्र में लो वोल्टेज की भारी समस्या से जूझना पड़ रहा हैं।अघोषित बिजली कटौती तथा लो वोल्टेज की समस्या से उपभोक्ता काफी परेशान है एक ओर जहां भारी गर्मी से लोगों का हाल बेहाल है। वहीं दूसरी ओर लो वोल्टेज के कारण कूलर पंखे शो पीस मात्र बनकर रह गए हैं। घर में लगे पंखे, कूलर, फ्रिज सहित अन्य बिजली के उपकरण काम करना बंद कर देते हैं।कम वोल्टेज के चलते बिजली न तो पानी के लिए मोटरें नहीं चल पा रही है लो वोल्टेज कारण विद्युत उपकरण खराब हो जा रहे हैं 24 घंटा की जगह महज 15- 16 घंटे बिजली आपूर्ति की जा रही है मानसून से पूर्व बिजली विभाग द्वारा मेंटेनेंस का कार्य होना चाहिए परंतु विद्युत आपूर्ति दुमका की स्थिति देखकर लगता है विद्युत आपूर्ति की प्रमंडल दुमका द्वारा बिजली विभाग द्वारा मेंटेनेंस का कार्य नियमित रूप से नहीं किया जा रहा बिजली के तारों के आमने-सामने की टहनिया काटी जानी चाहिए, बिजली के तार झूले हुए तार कसने और टेढ़े-मेढ़े बिजली खंभे सीधे करने का कार्य ट्रांसफार्मरों की जांच नियमित रूप , से होनी चाहिए विद्युत आपूर्ति प्रमंडल द्वारा दुमका रामपुरहाट रोड़ NH114A में सैकड़ो जगह इलेक्ट्रिक पोल 11-12 महीने पहले गिरवाया गया है इलेक्ट्रिक पोल सड़क के किनारे रखा होने के दुर्घटना की प्रबल संभावना है विद्युत विभाग ने आम लोगों की जान जोखिम में डाल दी है कई पोल भारी वाहन चढ़ने के कारण टूट फूट गये इन पोल की वजह से कई लोग दुर्घटना का शिकार भी हो चुका है तीनसिमानी टोला ग्राम जामकांदर पंचायत पलासी पिछ्ले 15 सालों से बिजली की मांग की जा रही है परंतु बिजली की सुविधा अब तक नहीं उपलब्ध नहीं कराई की है संदर्भ में कई बार बिजली आपूर्ति प्रमंडल दुमका से शिकायत की गई थी परंतु कोई कार्रवाई नहीं हुई शिकारीपाड़ा प्रखंड के कालीपत्थर ग्राम में पिछ्ले सात-आठ सालों से 32 MVA पावर ग्रिड का निर्माण चल रहा है जो अब तक पूरा नहीं हुआ है पावर ग्रिड का निर्माण जल्द से जल्द होना चाहिए ताकि हमारे क्षेत्र के जनता को इसका लाभ मिल सके पावर ग्रिड के निर्माण की समय सीमा समाप्त होने के बावजूद निर्माण पूर्ण नहीं हुआ शिकारीपाड़ा प्रखंड मुख्यालय में बिजली विभाग से संबंधित कोई अधिकारी पदाधिकारी नहीं बैठता हैं जिसके कारण शिकारीपाड़ा प्रखंड वासियों काफी समस्या होती हैं गर्मी आते ही बिजली सबंधित समस्या बढ गयीं हैं शिकारीपाड़ा प्रखंड मुख्यालय मे सभी विभाग के पाधिकारी हैं परन्तु बिजली विभाग का नहीं हैं बिजली सबंधित शिकायत करने दुमका जाना पड़ता हैं दुमका लगभग 30- 40 किलोमीटर दूर हैं हमारी मांग हैं शिकारीपाड़ा मुख्यालय बिजली संबंधित पाधिकारी पदस्थापित की जाए छोटी-छोटी समस्याओं के लिए भी दुमका जाना पड़ता है ग्राम शिकारीपाड़ा, सरसडंगाल, बरमसिया, पिनरगड़िया, मोहुलपहाड़ी, पताबाड़ी, इत्यादि उपरोक्त ग्राम भीड़भाड़ एवं बाजारी इलाका है जहां जनता की ज्यादा सुरक्षा की ध्यान देने की आवश्यकता है जहां-जहां नेकेड तार है वहां कवर तार में परिवर्तन किया जाए बार-बार शिकायत करने पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है आम जनता को बिजली कनेक्शन के लिए ग्रामीणों को दलालों और बिचौलियों का सहारा लेना पड़ता है कनेक्शन के लिए अधिक राशि उगाई कर ली जाती है शिकारीपाड़ा प्रखंड मुख्यालय में ऑफलाइन एवं ऑनलाइन बिजली कनेक्शन की सुविधा उपलब्ध कराई जाए हमारे शिकारीपाड़ा क्षेत्र में बिजली बिल जमा करने की काफी समस्या उत्पन्न होती हैं कई लोगों निजी दुकानों से इंटरनैट online payment सुविधायुक्त के माध्यम से बिल जमा करते हैं या प्रज्ञा केंद्र के माध्यम से जमा करना पड़ता है जिसमें अतिरिक्त पैसे देने पड़ते हैं परंतु एटीपी मशीन(एनी टाइम पेमेंट मशीन) लगाने से महज कुछ मिनटों में ही बिजली बिल जमा किया जा सकता है जिससे समय व धन बचत होगी। शिकारीपाड़ा प्रखंड मुख्यालय में एटीपी मशीन लगाया जाए उपरोक्त मांगों पर ध्यान नहीं गया एवं समस्या का समाधान नहीं किया गया हैप्पी क्लब सदस्य एवं ग्रामीण आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

दुनिया को समझना होगा, भारत का न्यू नॉर्मल

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी पाकिस्तान को प्रत्युत्तर में एयर स्ट्राइक से अधिक की उम्मीद नहीं थी। उसे लग रहा था भारत की सत्ता संभालने वालों में बड़े, प्रभावशाली और कठोर निर्णय लेने का राजनीतिक साहस नहीं है।

डॉ. आशीष वशिष्ठ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुद्ध पूर्णिमा दिन राष्ट्र के नाम अपने 22 मिनट के संबोधन में पाकिस्तान को स्पष्टतः चेता दिया कि अगर हमारे भारत की ओर आँख उठाकर भी देखा तो वो हश्र होगा कि दुनिया याद करेगी। राष्ट्र के नाम संदेश के अगले दिन पीएम ने आदमपुर एयरबेस पहुंचकर जवानों का उत्साह और मनोबल बढ़ाया। आदमपुर में प्रधानमंत्री के साथ समवेत स्वर में जब जवानों ने भारत माता की जय का उद्घोष किया तो उस निनाद की गूंज और प्रतिध्वनि पाकिस्तान ही नहीं अखिल विश्व ने स्पष्ट तौर पर सुनी।

पीएम ने अपने संबोधन में जितनी स्पष्टवादिता, दृढ़ता और विश्वास के साथ सधे और नपे–तुले शब्दों में अपनी बात विश्व के समक्ष रखी है, ऐसा साहस उनका कोई पूर्ववर्ती दिखा नही सका। पाकिस्तान के साथ अब तक हुए चार युद्ध, बालाकोट और उरी स्ट्राइक में उसे इतने गहरे घाव नहीं लगे, जितने ऑपरेशन सिंदूर ने उसे दिये। अपने स्वभाव से विवश पाकिस्तान पहलगाम आतंकी घटना के बाद इसी सोच के साथ रहा होगा, भारत प्रत्युत्तर में अधिक से अधिक एयर स्ट्राइक या उरी जैसा आक्रमण करेगा। लेकिन उसके अनुमान और विचार धरे के धरे रह गए। और भारत ने जो विध्वंस ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से मचाया, उसकी कल्पना भी आतंकियों और उनके जन्मदाताओं एवं शरणदाताओं की कल्पना से भी परे थी।

भारत ने लड़ाई के मोर्चे पर ही नहीं, बल्कि सिंधु जल संधि को स्थगित करने जैसा ऐतिहासिक और साहसी कदम भी उठाया। 1965, 1971 और 1999 कारगिल युद्ध और तमाम छोटी–बड़ी आतंकी घटनाओं में पाकिस्तान की स्पष्ट भूमिका के उपरांत सिंधु जल संधि स्थगित करने का साहस भारत दिखा नहीं पाया। बालाकोट और उसी स्ट्राइक, जम्मू कश्मीर में धारा 370 को खत्म करने जैसे बड़े कदम उठाने के बाद भी पाकिस्तान भारत को हल्के में लेता रहा। वास्तव में त्रुटि पाकिस्तान की नहीं, हमारी ही रही। हमारे देश के भीतर एक ऐसी मंडली हैं, जिनके हृदय में भारत से अधिक पाकिस्तान के लिये प्रेम, पक्षपात और दया भावना उछाल मारती है। यही मंडली हर आतंकी घटना के बाद भारत पाकिस्तान के विरुद्ध कड़े कदम उठाने का प्रपंच और स्वांग रचती है। प्रोपेगेंडा करने और नैरेटिव गढ़ने में इस मंडली को महारत प्राप्त है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी ये मंडली सक्रिय हो गई थी। वो अलग बात है कि इस बार यह अपना एजेंडा चलाने में सफल नहीं हुई। वहीं पाकिस्तान को सख्त सबक सिखाने की बजाय जुबानी जमा खर्च ज्यादा करने की जो परंपरा नेहरू–इंदिरा के शासन में फली फूली, 2014 में मोदी सरकार के गठन से पूर्व तक भारत उसी नीति का सिर झुकाकर अनुसरण करता रहा।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी पाकिस्तान को प्रत्युत्तर में एयर स्ट्राइक से अधिक की उम्मीद नहीं थी। उसे लग रहा था भारत की सत्ता संभालने वालों में बड़े, प्रभावशाली और कठोर निर्णय लेने का राजनीतिक साहस नहीं है। लेकिन पाकिस्तान पता नहीं यह कैसे भूल गया कि पीएम मोदी खतरे उठाने और साहसी निर्णय लेने के लिए जाने जाते हैं। उनकी प्रसिद्धि, साख और लोकप्रियता की यूएसपी जोखिम उठाना ही तो है। पीएम मोदी की दृढ राजनीतिक इच्छा शक्ति का समर्थन पाकर हमारे वीर जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने पाकिस्तान को उदाहरण के साथ अच्छे से समझा दिया है कि अब खेल बदल चुका है। खेल के खिलाड़ी बदल चुके हैं। भारत की सत्ता जिनके हाथों में हैं, उनका नारा नेशन फर्स्ट का है।

ऑपरेशन सिंदूर के रूप में भारत ने न केवल आतंक के पोषक और जनक पाकिस्तान को करारा उत्तर दिया, बल्कि एक नया सैन्य और रणनीतिक सिद्धांत स्थापित कर दिया। 7 से 10 मई के बीच चार दिनों तक चले इस सीमित, लेकिन तीव्र सैन्य अभियान ने न केवल पाकिस्तान को सैन्य रूप से झकझोर कर रख दिया, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की साख, क्षमता और इच्छाशक्ति का ऐसा प्रदर्शन किया जो दशकों में पहली बार देखा गया। ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि आतंक के विरूद्ध अब वह चुप नहीं बैठेगा, घर के भीतर घुसकर मारेगा।

पहलगाम घटना के बाद भारत ने बातें नहीं की, डोजियर सौंपने की तैयार नहीं की, सीधे घर में घुसकर मारा, सीधे एक्शन लिया। पाकिस्तान के अंदर घुसकर 15 से अधिक आतंकियों और सेना से जुड़े ठिकानों को नष्ट भ्रष्ट कर दिया। भारत ने केवल आतंकी ठिकानों पर नहीं, उनके ड्रोन कंट्रोल सेंटर और एयरबेस तक को निशाना बनाया। ये दिखाने के लिए कि अगर आवश्यकता पड़ी, तो भारत सीधे उनके सीने तक पहुंच सकता है। ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य बहुत स्पष्ट था- आतंक का ढांचा तोड़ना, अपनी सैन्य ताकत दिखाना, शत्रु को पुनः सोचने के लिए विवश करना और विश्व को यह बताना कि यह परिवर्तित भारत है। और यह परिवर्तित भारत अब नई सुरक्षा नीति पर चल रहा है।

यह बदला हुआ भारत है, भारत के इस बदले हुए मिजाज और कड़े निर्णय लेने के साहस को पाकिस्तान समझने से चूक गया। जिसका परिणाम अखिल विश्व के समक्ष है। भारत ने घर में घुसकर जब चाहा, जहां चाहा, वहां हमला किया। आतंकी खत्म किये, आतंक के ठिकाने ध्वस्त किये और पाकिस्तान के सैन्य हमलों को अपाहिज और पंगु बना डाला। भारतीय सेना और हमारे डिफेंस सिस्टम की श्रेष्ठता और सटीकता ने पाकिस्तान ही नहीं उसके सहयोगियों और हितैषी अमेरिका, चीन और तुर्की के जेट फाइटर, ड्रोन्स, एयर डिफेंस सिस्टम और आयुध की निम्न गुणवत्ता को अनावृत कर डाला।

पाकिस्तान में फलने फूलने वाले आतंकियों को कड़ी सीख देने के लिए अच्छी तरह चिंतन–मंथन के बाद ऑपरेशन सिंदूर संचालित हुआ। इसे स्वैच्छिक युद्ध में परिवर्तित नहीं होने दिया गया, लेकिन आतंक को कठोर उत्तर भी दे दिया गया। भारत ने ये दिखा दिया कि अब युद्ध का अर्थ केवल बम-विस्फोट और सीमा लांघना नहीं होता। अब लड़ाई सोच-समझकर, सीमित परिधि में और स्पष्ट उद्देश्य के साथ लड़ी जाती है।

ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम ने विश्व समुदाय को स्पष्ट तौर पर बता दिया है कि अब हम किसी और के आश्रित नहीं है। ना अमेरिका की ओर देखा, ना रूस से पूछा और ना ही संयुक्त राष्ट्र से कोई सहायता मांगी। जो करना था, स्वयं उसकी कार्य योजना बनाई, और स्वयं ही उसे धरती पर उतारा। ये वही भारत है जो कभी हमलों के बाद बयान देता था और अंतरराष्ट्रीय सहायता की प्रतीक्षा करता था।

संपादकीय

सेना की प्रतिष्ठा

पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर भारत के 'आपरेशन सिंदूर' की कामयाबी पर जहां पूरा देश गौरवान्वित है, वहीं मध्य प्रदेश सरकार के एक मंत्री विजय शाह की बदजुबानी से सभी देशवासियों को शर्मिंदगी उठानी पड़ी। सार्वजनिक मंच पर कर्नल सोफिया कुरैशी के संदर्भ में मंत्री ने जिस तरह की बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी की, उससे भारत की सौहार्द और धर्मनिरपेक्षता की भावना को ठेस पहुंची है। स्वाभाविक ही सभी ने इसकी भर्त्सना की। इस मामले की गंभीरता का अंदाजा मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के न्यायाधीश की टिप्पणियों और मंत्री के खिलाफ बिना देर किए प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश से लगाया जा सकता है।

इस मामले में उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने साफ शब्दों में कहा कि मंत्री का बयान न केवल व्यक्तिगत मानहानि है, बल्कि समाज के ताने-बाने पर भी चोट करता है। इसके अलावा, जब एक न्यायाधीश को कानूनी कार्रवाई शुरू करने के लिए यह कहना पड़े कि 'हो सकता है कि कल मैं जीवित न रहूंं चार घंटे में आदेश का पालन हो' तो इससे व्यवस्था की जटिलता और उदासीनता का पता चलता है। विडंबना यह है कि अदालत के इस तरह के रुख के बावजूद आरोप को स्पष्टता के साथ दर्ज करने में लापरवाही बरती गई।

सवाल उठता है कि जिस बेहद संवेदनशील समय में भारत ने पाकिस्तानी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए भी बेहद संयमित और नपा-तुला रुख अपनाया, उससे हासिल गरिमा को कायम रखने के बजाय उसे बिगाड़ने की कोशिश करने वाले व्यक्ति को कैसे देखा जाना चाहिए। मंत्री ने महिला सैन्य अधिकारी की गरिमा को ही ठेस नहीं पहुंचाई, बल्कि सेना की प्रतिष्ठा को भी धूमिल करने की कोशिश की। मामले के तूल पकड़ने के बाद भले ही मंत्री ने सफाई दी, लेकिन ऐसे बयानों के असर को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। एक जिम्मेदार पद पर बैठे व्यक्ति की अशोभनीय और आपत्तिजनक भाषा का समर्थन देश के प्रति सम्मान रखने वाला कोई भी व्यक्ति नहीं करेगा। जरूरत इस तरह की बदजुबानी और बेलगाम बयानबाजी पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए ठोस और नीतिगत पहल करने की है, ताकि देश के संविधान के मर्म और सौहार्द को कोई नुकसान न पहुंचे।

जाति जनगणना की सुध : तमाशा, झांसा, पांसा या तीनों!

बादल सरोज

अपने कुनबे के संगपरस्तों, पक्के भक्तों और पाले पोसे एंकर-एन्करानियों तक को चौंकाने, हैरत में डालने और मुंह छुपाने के लिए कोना तलाशने की गत में पहुंचाते हुए मोदी सरकार के मंत्रिमंडल की राजनीतिक मामलों की समिति (सीसीपीए) ने 30 अप्रैल को ऐलान कर दिया कि अगली जनगणना के साथ जाति आधारित जनगणना भी कराई जायेगी। हालांकि चारेक दिनों से नत्थी मीडिया 'मोदी करेंगे बड़ा एलान' का सुर्रा छोड़े हुए था। जिस तरह इस प्रत्याशित बड़े कदम की खबर के साथ पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेने के लिए युद्धोन्माद भड़काया जा रहा था, उसके धुंधलके में लोग ऐसी ही किसी सर्जिकल स्ट्राइक की उम्मीद लगाए बैठे थे, मगर घोषणा हो गयी उसकी, जिसके खिलाफ पिछली कुछ वर्षों से चीख-पुकार मचाकर खुद मोदी से योगी से गडकरी से संघ तक होते हुए हरेक ने अपना गला बिठाया हुआ था। अचानक तेजी से मारी गयी यह गुलाटी इतनी सरपट और असामयिक थी कि अचम्भा स्वाभाविक था। फैसला सही था, इसलिए स्वागत भी सभी राजनीतिक धाराओं ने किया ; कुछ जायज आशंकाओं के साथ ही सभी ने इसका समर्थन भी किया।

कब होगी - जब होगी, तब होगी, मगर अगर हुई तो आजाद भारत में यह पहली जाति आधारित जनगणना होगी। इस देश में आबादी की पहली आधिकारिक गिनती, सेन्सस या मर्दुमशुमारी 1881 में अंग्रेजी राज के दौरान हुई थी। इसके बीस साल बाद हुई 1901 की जनगणना में जातियां भी गिनी गयीं और कहा जाता है कि वे असंख्य थीं ; उनमे से कोई 1447 जातियों और 43 नस्लें रिकॉर्ड में दर्ज की गयीं। मगर जाति और उनके आधार पर लोगों को गिने जाए का काम घोषित रूप से पहली और आख़िरी बार 1931 में तबके आयुक्त जॉन हेनरी हटन ने किया। हालाँकि उनकी शिकायत थी कि उस समय चल रहे सविनय अवज्ञा आन्दोलन के चलते उन्हें बहुत परेशानियां झेलनी पड़ीं। इस कवायद से पता चला कि तब मुल्क में कुल 4147 जातियां पाई गयी थीं ; इनमें भी ईसाईयों की 300 और मुसलमानों की 500 जातियां शामिल थी। इसके बाद हुई जनगणनाओं में अनुसूचित जाति, जनजाति की गिनती हुयी भी, उसे बताया भी गया, मगर शेष जातियों के आंकड़े इकट्ठा ही नहीं किये गए।

यह ध्यान में रखना होगा कि जाति आधारित जनगणना सिर्फ संख्या इकट्ठा कर उन्हें आंकड़ें में बदलने की गणित की सांख्यिकी विधा का अभ्यास नहीं है। जनगणनाओं के साथ व्यक्ति और परिवार की आमदनी, जमीन, रोजगार, आर्थिक हैसियत, साफ़ पीने के पानी, रोटी, भात और स्वास्थ्य तक उसकी पहुँच आदि-इत्यादि से संबंधित अनेक जानकारियाँ भी एकत्रित की जाती हैं। जाति जनगणना से देश के अलग-अलग तबकों और समुदायों से जुड़ी आबादी की दशा-दुर्दशा का पता चलता है। इन्हें सुधारने के लिए जरूरी कदम उठाने की जरूरत पैदा होती है, ऐसे कदम उठाये जाएँ, इसके लिए जनता के बीच तथ्याधारित, तर्कपूर्ण आकांक्षा उत्पन्न होती है। यही आकांक्षाएं आन्दोलनों में बदलती हैं और यहीं से राजनीतिक लोकतंत्र को आर्थिक और उस सामाजिक लोकतंत्र में बदले जाने की शुरुआत होती है, जिस पर संविधान अंगीकार किये जाने वाले दिन दिए अपने भाषण में डॉ अम्बेडकर ने विशेष जोर दिया था।

भारतीय समाज में जाति सिर्फ परम्परा से चली आ रही पहचान नहीं है, यहाँ जाति एक यथार्थ है ; एक ऐसा यथार्थ जिसने परम्परागत रूप से भारतीय समाज की एक कठोर जकड़न वाली बेड़ी में जकड़ कर रख दिया, जो आबादी के विशाल बहुमत की वंचनाओं, विपन्नताओं, यहाँ तक कि वर्जनाओं तक का कारण बना रहा है, आज भी बना हुआ है। दुनिया भर में समाज का विकास अपने-अपने इलाकों में बनी विकसित हुई सभ्यताओं की विशिष्टताओं की बुनियाद पर हुआ है। इन्हीं खासियतों ने उनके अपने सामाजिक अंतर्विरोधों को उभारा और उन वर्गों को जन्म दिया, जिनके बीच हुए वर्ग संघर्ष ने उस इंजिन का काम किया, जिसने गति दी और सामाजिक विकास की नयी मंजिल तक पहुंचाया। भारत में यह डबल इंजन रहा। पहले वर्ण और उसके बाद मोटा-मोटी उसी खांचे में बनी जातियां भी वर्गीय शोषण का एक जरिया रहीं।

प्रख्यात मार्क्सवादी इतिहासकार डी डी कौशाम्बी के शब्दों में कहें तो जाति उत्पादन और पैदावार के आदिम स्तर पर वर्ग का नाम है। सामाजिक चेतना का वर्ग संयोजन करने की ऐसी वर्गपद्धत्ति है, जिसमें न्यूनतम बल प्रयोग के साथ उत्पादक को उसके अधिकारों और अपने श्रम से पैदा किये गए मूल्य से वंचित कर दिया जाता है।÷ ठीक यही वजह है कि व्यवस्थाएं बदलीं, हुकूमतें बदली -- जाति नहीं गयी, क्योंकि यह वर्गीय शोषण का आसान जरिया रही। बुध्द, जैन, अनेक कबीले, तुर्क एवं अंग्रेज आये, मगर जाति बनी रही, बनाए रखी गयी और आजाद हिन्दुस्तान में भी चलती रही, आज भी अस्तित्वमान है। इस तरह यह पूर्व सामंती अवस्था से लेकर वैश्वीकरण के दौर तक जारी रही। इसलिए रही, क्योंकि यह श्रेणीक्रम शासक वर्गों को हमेशा मुफीद लगा ; कम से कम बलप्रयोग से, ज्यादा से ज्यादा और वह भी आसानी से, शोषण का सहज जरिया रहा।

यह निरा संयोग नहीं है कि आज देश के शीर्ष दस, बल्कि पचास धनाढयों का विराट बहुमत उसी जाति से है, जिसे जाति श्रेणीक्रम की बर्छियों कटारों से सज्जित मनुस्मृति ने यह हैसियत प्रदान की है। देश के टॉप नौकरशाहों का भी विशाल हिस्सा, पत्रकारिता से लेकर कम्पनियों में निर्णय लेने वाली हैसियत वाले प्रभुओं का हिस्सा उनकी जातिगत आबादी से कईयों गुने अनुपात में बना हुआ है। इसी श्रेणीक्रम के चलते वंचितों, विपन्नों, भूखों, बेरोजगारों, दुर्बलों, कुपोषितों, अशिक्षितों, नागरिक सुविधाओं के अभाव वालों में विराट बहुमत उन जातियों का है, जिन्हें हाशिये से भी बाहर रहने की सजा सुनाई गयी। वैश्वीकरण के बाद कुकुरमुत्तों की तरह उग रहे डॉलर अरबपतियों में एक भी दलित या आदिवासी का न होना संयोग नहीं है। इस तरह यह कहना सरलीकरण नहीं है कि भारत में मोटे तौर वर्गों का निर्माण वर्ण और जाति के दायरे में हुआ है।

लिहाजा जाति सिर्फ सामाजिक प्रश्न नहीं है, चूंकि यह वर्गीय शोषण का जरिया है, इसलिए एक वर्गीय प्रश्न है। मार्क्सवादियों ने ही इसे सबसे पहले और सबसे सही तरीके से समझा। केरल में ईएमएस नम्बूदिरिपाद के नेतृत्व वाली कम्युनिस्ट सरकार ने स्वतंत्र भारत में पहली जाति जनगणना की। 1968 में किये गए इस सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण का उद्देश्य विभिन्न जातियों के सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन का आकलन करना था। 2011 में देश भर के पैमाने पर हुई सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना तक यह स्वतंत्रता के बाद के भारत में एकमात्र जाति आधारित गणना थी। ई एम एस के मुख्यमंत्रित्व वाली सरकार ने सिर्फ आंकड़े ही नहीं जुटाए, बल्कि उनके आधार पर नीतियों की दिशा भी तय की। उनके बाद आई नायनार, अच्युतानन्दन से लेकर आज की पिनराई विजयन की अगुआई वाली सरकारों ने इसी दिशा को आगे बढ़ाया; नतीजा यह निकला कि आज मानव विकास सूचकांक के हिसाब से केरल भारत में सबसे अव्वल तो है ही, यूरोप के अनेक देशों की बराबरी कर रहा है।

आजादी के तीन दशक बाद मंडल आयोग ने सर्वेक्षण करके बाकी देश के विकास के वर्णाश्रम की सूली पर लटके रहने की असलियत सामने ला दी। इसी के साथ सामाजिक न्याय का प्रश्न राजनीति के केंद्र में आया और अन्य पिछड़े समुदायों - जिन्हें ओबीसी कहा गया- का सामाजिक, आर्थिक पिछड़ापन मुद्दा बना। नौकरियों में इन जातियों के लिए आरक्षण जैसे कदम उठाये गए - तब तक चला आ रहा राजनीतिक वर्चस्व टूटा। भले सिर्फ चुनाव तक सीमित रही मगर एक बड़ी सामाजिक उथल-पुथल हुई। वंचित समुदायों में आकांक्षाएं उभरी।

समुचित अवसर मिले तो सरकारी स्कूल पीछे नहीं

अनुज शर्मा

आमतौर पर सरकारी स्कूलों के बारे में यह धारणा रहती है कि वहां बच्चों की पढ़ाई-लिखाई पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता, जितना महंगे निजी स्कूलों में। इस धारणा को मजबूती देने का काम परीक्षा परिणाम करते आए हैं। लेकिन केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के दसवीं व बारहवीं परीक्षा नतीजों ने फिर केन्द्रीय व नवोदय विद्यालय जैसे सरकारी स्कूलों को सुर्खियों में ला दिया है। इन नतीजों से सामने आई दो बातें उत्साहित करने वाली हैं। पहली यह कि सरकारी स्कूलों के परिणाम निजी स्कूलों के मुकाबले बेहतर रहे। दूसरा, इन परीक्षाओं में बालिकाओं की कामयाबी की सुनहरी कथाएं सामने आई हैं। छात्रों के मुकाबले छात्राओं का परिणाम बेहतर रहा।

नई शिक्षा नीति-2020 के तहत सरकारी स्कूलों में प्री-बोर्ड और सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को भी खासा महत्त्व दिया गया है। इतना ही नहीं, इन स्कूलों के स्तर पर भी बेहतर परिणाम लाने की दिशा में प्रयास किए गए। कमजोर विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त कक्षाओं की व्यवस्था भी इन प्रयासों का हिस्सा रहीं। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की भी खास नजर थी। यही कारण रहा कि पिछले कुछ सालों में सरकारी स्कूलों के परिणाम में अपेक्षाकृत सुधार ही होता रहा है। एक तथ्य यह भी है कि सरकारी स्कूलों में एनसीईआरटी के पाठ्यक्रमों के आधार पर ही पूरी पढ़ाई कराई जाती है, वहीं कई निजी स्कूल बच्चों पर तय पाठ्यपुस्तकों के अतिरिक्त भी किताबों का बोझ लादने से नहीं चूकते। नई शिक्षा नीति के तहत स्किल डवलपमेंट (कौशल विकास) पर भी खासा ध्यान दिया गया है। जवाहर नवोदय विद्यालय और केंद्रीय विद्यालयों जैसे सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की अपनी भर्ती प्रक्रिया है, जिसमें शिक्षकों का चयन कड़ी प्रक्रिया से होता है। जाहिर है सरकारी स्कूलों में अनुभव व प्रशिक्षण के लिहाज से प्रतिभाशाली शिक्षकों की नियुक्ति होती है। परिणामों पर नजर डालें तो इस बार भी छात्राओं का परीक्षा में पास होने का प्रतिशत छात्रों से अधिक रहा। जाहिर है बालिका शिक्षा को लेकर सामाजिक पूर्वाग्रह की बेडियां अब टूटने लगी हैं। इसीलिए हमारी बालिकाएं हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। इन नतीजों से यह बात भी साफ हुई है कि समुचित ध्यान दिया जाए तो सरकारी स्कूलों के परिणाम भी बेहतर किए जा सकते हैं। जरूरत सरकारी स्कूलों में शिक्षा का माहौल बनाने और सुविधाएं बढ़ाने की है। स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं हों, नामांकन बढ़ाने के प्रति जागरूकता हो तो हर किसी को सस्ती व बेहतर शिक्षा मिल सकेगी। खासतौर से सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी को दूर करना होगा। प्रतिभाशाली बच्चों को आगे लाने का काम शिक्षण संस्थाएं अपने स्तर पर करें तो अपेक्षाकृत कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि वाले बच्चों को आगे बढने व बेहतर प्रदर्शन का मौका मिल पाएगा।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक व संपादक **सरोज चौधरी** द्वारा ई-37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित तथा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस लालगुटवा रांची से मुद्रित, **संस्थापक संपादक : स्व. राधाकृष्ण चौधरी, प्रबंध संपादक अरूण कुमार चौधरी * फोन :** 9471170557/08084674042, **ई-मेल :** aadivashiexpress@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

भाजपा की ओर से तिरंगा यात्रा निकाली गई

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता साहिबगंज

साहिबगंज। शहर में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और देश की सेवा सम्मान में शुक्रवार को भाजपा की ओर से तिरंगा यात्रा निकाली गई। भाजपा जिलाध्यक्ष उज्ज्वल मंडल के नेतृत्व में स्थानीय गांधी चौक से पूर्वी रेलवे फाटक तक के लिए तिरंगा यात्रा निकाला गया। मौके पर भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव सहित कई अन्य भाजपा नेता शामिल थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि कश्मीर के पहलगाम में कई सैलानियों की धर्म पूछ कर आतंकियों ने निर्मम हत्या कर दी। इसमें पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों का हाथ था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि पाकिस्तान को उसकी इस काम की पूरी सजा व जवाब मिलेगा और फिर देश के सेना ने पाकिस्तान स्थित नौ आतंकी ठिकानों को जमीदोज कर करारा जवाब दिया। वही तिरंगा यात्रा में भारत माता की जय, भारत की वीर सेना की जय की घोषणा से पूरा शहर गूंज उठा। तिरंगा यात्रा में लोगों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

नाका के पास एंटी क्राइम वाहन जांच अभियान चलाया गया

आदिवासी एक्सप्रेस संवादाता साहिबगंज

साहिबगंज। मंडरो मिर्जाचौकी थाना क्षेत्र अंतर्गत पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह के निर्देश पर गुरुवार की देर रात्रि मिर्जाचौकी थाना क्षेत्र के सब इंस्पेक्टर आफताब अंसारी के नेतृत्व में एएसआई संजय सिंह एवं पुलिस बल ने मिर्जाचौकी खनन चेक नाका के पास एंटी क्राइम वाहन जांच अभियान चलाया। इस दौरान दर्जनों दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों की जांच की गई। सब इंस्पेक्टर आफताब अंसारी ने कहा कि सुरक्षा को देखते हुए वाहन जांच अभियान जारी रहेगा और हर आने जाने वाले लोगों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी ताकि सुरक्षा में किसी प्रकार की चूक ना हो।

पंचायत भवन, गंगा प्रसाद पूर्व में आयोजित किया गया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता साहिबगंज

साहिबगंज- राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम अंतर्गत विभिन्न सामाजिक पेंशन योजना कार्य में सामाजिक अंकेक्षण कार्यक्रम पंचायत -गंगा प्रसाद पूर्व के शोभनपुरभट्ठा, मठिया एवं सुखराज टोला के पेन्सनर हेतु पंचायत भवन,गंगा प्रसाद पूर्व में आयोजित किया गया।इस कार्यक्रम में सोशल आडिट टीम के शंकर दास, बीआरपी मोहम्मद कौसर अंसारी के टीम के अतिरिक्त प्रखंड कार्यालय से प्रभारी प्रखंड कृषि पदाधिकारी राजीव पांडेय, कंप्यूटर ऑपरेटर शक्ति रजक, पंचायत सेवक सीता कुमारी, स्वयंसेवक पिंकी कुमारी, मोहम्मद रफीक, मुखिया संतोष गौड़ सभी वार्ड के वार्ड सदस्य आदि ने सहयोग प्रदान किया।कल गंगा प्रसाद पूर्व पंचायत के मुस्लिम टोला गांव के मदरसा में उपरोक्त टीम के द्वारा पेंशनर्स की जांच की जाएगी।

शुक्रवार को शहीद चौक तालझारी के समीप वाहन जांच अभियान चलाया गया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता साहिबगंज

साहिबगंज। तालझारी थाना क्षेत्र में परिवहन पदाधिकारी मिथलेश चौधरी के नेतृत्व में शुक्रवार को शहीद चौक तालझारी के समीप वाहन जांच अभियान चलाया गया। जांच अभियान में दो पहिया वाहन सहित टोटो, ओटो एवं मोटरसाइकिल का इंश्योरेंस सहित अन्य कागजात की जांच की गई। इस दौरान बिना रजिस्ट्रेशन के कई टोटो और ओटो तथा बिना हेलमेट के मोटरसाइकिल को जब्त कर थाना लाया गया। सड़क इंजीनियर अनुज परासर ने बताया कि जिला परिवहन के निर्देश पर वाहन जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान बिना हेलमेट वाहन चला रहे चालकों से, बिना रजिस्ट्रेशन, बिना लाइसेंस एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज ना होने पर कुल बीस हजार पांच सौ छ रुपए का चालान काटा गया। वाहन चालकों से गाड़ी चलाते समय सभी आवश्यक कागजात एवं हेलमेट पहनकर वाहन चलाने की अपील भी की गई। साथी सड़क नियमों का पालन अनिवार्य रूप से करें इस दौरान एसआई अनिल कुमार यादव, एएसआई दंदुराय, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर, आईटी सहायक राजहंस सहित अन्य मौजूद थे।

मालदा मंडल द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत साहिबगंज जिला के राजमहल स्टेशन के उन्नयन कार्यों का प्रदर्शन हेतु मीडिया टूर का आयोजन

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज। रेलवे अवसंरचना के आधुनिकीकरण और यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पूर्व रेलवे के मालदा मंडल ने आज साहिबगंज जिला के राजमहल रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे पुनर्विकास कार्यों को प्रदर्शित करने हेतु एक मीडिया टूर का आयोजन किया गया। इस मीडिया टूर का नेतृत्व मालदा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक यतीश कुमार ने किया, जिनके साथ मंडल के सभी वरिष्ठ शाखा अधिकारीगण भी उपस्थित रहे। इस दौरे का उद्देश्य मीडिया को चल रहे पुनर्विकास कार्यों की जानकारी देना, परियोजना की प्रगति से अवगत कराना एवं भविष्य की रूपरेखा साझा करना था।

राजमहल रेलवे स्टेशन पुनर्विकास की मुख्य विशेषताएं

इसी प्रकार का मीडिया टूर राजमहल रेलवे स्टेशन पर आयोजित किया गया, जहाँ मीडिया प्रतिनिधियों को अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत हुए महत्वपूर्ण कार्यों की जानकारी दी गई। यह योजना राजमहल स्टेशन को आधुनिक सुविधाओं से युक्त एक विश्वस्तरीय स्टेशन के रूप में विकसित करने की दिशा में अग्रसर है। राजमहल स्टेशन भी एनएसजी-5 श्रेणी में आता है और पूर्व रेलवे के प्रमुख स्टेशनों में शामिल है। पुनर्विकास कार्य चरणबद्ध रूप से किया जा रहा है, जिसके प्रथम चरण हेतु 7.03 करोड़ रुपए की लागत स्वीकृत की गई है। इसमें सिविल, इलेक्ट्रिकल, एसएंडटी कार्य, साइनेज शामिल हैं।

राजमहल स्टेशन पर प्रथम चरण में पूर्ण किए गए प्रमुख कार्यः

- आधुनिक अग्रभाग का निर्माण एवं सौंदर्यपूर्ण अग्रभाग लाइटिंग।
- सर्कुलेटिंग एरिया एवं पैदल मार्गों का विकास।
- लंबी ट्रेनों के लिए प्लेटफार्म का विस्तार।
- प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी प्रतीक्षालय, रिजर्व लाउंज, एग्जीक्यूटिव लाउंज, महिला प्रतीक्षालय तथा पे एंड यूज़ टॉयलेट का निर्माण।
- दिशानिर्देशन हेतु साइनेजेज कार्यों का निष्पादन।
- आकर्षक मूर्तियों की स्थापना एवं मानक इंटीरियर्स का विकास।
- स्थानीय कला और ऐतिहासिक धरोहरों से प्रेरित आंतरिक एवं बाह्य डिज़ाइन।
- पूर्णतः दिव्यांगजन-अनुकूल अवसंरचना।
- इंडोर बड़ी स्क्रीन वीडियो वॉल की स्थापना।

यह समग्र उन्नयन कार्य यात्री अनुभव को बेहतर बनाने के साथ-साथ क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को उजागर करने के उद्देश्य से किया गया है। यहाँ भी नियोजित कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं।

उपायुक्त ने जनता दरबार मे लोगों की समस्याएं सुनी, समाधान का दिया आश्वासन

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज। जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त हेमंत सती के द्वारा आयोजित जनता दरबार में लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान का भरोसा दिलाया। यह जनता दरबार उपायुक्त कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित किया गया, जहां विभिन्न प्रखंडों और पंचायतों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याओं को प्रस्तुत किया।जनता दरबार में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पानी, बिजली, और सरकारी योजनाओं से जुड़ी समस्याओं को लेकर लोग उपायुक्त से मिले। उपायुक्त ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के पदाधिकारी को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। जनता दरबार के दौरान उपायुक्त ने उपस्थित नागरिकों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं को सीधे प्रशासन तक पहुंचाएं।

उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन जनता की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है और हर समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। जनता दरबार में उपायुक्त ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे प्राप्त शिकायतों को समयबद्ध तरीके से हल करें। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि जो शिकायतें तुरंत हल हो सकती हैं, उनका समाधान मौके पर ही किया जाए।

सांस्कृति भूमि की रक्षा के लिए भी संकल्प लेना चाहिए

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता साहिबगंज

साहिबगंज- हिंदू धर्म रक्षा मंच के झारखंड प्रदेश महासचिव बजरंगी महतो ने कहा है कि व्यक्ति को अपनी मातृभूमि, पितृभूमि, जन्मभूमि, कर्मभूमि के साथ-साथ अपनी सांस्कृति भूमि की रक्षा के लिए भी संकल्प लेना चाहिए, क्योंकि यह धरती हमारी माँ जैसी है। बजरंगी महतो ने कहा कि देश की मिट्टी का कर्ज चुकाना कोई आसान काम नहीं,यह तो जीवन की हर साँस में देशभक्ति का संकल्प मांगता है। उन्होंने कहा की जिस धरती पर जन्म लिया है, उसकी रक्षा, सेवा और सम्मान करना हमारा धर्म है।सैनिक अपनी जान देकर इस कर्ज को अदा करते हैं,किसान अपने पसीने से और शिक्षक ज्ञान देकर। हर नागरिक अगर अपने हिस्से की जिम्मेदारी समझे, तो यह कर्ज धीरे-धीरे उतरता है। प्रदेश महासचिव ने आगे कहा कि देश की मिट्टी सिर्फ ज़मीन नहीं, यह हमारी पहचान,हमारी माँ और हमारी आत्मा है। आओ, कुछ ऐसा करें कि ये मिट्टी हम पर गर्व करे। हर एक सच्चे भारतीय को अपनी मातृभूमि की रक्षा करने का संकल्प लेना चाहिए।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर साहिबगंज में भाजपा ने निकाली तिरंगा यात्रा

संवाददाता/आदिवासी एक्सप्रेस/साहिबगंज

साहिबगंज तिरंगा कार्यक्रम के तहत भाजपा विधायक अनंत लाल ओझा ने साहिबगंज जिला में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर प्रभात फेरी निकाली वीर जवानों को सम्मान करते हुए तिरंगा को सलामी दी इस मौके पर सीआरपीएफ मेजर दीपक कुमार एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष एकता मंच एवं एसपीसीए के रीता पासवान ने सीआरपीएफ के जवानों को सलाम करते हुए सिंदूर अर्पित कर उन्हें प्रणाम किया एवं भारत माता की जय हो वंदे मातरम जय हिंद का नारा लगाया।

कोटालपोखर सड़क निर्माण को लेकर किया गया सीमांकन

संवाददाता/आदिवासी एक्सप्रेस

बरहरवा कोटालपोखर के जिनकी भूमि का अंश विगत समय में शांति मोड़, कोटालपोखर से लेकर गानी चौक होते हुए ऑटो स्टैंड (पाकुड़ रोड) तक 50 फीट चौड़ी सड़क निर्माण कार्य मापी में सम्मिलित किया गया था। इस मापी में खेत, आंगन तथा घर की सीमाएं भी शामिल हैं। मुआवजा प्राप्त ग्रामीणों को आधिकारिक सूचना अथवा अधिग्रहण संबंधी नोटिस प्राप्त हुआ था। जिस पर ग्रामीणों ने अंचल कार्यालय से सीमांकन की माँग की गई थी। जिसपर कार्रवाई करते हुए अंचल से आए हुए पदाधिकारी ने सड़क का सीमांकन किया। ग्रामीणों ने बताया कि कुछ लोगों को मुआवजा प्राप्त हुआ है तथा कई लोगों को प्राप्त नहीं हुआ है। बिना मुआवजा एवं बिना विधिवत सूचना के भूमि उपयोग करना न केवल नियमविरुद्ध है। बल्कि यह संविधान प्रदत्त अधिकारों का भी उल्लंघन है।अधिग्रहित भूमि की सूची को सार्वजनिक किया जाए, संबंधित प्रभावित परिवारों को आधिकारिक सूचना/नोटिस प्रदान किया जाए, मुआवजे की प्रक्रिया शीघ्र आरंभ की जाए एवं राशि का भुगतान किया जाए, जब तक यह प्रक्रिया पूर्ण न हो, तब तक निर्माण कार्य स्थगित रखा जाए। सड़क का चौड़ीकरण न होने के कारण जाम की स्थिति बाजार में बना रहता है। इस जाम से मुक्ति दिलाने को लेकर प्रशासन तीव्रता से कार्य कर रहा है।

ब्लड कैंसर के मरीजों के लिए संजीवनी केंद्र बना रांची सदर अस्पताल

संवाददाता द्वारा

रांची। जटिल और गंभीर मानी जानेवाली बीमारियों के इलाज के मामले में रांची का सदर अस्पताल, जिला स्तरीय अस्पताल होते हुए भी रिकॉर्ड बना रहा है. वर्तमान समय में यह अस्पताल ब्लड कैंसर की इलाज के क्षेत्र में भी अपनी पहचान बन रहा है. अस्पताल में एक अलग से ऑन्कोलॉजी यूनिट भी स्थापित की गई है. जिसमें राज्य के अलग-अलग क्षेत्र से आये करीब 30 मरीज भर्ती हैं. मरीजों में अलग-अलग उम्र समूह और अलग-अलग तरह के कैंसर से पीड़ित हैं. चौंकाने वाली बात यह है कि सदर अस्पताल में 8 महीने से लेकर 18 वर्ष तक के मरीजों की संख्या लगभग आधी है.

अच्छी बात यह है कि सदर अस्पताल में न सिर्फ आयुष्मान भारत योजना से ब्लड कैंसर रोगियों का फ्री में इलाज किया जाता है, बल्कि सामान्य वर्ग के मरीजों का भी इलाज लगभग फ्री ही होता है. सदर अस्पताल के ऑन्कोलॉजी यूनिट के अध्यक्ष डॉ अभिषेक रंजन ने बताया कि ज्यादातर दवाएं अस्पताल से ही मिल जाती हैं, जो बहुत राहत की बात है.

राज्य के इकलौते हेमाटोलॉजिस्ट और सदर अस्पताल के ऑन्कोलॉजी यूनिट के हेड डॉ अभिषेक रंजन ने बताया कि 90 प्रतिशत मामलों में ब्लड कैंसर होने का कोई वजह का पता नहीं चलता है. वहीं 10 प्रतिशत मामलों में जेनेटिकल हो सकता है. उन्होंने बताया कि हर महीने 10 से 12 ब्लड कैंसर के मरीज सदर अस्पताल पहुंच रहे हैं. ऑन्कोलॉजी यूनिट के हेड ने कहा कि इसकी वजह यह है कि इन दिनों जागरूकता की वजह से दूर दराज के इलाकों से भी मरीज रांची आ रहे हैं. क्योंकि बीमारी की पहचान या डॉक्टर्स इस ओर सोचने लगे हैं.

डॉ अभिषेक रंजन ने बताया कि सामान्यतः जब तीन-चार दिन से अधिक समय तक बुखार रहे और बुखार की दवा का असर कम हो, बार-बार बुखार आना, हीमोग्लोबिन और प्लेटलेट्स की कमी, शरीर में खुजली, रक्तस्राव जैसे कई लक्षण आये तो थोड़ा सचेत हो जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि जरूरी नहीं कि यह कैंसर हो, लेकिन यह कैंसर भी हो सकता है. इस दौरान सदर अस्पताल में इलाज कराने आए मरीजों के परिजनों ने सदर अस्पताल में मिल रही सुविधाओं पर संतोष जताया है.

गिरिडीह में साइबर ठगी का भंडाफोड़, दो अपराधी गिरफ्तार, देशभर में थे दर्जनों मामले

गिरिडीह,प्रतिनिधि। गिरिडीह पुलिस ने साइबर ठगी के एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय को प्रतिबिम्ब पोर्टल के माध्यम से सूचना मिली थी कि बेंगाबाद थाना क्षेत्र के बेरगी रेलवे ब्रिज के पास लालपुर टोला में कुछ साइबर अपराधी मोबाइल फोन के जरिए लोगों से ठगी कर रहे हैं। इस सूचना के आधार पर साइबर क्राइम डीएसपी आबिद खॉ के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया, जिसने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों- रफाउल अंसारी (उम्र 27 वर्ष) और मोहम्मद समीर अंसारी (उम्र 32 वर्ष), दोनों को गिरफ्तार किया गया, पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे विभिन्न बैंकों की केवाईसी अपडेट के बहाने लोगों को एयरटेल पेमेंट बैंक और बंधन बैंक के फर्जी एपीके फाइल भेजकर ठगी करते थे। उनके पास से 7 मोबाइल, 11 सिम कार्ड, 3 एटीएम कार्ड और 1 पैन कार्ड बरामद किया गया है। जांच में खुलासा हुआ है कि इनके खिलाफ बिहार, उत्तर प्रदेश, पंजाब, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और दिल्ली सहित कई राज्यों में कुल 16 शिकायतें व केस दर्ज हैं। साइबर थाना में कांड संख्या 21/2025 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई जारी है।

सेमेस्टर वन सीबीसीएस ओल्ड कोर्स की परीक्षा 28 मई से शुरू होगी

साहिबगंज, आदिवासी एक्सप्रेस संवादाता। यूजी सेमेस्टर वन सीबीसीएस ओल्ड कोर्स की परीक्षा 28 मई से शुरू होगी। इसे लेकर सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका ने कार्यक्रम जारी कर दी है। यह जानकारी साहिबगंज महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर एसआरआई रिजवी ने दी है। उन्होंने बताया कि परीक्षा 28 मई से 31 मई तक होगी। सभी विषयों की परीक्षाएं द्वितीय पाली में दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक आयोजित होगी। परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार 28 मई को सभी विषयों का कोर 1, 29 मई को कोर 2, 30 मई को जनरल इलेक्टिव 1 व 31 मई को एबिलिटी एनहांसमेंट कोर्स की परीक्षाएं होगी। यह परीक्षा उन विद्यार्थियों के लिए है जो सीबीसीएस प्रणाली के अंतर्गत ओल्ड कोर्स के यूजी सेमेस्टर वन में पूर्व में अनुत्तीर्ण हो चुके हैं। दरअसल ऐसे विद्यार्थियों के लंबे समय से यह मांग रही थी कि विश्वविद्यालय उनके लिए विशेष परीक्षा का आयोजन करें ताकि वह आगे की पढ़ाई जारी रख सके। इस पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों की इस मांग को गंभीरता से लेते हुए परीक्षा आयोजित करने का निर्णय लिया है। वहीं विद्यार्थियों ने इस पर महाविद्यालय प्रशासन व विश्वविद्यालय प्रशासन का आभार व्यक्त किया है। इस परीक्षा को लेकर साहिबगंज महाविद्यालय में तैयारी शुरू कर दी गई है।

किराना दुकान से सौदा खरीदने को लेकर दो पक्षों में मारपीट के दौरान तीन युवक घायल, पुलिस जांच में जुटी

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता साहिबगंज

साहिबगंज नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत हबीबपुर मोहल्ले में बीते गुरुवार की रात किराना दुकान से सौदा खरीदने को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई मारपीट की घटना में तीन युवक घायल हो गए बताया जा रहा है कि नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत हबीबपुर मोहल्ला निवासी मोहम्मद सोनू 26 वर्षीय का आरोप है कि हबीबपुर मोहल्ले में शंकर शाह की दुकान से सौदा खरीद रहा था. जिसको लेकर बात मारपीट तक बढ़ गई घायल सोनू का आरोप है. कि 5 रुपए का चनाचूर लेने के लिए हबीबपुर मोहल्ले के शंकर शाह के दुकान बीते गुरुवार की रात गया हुआ था दुकान में शंकर शाह का पुत्र शुभम शाह था. छुट्टा नहीं रहने के कारण मारपीट हो गई मारपीट की घटना में मोहम्मद सोनू ने ईट पत्थर व चाकू से हमला करने का शुभम कुमार, संतोष कुमार, शंकर शाह व शिवम कुमार पर आरोप लगाया है. वहीं दूसरे पक्ष के घायल युवक हबीपुर निवासी शंकर शाह के पुत्र शुभम कुमार ने आरोप लगाते हुए बताया कि मोहम्मद सोनू शराब की नशे में खून से लथपथ होकर मेरे दुकान से 5 रूपये का चनाचूर लिया जब पैसे मांगने पर पाँच सौ रुपये का नोट दिया जब मोहम्मद सोनू से छूटा मांगा तो नहीं दिया और दुकान में बोलने लगा किस लिए दुकान खोलकर रखते हो जब खुदरा ही नहीं रखते हो तो शराब की नशे में गाली गलौज करने लगा जिसमें मेरी मां आई तो उसे भी अब शब्द बोलने लगा इस बात से मैंने उसे मना भी किया फिर मेरे पिताजी शंकर शाह को गाली गलौज करने लगा थोड़ी बहुत धक्का मुक्की होने लगी जिसमें मेरे भाई शिवम कुमार,को मोहम्मद सोनू ने चेहरे पर मुक्का से मार दिया और खून निकलने लगा जिसमें मेरे भाई घायल हो गया वही शुभम को गला दबाने लगा और घायल हो गए सभी घायल सदर अस्पताल में इलाज कराया जिसको लेकर शुभम कुमार ने नगर थाना में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाया.

हां तलाक हो चुका है, 4 साल पहले...23 साल की रीम शेख का चौंका देने वाला खुलासा

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस रीम शेख इन दिनों कलर्स टीवी के 'सेलिब्रिटी लाफ्टर शेफ्स' में खूब धूम मचा रही हैं. हमेशा अपनी बातों से सभी का खूब मनोरंजन करने वाली रीम ने हाल ही में अपनी मां के साथ किए एक पॉडकास्ट में खुद की पर्सनल लाइफ के बारे में हैरान करने वाले खुलासे किए हैं. रीम ने इस वीडियो अपने मम्मी-पापा के तलाक से लेकर अपनी सौतेली बहन के बारे में खुलकर बात की है. उन्होंने बताया कि उनकी मां का चार साल पहले तलाक हो गया है और उन्होंने ही अपनी मां से ये तलाक लेने के लिए कहा था. दरअसल रीम की मां शीतल हिंदू हैं, जबकि उनके पिता समीर शेख मुस्लिम हैं. अलग धर्मों के होने के बावजूद उनके घर में पूजा और नमाज दोनों ही होती थी.

रीम ने पॉडकास्ट में कहा, मेरे मम्मी-पापा अब एक साथ नहीं रहते और उनका तलाक हो चुका है. इस वीडियो के जरिए मैं उन सभी अटकलों पर फुल स्टॉप लगाना चाहती हूं, ताकि अब लोग हमारे बारे में गलत तरह की बातें करना और आपस में गॉसिप करना बंद करें. दरअसल मेरे मम्मी-पापा चार साल पहले ही एक दूसरे से अलग हो चुके हैं और हम सभी इस सदमे से उबर चुके हैं, लेकिन आज भी कुछ लोग इस बारे में बातें करते रहते हैं.

सौतेली बहन के राज से उठाया पर्दा

रीम ने आगे बताया कि उनकी एक सौतेली बहन भी है, जिसके साथ उनका बहुत अच्छा रिश्ता रहा है और वे अक्सर अपनी इस बहन के साथ फोटो भी शेयर करती हैं. दरअसल रीम की मां ने दूसरी शादी की है और ये उनकी दूसरी बेटी है. रीम ने इस बारे में बात करते हुए कहा कि अक्सर मेरी प्रोफाइल पर कई लोग कमेंट करते हुए पूछते हैं कि रीम और उसकी मां के साथ दिखने वाली दूसरी लड़की कौन है? तो मैं अब सबको बताना चाहती हूं कि वो मेरी सौतेली बहन है और पेशे से वो एक एयर होस्टेस है. मैं उसे सिर्फ अपनी बहन ही नहीं मानती, वो मेरे लिए बहन से कहीं बढ़कर है.

ट्रोलिंग पर क्या बोलीं?

रीम का कहना कि उनकी मां को बहुत बार सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया जाता है. उन्होंने कहा, मेरी मां को खूब ट्रोल किया जाता है, और ये सिलसिला अभी भी जारी है. लोग उनकी फोटो पर कमेंट करते हैं कि आपने अपनी बेटी की ड्रेस क्यों पहनी है? क्या आपको शर्म नहीं आती कि आप अपनी बेटी के कपड़े पहनकर घूम रही हो? अब हम दोनों की हाइट एक जैसी है, हमारा बॉडी टाइप एक जैसा है, तो हम एक-दूसरे के कपड़े क्यों नहीं शेयर कर सकते? क्या लोगों के पास इतना समय होता है कि वो अब ये सब भी नोटिस कर रहे हैं? लेकिन अब तो हम इन बातों पर हंसते हैं, हालांकि शुरुआत में मुझे ये सब देखकर बहुत गुस्सा आता था.

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में बड़ा ट्विस्ट, अभिरा-अरमान के फैंस का टूटेगा दिल

टीवी का सुपरहिट सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' इन दिनों दर्शकों को अपनी कहानी से बांधे हुए है. आए दिन स्टार प्लस के इस शो में कुछ ऐसा हो रहा है कि जिसकी वजह से दर्शक अपनी नजरें स्क्रीन से हटा नहीं पा रहे हैं. लेकिन अब इस कहानी में एक ऐसा मोड़ आने वाला है, जो अरमान और अभिरा के चाहने वालों का दिल तोड़ सकता है. अभिरा और अरमान की बेटी पूकी आखिरकार घर आ गई है. लेकिन अरमान को इस बात का जरा भी भरोसा नहीं है कि अभिरा अपनी मासूम बच्ची की देखभाल ठीक से कर पाएगी.ये रिश्ता क्या कहलाता है में होने वाले इस हाई-वोल्टेज ड्रामे चलते राजन शाही का ये शो जल्द ही 5 से 7 साल का लीप लेगा. यानी अभिरा और अरमान की कहानी 5 साल आगे बढ़ जाएगी.सीरियल में आने वाले इस लीप के बाद अरमान और अभिरा की बेटी पूकी भी बड़ी हो जाएगी. लेकिन इसके साथ ही एक बड़ा झटका उन्हें लगने वाला है कि अभिरा और अरमान हमेशा के लिए एक-दूसरे से अलग हो जाएंगे.

अलग हो जाएंगे अभिरा और अरमान?

दरअसल, 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' के नए प्रोमो में सीरियल में आने वाले लीप की एक झलक भी देखने मिली है. प्रोमो में दिखाया गया है कि पूकी की तबीयत खराब हो जाती है, जिससे अभिरा बहुत परेशान हो जाती है. तभी अरमान वहां आता है और वह अभिरा को जमकर बुरा-भला कहता है. अरमान गुस्से में इतना ज्यादा बौखला जाता है कि वो अभिरा की मां बनने की क्षमता और उसके मातृत्व पर भी सवाल खड़े कर देता है.

जल्द आएगा बड़ा ट्विस्ट

सीरियल के प्रोमो में आगे दिखाया जाता है कि गुस्से से आगबबूला अरमान अभिरा से उसकी बच्ची को छीन लेता है. वो कहता है कि शायद पूकी रूही के साथ सहज महसूस नहीं कर रही है. अरमान ये भी कहता है कि अभिरा का पूकी के साथ कोई रिश्ता नहीं है, क्योंकि अभिरा ने उसे जन्म नहीं दिया है. वो अपनी ही बच्ची के लिए महज एक अजनबी है.

टूट जाएगी अभिरा

जाहिर है, अरमान की ऐसी दिल तोड़ने वाली बातें सुनकर अभिरा पूरी तरह से टूट जाएगी. अब ऐसा लग रहा है कि बच्ची की वजह से दोनों के रिश्ते में इतनी कड़वाहट आ जाएगी कि आखिरकार दोनों एक दूसरे से अलग हो जाएंगे.

अनुष्का शर्मा की गोद में दिखे अकाय, वामिका भी आई नजर, विराट कोहली संग कहां घूमने निकलीं एक्ट्रेस?

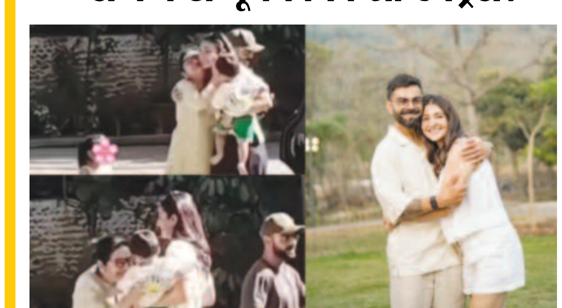

बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा हाल ही में अपने पति और दिग्गज क्रिकेटर विराट कोहली के साथ वृंदावन के मशहूर संत प्रेमानंद जी महाराज के आश्रम पहुंची थीं. जबकि अब एक बार फिर से अनुष्का शर्मा और विराट कोहली साथ नजर आए हैं. दोनों अनुष्का की मां के घर पहुंचे थे. इतना ही नहीं कपल के साथ उनके दोनों बच्चे भी मौजूद थे. लाडले अकाय जहां मां की गोद में नजर आए तो वहीं वामिका पास में ही खड़ी हुई थीं.

नानी के घर पहुंचे अकाय-वामिका

सोशल मीडिया पर विराट कोहली और अनुष्का शर्मा का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. इसमें दोनों के साथ अकाय और वामिका भी मौजूद हैं. बताया जा रहा है कि अनुष्का पति और बच्चों के साथ अपनी मां के घर पहुंची हैं. अनुष्का की मां ने अपने नाती अकाय को देखते ही उन्हें अपनी गोद में ले लिया. सोशल मीडिया पर ये वीडियो काफी पसंद किया जा रहा है.

अकाय-वामिका के बिना प्रेमानंद महाराज से मिले थे विराट-अनुष्का

अनुष्का और विराट जब अनुष्का की मां के घर पहुंचे तो उनके साथ दोनों बच्चे मौजूद रहे. लेकिन हाल ही में जब दोनों संत प्रेमानंद महाराज से मिलने पहुंचे थे तो उनके साथ अकाय और वामिका नहीं थे. हालांकि इससे पहले इसी साल जनवरी में दोनों ने जब संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की थी, तब वो अपने साथ अकाय और वामिका को भी लेकर आए थे.

'चकदा एक्सप्रेस' है अनुष्का की अगली फिल्म

अनुष्का शर्मा लंबे समय से फिल्मों से दूर हैं. वो अपना पूरा टाइम फिलहाल फैमिली के साथ बिता रही हैं. हालांकि उनकी फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस' का फैंस को लंबे समय से इंतजार है. इसमें एक्ट्रेस भारत की पूर्व क्रिकेटर झूलन गोस्वामी के किरदार में नजर आने वाली हैं. बताया जा रहा है कि एक्ट्रेस इसका शूट पूरा कर चुकी हैं. पहले इसकी रिलीज टाल दी गई थी. अब देखना होगा कि ये पिक्चर कब रिलीज होती है.

विराट के टेस्ट रिटायरमेंट पर भावुक हुई अनुष्का

विराट कोहली ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था. इसके बाद फैंस के साथ ही अनुष्का भी इमोशनल हो गई थीं. उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने पति के लिए लिखा था, इसलिए टेस्ट क्रिकेट में वही सफल हुए जिनके पास कुछ कहने को कोई कहानी थी. लंबी कहानी जो गीली, सूखी, देशी, विदेशी हर पिच पर लिख कर भी खत्म न हो.

स्पेन के क्लब में मिस्ट्री मैन के साथ रोमांस करती दिखीं प्रियंका चाहर चौधरी

अंकित के फैंस भड़क गए

पिछले कुछ समय से प्रियंका चाहर चौधरी और अंकित गुप्ता के ब्रेकअप की खबरें आ रही हैं. हालांकि, दोनों ने अबतक इस पर खुलकर कुछ भी नहीं कहा है, लेकिन इंस्टाग्राम पर अंकित और प्रियंका दोनों ने ही एक-दूसरे को अनफॉलो जरूर कर दिया है. अब वो दोनों साथ भी नजर नहीं आते हैं. अंकित के साथ ब्रेकअप की ख़बरों के बीच प्रियंका चाहर का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह मिस्ट्री मैन के साथ एक नाइट क्लब में कोजी होती नजर आ रही हैं. इस वीडियो में दोनों के बीच काफी नजदीकियां नजर आ रही हैं, जिसे देख एक्ट्रेस के फैंस भी हैरान हैं. कुछ फैंस ने गुस्से में आकर प्रियंका को काफी बुरा-भला कहा है.बिग बॉस फेम प्रियंका चाहर चौधरी के मिस्ट्री मैन संग कुछ वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं. ये वीडियोज स्पेन के खूबसूरत शहर इबिजा के हैं, जहां प्रियंका और मिस्ट्री मैन के साथ नाइट क्लब में इंजॉय करती हुई नजर आ रही हैं. इन वीडियो को एक्ट्रेस के फैन क्लब्स ने अपने सोशल मीडिया पेज पर शेयर किया है. इस वीडियो को देखने के बाद ही कुछ प्रियंकित (प्रियंका और अंकित) के फैंस प्रियंका की भर-भरकर बुराई कर रहे हैं. फैंस पूछ रहे हैं कि अंकित गुप्ता से ब्रेकअप के महज कुछ दिन बाद ही प्रियंका किसी और के साथ कैसे इन्वॉल्व हो सकती हैं? कुछ लोग इस वजह से प्रियंका को बहुत घटिया और बुरी बता रहे हैं.

कौन है प्रियंका का मिस्ट्री मैन

भले ही अपने इस मिस्ट्री मैन को लेकर प्रियंका चाहर चौधरी की तरफ से कोई पुष्टि नहीं की गई है. लेकिन कुछ यूजर्स का दावा है कि इस मिस्ट्री मैन का नाम डीजे हर्षी है, तो कुछ लोगों ने बताया है कि ये वही शख्स है जो पेशे से एक डॉक्टर है, फिलहाल अमेरिका में सैटल्ड है. प्रियंका 'बिग बॉस' के घर के अंदर अक्सर हर्ष के नाम का जिक्र किया करती थीं. इस वीडियो को देख कुछ लोग यह भी कह रहे हैं कि अंकित गुप्ता और प्रियंका दोनों ने ही जनता को बेवकूफ बनाया. एक्ट्रेस के फैंस उन्हें खूब खरी-खोटी सुनाकर ट्रोल रहे हैं.

फैन ने कहा घटिया

इस वीडियो को ङ्ग पर शेयर करते हुए एक यूजर ने लिखा है, प्रियंका चाहर चौधरी, तुम सच में सबसे बुरी और घटिया लड़की हो. मुझे बिग बॉस में तुम्हारा साथ देने का अफसोस है. सच में तुमने एक ऐसे इंसान को धोखा दिया जिसे सच में तुम्हारी परवाह हो? इतना विक्टिम कार्ड किस लिए? तुम्हारा ब्रेकअप हुए अभी एक महीना भी नहीं हुआ है और तुम किसी और लड़के को किस कर रही हो? पागल हो क्या?

के. ए. पॉल ने हथियारों के सौदों और युद्ध को बढ़ावा देने वाले बयानों की आलोचना की

- वैश्विक प्रार्थना और शांति दिवस मनाने की अपील
- 24 घंटे की वैश्विक शांति पहल शुरू की, सामूहिक प्रार्थना और राजनीतिक जवाबदेही की अपील

नई दिल्ली, (आरएनएस)। के. ए. पॉल ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत कई वैश्विक नेताओं पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आज की राजनीति में हथियारों की बिक्री को इंसानों की जान से ज़्यादा महत्व दिया जा रहा है। डॉ. पॉल ने आरोप लगाया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने कतर के अमीर व्यक्ति से एक प्राइवेट जेट के रूप में 400 मिलियन डॉलर की रिश्वत ली, ताकि वह उनके पक्ष में हथियारों की आपूर्ति जारी रख सकें और उनकी नीतियों पर सवाल न उठाएं। उन्होंने कहा कि जब भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा था, तब ट्रंप ने शांति के लिए कुछ नहीं किया। ÷भारत-पाक युद्ध को ट्रंप ने नहीं रोका, वह भगवान और मैंने रोका है÷। उनके अनुसार ट्रंप उस समय अरब देशों में हथियार बेचने में व्यस्त थे। उन्होंने कहा÷ ÷कतर, सऊदी अरब और यूएई जैसे देश डरे हुए हैं कि कहीं उनका हाल गद्दाफ़ी या सद्दाम हुसैन जैसा न हो जाए÷।

भारत को अब किसी और देश पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। ÷भारत खुद अपने मसलों का हल निकाल सकता है। यह दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और अगर सभी राजनीतिक दल साथ आएं, तो भारत पूरी दुनिया में शांति का संदेश दे सकता है, डॉ. पॉल ने कहा।

इस आयोजन में विभिन्?न धर्मों के प्रतिनिधियों की भी भागीदारी रही। कॉन्फ्रेंस में डॉ. पॉल के साथ, हिन्दू समाज से सुदिति राजे, मुस्लिम समाज के नेता अशरफी अकबर अली, सिख समाज से करनजीत सिंह और सुप्रीम कोर्ट के वकील और बौद्ध इंटरनेशनल फोरम फॉर पीस के अध्यक्ष आनंद एस. जोंधले शामिल रहे। डॉ. पॉल ने भारत की इंडिगो एयरलाइंस की भी आलोचना की, जिन पर उन्होंने तुर्की में शांति सम्मेलन में जाने से उन्हें रोकने का आरोप लगाया, और इसे मानवीय कार्यों में राजनीतिक हस्तक्षेप का ख़तरनाक उदाहरण बताया।इन गंभीर आरोपों के बीच, डॉ. पॉल ने 24 घंटे की वैश्विक प्रार्थना और शांति दिवस की घोषणा की, जो 24 मई शाम 6 बजे से 25 मई शाम 6 बजे तक मनाया जाएगा। उन्होंने दुनियाभर के नागरिकों से अपील की कि वे अपने घरों, धार्मिक स्थलों और सार्वजनिक स्थलों में कम से कम पांच मिनट शांति के लिए प्रार्थना करें।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विपक्षी नेताओं से भी उन्होंने अनुरोध किया कि वे राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर नेतृत्व करें और भारत के महात्मा गांधी तथा सरदार पटेल जैसे नेताओं की शांति परंपरा को आगे बढ़ाएं। डॉ. पॉल ने कहा कि ÷भारत अपना ख़्याल रख सकता है,÷ और इसे दुनिया का सबसे बड़ा और संभावनाशील लोकतंत्र बताते हुए कहा कि भारत एकजुट होकर वैश्विक शांति के लिए नेतृत्व कर सकता है। अंत में सब ने अपील की कि 24 मई को भारत से शांति की शुरुआत हो और यह दिन ÷शांति दिवस÷ के रूप में मनाया जाए।

संक्षिप्त समाचार

राज्य स्तरीय जूनियर बालिका लगोरी प्रतियोगिता का आयोजन

- अभिषेक यादव ने खिलाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर बालिका टीम को किया रवाना

बांका से श्रीकान्त यादव की रिपोर्ट

बिहार राज्य लगोरी संघ के तत्वाधान में सहरसा जिला लगोरी संघ द्वारा राज्य स्तरीय जूनियर बालिका लगोरी प्रतियोगिता का आयोजन, दिनांक -17 और 18 मई को किया गया है जिसमें भागलपुर लगोरी संघ की बालिका टीम साना कुमारी , नीतू कुमारी, सोनाली कुमारी, सरधना कुमारी, साक्षी कुमारी, रिया कुमारी, गुनगुन कुमारी, सानिया कुमारी, ममता कुमारी, सोनाक्षी प्रिया, रितिका कुमारी, निशा कुमारी, आज सुबह भागलपुर से सहरसा के लिए रवाना हुई इस दौरान जिला लगोरी खेल संघ के अध्यक्ष अभिषेक यादव, सचिव गौरव कुमार, सह सचिव गौरव कुमार श्रीवास्तव टीम को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया एवं अन्य लगोरी परिवार के सभी सदस्य मौजूद रहे।

भागलपुर लगोरी संघ के जिला अध्यक्ष अभिषेक कुमार यादव ने सभी खिलाड़ी को बधाई शुभकामना देते हुए हरी झंडी दिखाई कोच गौरव कुमार एवं टीम मैनेजर गौरव कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में बिहार जूनियर स्टेट चैंपियनशिप के लिए सहरसा रवाना हुए जिसमे पूरे भागलपुर जिला के अलग अलग प्रखंड के खिलाड़ी शामिल है।

चार शराबी को उत्पात करते पकड़ा भेजा जेल

बांका संवाददाता की रिपोर्ट

बांका कटोरिया क्षेत्र के जयपुर थाना अन्तर्गत चिड़ेयांमोड़ पर बीते शाम को चार शराबी शराब के नशे में उत्पात मचाते देखा गया। घटना की सूचना जयपुर थाना को ग्रामीण द्वारा दी गई। थाना अध्यक्ष दल बल समेत सूचना पाने के बाद घटना स्थल पर पहुँचे और चारो शराबी जिनका नाम है दीपक कुमार पे0 मुरारी शर्मा राणा सिंह पिता अनिल सिंह संजय दास पिता हीरा दास सभी का घर बांका थाना ककवारा व विमिलेश शर्मा पिता गंगाधर शर्मा घर हथगढ़ उड़ीसा के रूप में पहचान किया गया। ये लोग चारो अपनी कार से आये थे और शराब के नशे में चिड़ैयांमोड़ पर उत्पात मचा रहे थे। कार को भी जब्त कर थाना ले आया गया है। इस बावत में एस एच ओ आलोक कुमार ने बताया कि शराबी को बांका जेल भेजा गया है और कार का मालिक व अन्य की जानकारी जुटाई जा रही है ।

बरनवाल सेवा समिति गिरिडीह की ओर से बरनवाल सेवा सदन में शोक सभा का आयोजन

गिरिडीह, प्रतिनिधि। बरनवाल सेवा समिति गिरिडीह की ओर से बरनवाल सेवा सदन में शोक सभा का आयोजन किया गया।समिति सचिव राजेंद्र लाल बरनवाल ने बताया कि बरनवाल सेवा समिति गिरिडीह के संरक्षक जयप्रकाश लाल के पिता गोवर्धन लाल का निधन रविवार को ईलाज के दौरान हो गया।वे 87 वर्ष के थे। स्व लाल ने गिरिडीह में दूसरा सबसे बड़ा टीएमटी कारखाना लगाया।समाज सेवा के क्षेत्र में उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।दिवंगत आत्मा की शांति हेतु उपस्थित बंधुओ ने दो मिनट का मौन रखा।मृतात्मा को प्रभु अपने श्री चरणों में स्थान दें एवं शोक संतप्त परिवार को दुख सहने की शक्ति प्रदान करें,ऐसी प्रार्थना की गई। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष लखन लाल बरनवाल,प्रदेश महामंत्री इंद्रजीत लाल,अध्यक्ष सुबोध कुमार बरनवाल,कोषाध्यक्ष संजय बरनवाल,बिरेन्द्र लाल, सत्यदेव लाल,राकेश रंजन, विनय कुमार,संजय मोदी,शंभु लाल,रितेश बरनवाल, जयप्रकाश बरनवाल,संदीप बरनवाल,शंकर लाल आदि उपस्थित थे।

एनटीपीसी कोल माइनिंग मुख्यालय में स्वच्छता पखवाड़ा 2025 का शुभारंभ

संवाददाता द्वारा

रांची एनटीपीसी कोल माइनिंग मुख्यालय, रांची में स्वच्छता पखवाड़ा 2025 का शुभारंभ उत्साहपूर्वककिया गया। यह अभियान 16 मई से 31 मई 2025 तक आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रमकी शुरुआत श्री नवीन जैन, क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (माइनिंग) एवं सीईओ, एनएमएल द्वारा स्वच्छता शपथ दिलाकर की गई।इस अवसर पर श्री प्रभात राम, क्षेत्रीय प्रमुख मानव संसाधन (कोल माइनिंग), ने पखवाड़े केदौरान आयोजित होने वाली प्रमुख गतिविधियों की जानकारी दी और कर्मचारियों से सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। प्रमुख कार्यक्रमों में अपशिष्ट पृथक्करण कार्यशाला, नुक्कड़ नाटक, निबंध व चित्रकला प्रतियोगिताएँ (कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के लिए), और नजदीकी सरकारी विद्यालय में स्वच्छता अभियान शामिल हैं। चुटिया और कद्रू कार्यालय परिसरों में बैनर और सेल्फी ज़ोन स्थापित किए गए हैं, ताकि पखवाड़े की व्यापक प्रचार-प्रसार हो सके। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कर्मचारियों की भागीदारी देखने को मिली, जिनमें वरिष्ठ अधिकारी जैसे श्री धनंजय श्रीखंडे (महाप्रबंधक, टीएस), श्री गौरव रस्तोगी (मुख्य वित्तअधिकारी), श्री रंजीत प्रसाद (अपर महाप्रबंधक, कोल माइनिंग), श्री प्रशांत सिंह (अपर महाप्रबंधक, भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व), श्री परशोतम लाल (अपर महाप्रबंधक, मानव संसाधन), श्री ए. के. सोनी (अपर महाप्रबंधक, टीएस) सहित अन्यअपर महाप्रबंधक और विभागाध्यक्ष भी उपस्थित रहे।

कद्रू कार्यालय में शपथ दिलाने का कार्य श्री नीरज कुमार चतुर्वेदी, अपर महाप्रबंधक (टीएस)द्वारा किया गया।

अहीर रेजिमेंट के लिए देशव्यापी माँग एक समाज विशेष की माँग नहीं ! रंजीत यादव

बिहार संवाददाता श्रीकान्त यादव

अखिल भारतीय यादव महासंघ नवादा जिला के अध्यक्ष रंजित यादव नें अहीर रेजिमेंट के लिए कहा यह वीर अहीरों की देश के लिए बलिदानी, शौर्य की परंपरा और उनके राष्ट्र के प्रति समर्पण और प्रेम के लिए सम्मान का प्रश्न है, देश के दुश्मनों को युद्ध से पहले ही कँपा देने का एक मार्ग है !

जबरन जमीन हड़पने का आरोप

जमुआ, प्रतिनिधि। जमुआ के बलबला गांव की ललिता देवी ने गांव के ही कतिपय लोगों पर जमीन हड़पने और छेड़खानी का आरोप लगाया है। सुधीर सिंह, सकलदेव सिंह, बालमकुंद सिंह सहित आठ लोगों को नामजद किया है। उसने कहा है कि उसके एक एकड़ जमीन पर कब्जा करने के लिए उक्त लोग ईंट और बालू गिराए। वह और उसकी गोतनी गुड़िया देवी मना करने गई तो उक्त दोनों के साथ मारपीट कर उन्हें अपमानित कर जेवरात छीन लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है।

संत जेवियर्स कॉलेज, में कांसेप्ट ऑफ डिजाइन थिंकिंग पर कार्यशाला

संवाददाता द्वारा

रांची संत जेवियर्स कॉलेज रांची में शुक्रवार 16 मई 2025 को गणित और सांख्यिकी विभाग एवं आई.क्यू.ए.सी के द्वारा कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र छात्राओं के दिमाग में उत्पन्न हुए नए विचारों के लिए प्रोत्साहित करना और क्रियान्वयन संबंधी जानकारी उप्लब्ध कराना था। मौके पर सैमसंग मार्केटिंग टीम से वक्तागण आए और लगभग 500 विद्यार्थी का ज्ञानवर्धन किया।

आयोजित कार्यकम की शुरुआत मौजूद अतिथि गण एवं कॉलेज के प्राचार्य ने दीप प्रज्वलित कर के किया। प्राचार्य डॉ फादर रॉबर्ट प्रदीप कुजूर एसजे ने कहा कि ज्ञान छिपने की चीज नहीं है, इसे बिखेरकर स्वंय के काम में निखार लाया जाता है। और सैमसंग मार्केटिंग टीम के गौरव त्यागी ने छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ नए इनोवेटिव आइडियाज को सफल बनाने के लिए टिप्स दिए उसके महत्व को बताने का प्रयास किया और छात्रों से नए विचारों एवं योजनाओं से संबंधित वार्ता की। इस दौरान उपस्थित विद्यार्थिगण से ऑनलाइन व ऑफलाइन फार्म के द्वारा नए विचार संग्रहित किया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अथिति के रूप में सैमसंग (सीएसआर) मार्केटिंग टीम से समकेंद्रा , सैमसंग मार्केटिंग टीम से गौरव त्यागी और राधिका तोमस, प्राचार्य डॉ फादर रॉबर्ट प्रदीप कुजूर एसजे, विभागाध्यक्ष डॉ रमन कुमार दास, परीक्षा नियंत्रक बी. के. सिन्हा, आईक्यूएसी कॉर्डिनेटर डॉ शिव कुमार, रजिस्ट्रार डॉ प्रभात केनेडी सोरेंग, डॉ विजय कुमार मेहता, डॉ मनोज कुमार सिंह, डॉ पप्पू महतो, राकेश मिश्रा, वीरभद्र सिंह, डॉ राजेश कुमार सहित अन्य प्राध्यापकगण भी मौजूद थे।

जमुआ विधायक मंजु कुमारी बनीं बीबीएम कोयलांचल यूनिवर्सिटी की अधिषद सदस्य, जनता को समर्पित किया सम्मान

- यह पद केवल एक सम्मान नहीं, बल्कि एक उत्तरदायित्व है, जिसे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाएंगी: मंजु कुमारी
- इस मनोनयन को लेकर जमुआ क्षेत्र में हर्ष की लहर है

शुभम सौरभ

गिरिडीह, विशेष प्रतिनिधि। जमुआ विधानसभा क्षेत्र की विधायक मंजु कुमारी को एक महत्वपूर्ण दायित्व मिला है। उन्हें झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रविन्द्रनाथ महतो द्वारा बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल यूनिवर्सिटी, धनबाद के अधिषद सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है। इस महत्वपूर्ण शैक्षणिक पद पर मनोनयन को लेकर विधायक मंजु कुमारी ने क्षेत्र की जनता के प्रति आभार प्रकट किया है और इसे जमुआ वासियों की जीत बताया है। जमुआ विधायक ने कहा कि जमुआ विधानसभा वासियों को यह बताते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है कि मुझे बीबीएम कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद के अधिषद सदस्य के रूप में कार्य करने का अवसर मिला है। यह सम्मान मुझे प्रिय जमुआ विधानसभा की जनता के आशीर्वाद और विश्वास के कारण प्राप्त हुआ है। मैं इसके लिए विधानसभा अध्यक्ष रविन्द्रनाथ महतो जी तथा समस्त क्षेत्रवासियों की हृदय से आभारी हूँ।

यह पद केवल एक सम्मान नहीं, बल्कि एक उत्तरदायित्व है, जिसे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाएंगी- मंजु कुमारी

उन्होंने आगे कहा कि यह पद केवल एक सम्मान नहीं, बल्कि एक उत्तरदायित्व है, जिसे वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाएंगी। उनका मानना है कि शैक्षणिक विकास किसी भी समाज की प्रगति का आधार होता है, और इस दिशा में वे विश्वविद्यालय के साथ मिलकर क्षेत्र के युवाओं के लिए बेहतर अवसर सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगी।

इस मनोनयन को लेकर जमुआ क्षेत्र में हर्ष की लहर है

जमुआ विधायक मंजु कुमारी ने यह भी कहा कि वे हमेशा की तरह क्षेत्र की जनता के सहयोग और आशीर्वाद की आकांक्षी हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों में जनप्रतिनिधित्व की भूमिका से वे छात्रों की समस्याओं और जरूरतों को बेहतर ढंग से समझ सकेंगी और उनका समाधान कर सकेंगी। उनके इस मनोनयन को लेकर जमुआ क्षेत्र में हर्ष की लहर है। स्थानीय लोगों और समर्थकों ने इसे जमुआ की उपलब्धि बताया और विधायक के उज्जवल भविष्य की कामना की।

जमुआ विधायक मंजु कुमारी न केवल राजनीति बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में भी अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगी

समर्थकों ने खुशी जाहिर करते हुवे कहा कि इस पद के माध्यम से अब जमुआ विधायक मंजु कुमारी न केवल राजनीति बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में भी अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगी। उनके इस कदम से क्षेत्र के युवाओं को प्रेरणा मिलेगी और विश्वविद्यालय स्तर पर भी जनता की आवाज़ अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचेगी।

गिरिडीह पुलिस की बड़ी सफलता, खुखरा थाना क्षेत्र के जोकानाल के पास जंगल में छिपा कर रखा हुआ 303 रायफल, एसएलआर समेत 14 हथियार बरामद

गिरिडीह, प्रतिनिधि। नक्सलियों के खिलाफ चलाये जा रहे हैं सर्च अभियान के दौरान गिरिडीह पुलिस ओर सीआरपीएफ की टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। गुप्त सूचना के आधार पर सीआरपीएफ और गिरिडीह पुलिस के द्वारा चलाए गए संयुक्त ऑपरेशन के दौरान नक्सल प्रभावित खुखरा थाना क्षेत्र के जोकानाला के पास से पुलिस ने जंगल में जमीन के अंदर नक्सलियों के द्वारा छिपा कर रखे हुए 14 हथियार को बरामद करने में सफलता पाई है। जो हथियार बरामद किया गया है उसमें 303 बोर रायफल, एसएलआर, गन पाउडर समेत अन्य हथियार शामिल है। बड़ी संख्या में हथियार बरामद करने के बाद गिरिडीह पुलिस और सीआरपीएफ के द्वारा नक्सल प्रभावित क्षेत्र पारसनाथ पर्वत की तराई वाले इलाके में नक्सलियों के खिलाफ अभियान चला रही है।

मिली जानकारी के अनुसार गिरिडीह के एसपी डॉ बिमल कुमार को गुप्त सूचना मिली कि खुखरा थाना क्षेत्र के जोकानाला के पास नक्सलियों के द्वारा बड़ी संख्या में हथियार छिपा कर रखा हुआ है। सूचना के बाद एसपी डॉ. बिमल कुमार के द्वारा एक टीम का गठन किया गया। जिसमें सीआरपीएफ और गिरिडीह पुलिस के पुलिस पदाधिकारी व जवान शामिल थे। टीम के द्वारा संयुक्त अभियान चला कर सभी हथियार को बरामद किया गया है।

वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन अवैध आरामिल को जेसीबी मशीन से उखाड़ कर किया जप्त, अवैध लकड़ी भी जप्त

आदिवासी एक्सप्रेस
फुल्लीडुमर बांका

बांका जिले के फुल्लीडुमर प्रखंड से सटे बेलहर प्रखंड क्षेत्र के राजपुर पंचायत अंतर्गत खुटहरी गांव में वन विभाग की टीम द्वारा गुरुवार की देर शाम तीन अवैध रूप से संचालित लकड़ी आरा मिल पर छापेमारी की गई। वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार जिले में अवैध रूप से संचालित आरा मील की गुप्त सूचना पर गुरुवार को वन प्रमंडल पदाधिकारी के निर्देशानुसार वनपाल अभिजीत कुमार के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया। गठित छापेमारी दल में बांका वनपाल अब्दुल आलम, वनरक्षी लवकेश कुमार, अभिषेक, अमित कुमार, सन्नी कुमार, कुंदन कुमार, मुरलीधर राम, आनंद कुमार सामिल थे। गठित छापेमारी दल द्वारा बेलहर प्रखंड के खुटहरी गांव में प्रद्युमन शर्मा एवं टुनटुन शर्मा के द्वारा संचालित अवैध आरा मिल पर छापेमारी की गई। जहां छापेमारी के दौरान वन विभाग की टीम ने प्रद्युमन शर्मा के दो अवैध लकड़ी आरा मिल एवं टुनटुन शर्मा का एक आरा मिल को इंजन के साथ जेसीबी मशीन के द्वारा उखाड़ कर जप्त कर लिया गया एवं भारी मात्रा में अवैध लकड़ी को भी जप्त किया गया। इस संबंध में वनपाल अभिजीत कुमार ने बताया की अवैध रूप से संचालित आरा मिल के विरुद्ध कार्रवाई हेतु वरीय पदाधिकारी को रिपोर्ट भेजी दी गई है। आगे वनपाल श्री कुमार ने बताया कि अन्य और भी अवैध रूप से संचालित आरा मिल पर वन विभाग की पैनी नजर बनी हुई है। अवैध आरा मिल पर कि गई इस कार्रवाई से इस धंधे में लिप्त अवैध आरा मिल संचालकों में हड़कंप मचा हुआ है। वहीं फुल्लीडुमर प्रखंड में भी खेसर ,तेलिया पहाड़ एवं फुल्लीडुमर पंचायत में भी कई अवैध रूप से आरा मिल का संचालन किया जा रहा है जिस पर वन विभाग की आज तक नजर नहीं पड़ी है। यदि वन विभाग के वरीय पदाधिकारीयों द्वारा सुनियोजित एवं गुप्त तरीके से जिले में छापेमारी अभियान चलाया जाए तो कई प्रखंड में संचालित अवैध आरामिल पर कार्रवाई होनी तय है।

गृह मंत्री अमित शाह ने मल्टी एजेंसी सेंटर का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को नॉर्थ ब्लॉक स्थित खुफिया ब्यूरो (आईबी) परिसर में विकसित नए मल्टी एजेंसी सेंटर (एमएसी) का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह अत्याधुनिक एमएसी प्लेटफॉर्म राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी जटिल और आपस में जुड़ी चुनौतियों से निपटने के लिए विभिन्न एजेंसियों के प्रयासों को एकीकृत करने का एक बड़ा कदम है।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप में एशियन किंग्स के लिए खेलेंगे रैना और दिलशान

एजेंसी

दिल्ली। 27 मई से 05 जून तक ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होने वाली इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप (आईएलसी) के आगामी सीज़न में एशियन किंग्स को नई फ्रेंचाइज़ी के रूप में पेश किया गया है। टीम की सह मालिक, लीडरशिप एक्सपर्ट और नेटवर्क-बिल्डर प्रियंका कदम, प्रसिद्ध ज्योतिषी एवं 'एस्ट्रो स्पोर्ट' के लेखक डॉ. हेमंत जस्स की यह टीम पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना, श्रीलंका के पूर्व सलामी बल्लेबाज़ तिलकरत्ने दिलशान और अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान असघर अफगान जैसे सितारों से सजी होगी। एशियन किंग्स को लेकर सह-मालकिन प्रियंका कदम ने कहा कि, एशियन किंग्स की सह-मालकिन बनना मेरे लिए गर्व की बात है, वहीं जब आपकी टीम का नेतृत्व सुरेश रैना, तिलकरत्ने दिलशान और असघर अफगान जैसे दिग्गजों के हाथ में हो तो ये खुशी दोगुनी हो जाती है। उन्होंने आगे कहा कि, हमारा उद्देश्य सिर्फ एक फ्रेंचाइजी का निर्माण करना नहीं है, बल्कि पूरे एशिया के प्रशंसकों को एक मंच से जोड़ना है। अपनी भावनाओं को साझा करते हुए टीम के दूसरे सह-मालिक डॉ. हेमंत जस्स ने कहा, मैं ज्योतिषी होने के साथ ही क्रिकेट का भी बहुत बड़ा प्रशंसक हूं, ऐसे में इतनी बड़ी लीग के जरिए एशियन टीम का सह मालिक बन पाना मेरे लिए बहुत भावनात्मक है। हमारी कोशिश रहेगी कि हम हर मैच में महाद्वीपीय गर्व और संघर्ष की भावना लेकर उतरें।

आईपीएल 2025 :पंजाब किंग्स, गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपरजाएंट्स ने की रिप्लेसमेंट की घोषणा

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 में खेल रही पंजाब किंग्स (पीबीकेएस), गुजरात टाइटंस (जीटी) और लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने अपने टीम में बदलाव की घोषणा की है। ये बदलाव चोटिल खिलाड़ियों की अनुपस्थिति और राष्ट्रीय टीम की सेवाओं में जा रहे खिलाड़ियों की पूर्ति के तौर पर किए गए हैं।

पंजाब किंग्स में काइल जैमीसन की एंट्री

पंजाब किंग्स ने न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन को टीम में शामिल किया है। वे लोकी फर्ग्यूसन की जगह लेंगे, जो हैमस्ट्रिंग की चोट के चलते पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। जैमीसन को पंजाब की टीम ने 02 करोड़ रुपये में अनुबंधित किया है।

गुजरात टाइटंस में कुसल मेंडिस की एंट्री, जोस बटलर की जगह लेंगे

गुजरात टाइटंस ने श्रीलंकाई बल्लेबाज कुसल मेंडिस को इंग्लिश खिलाड़ी जोस बटलर के स्थान पर टीम में शामिल किया है। बटलर 25 मई को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आखिरी लीग मुकाबले के बाद 26 मई से इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम के लिए उपलब्ध रहेंगे। कुसल मेंडिस को गुजरात टाइटंस ने 75 लाख रुपये में अनुबंधित किया है और वे 26 मई से टीम के साथ जुड़ेंगे।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025: बिहार का ऐतिहासिक प्रदर्शन और शानदार मेजबानी ने रचा नया अध्याय

पटना। खेलों के इतिहास में बिहार ने आज एक नया अध्याय जोड़ा। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 का पटना स्थित पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में रंगारंग समापन हुआ, जिसमें राज्य ने न केवल खेल प्रतिभा बल्कि मेजबानी के स्तर पर भी पूरे देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। 04 मई से 15 मई तक चले इस भव्य आयोजन में देशभर के 10,000 से अधिक खिलाड़ियों और उनके सहयोगी दलों ने भाग लिया। समापन समारोह में बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, केंद्रीय युवा एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे और मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए बिहार की नई खेल पहचान को सराहा।

बिहार ने रचा इतिहास:बिहार ने इस बार खेलो इंडिया यूथ गेम्स में 7 स्वर्ण, 11 रजत और 18 कांस्य पदकों के साथ कुल 36 पदक जीते। वर्ष 2023 की तुलना में यह उपलब्धि 620त्न की ऐतिहासिक वृद्धि है। झारखंड को पीछे छोड़ते हुए बिहार ने 14वां स्थान हासिल किया, जो राज्य की बढ़ती खेल क्षमताओं का स्पष्ट प्रमाण है।

बंगाल वारियर्स ने नवीन कुमार को टीम का मुख्य कोच किया नियुक्त

मुम्बई। बंगाल वॉरियर्स ने प्रो कबड्डी लीग के अगले सीजन के लिए नवीन कुमार को टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। हरियाणा से ताल्लुक रखने वाले कबड्डी के दिग्गज खिलाड़ी नवीन कुमार का एथलीट और कोच दोनों का अच्छा खासा अनुभव है। फ्रैंचाइची का मानना है कि उनकी जानकारी, जीतने की मानसिकता और जूझारू क्षमता वॉरियर्स के लिए फायदेमंद होगी। बंगाल वॉरियर्स के नए कोच नवीन कुमार का खेल में शानदार ट्रैक रिकॉर्ड है। उन्होंने 10वें दक्षिण एशियाई खेलों (2006), 15वें एशियाई खेलों (2006), दूसरे विश्वकप (2007) और दूसरे इनडोर एशियाई खेलों (2007) सहित कई टूर्नामेंटों में स्वर्ण पदक जीते हैं।

इटालियन ओपन 2025: रूड को हराकर सिनर सेमीफाइनल में पहुंचे

एजेंसी

रोम। इटली के जैनिक सिनर ने कैस्पर रूड को सीधे सेटों में 6-0, 6-1 से हराकर इटालियन ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है, जबकि कोको गॉफ ने चीन की झेंग किनवेन के साथ तीन सेटों तक चले मैराथन मुकाबले में जीत हासिल कर महिला वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया। अमेरिकी गॉफ खिताबी मुकाबले में इटली की जैस्मीन पाओलिनी से भिड़ेंगी। उन्होंने साढ़े तीन घंटे तक चले मैच में 7-6 (7/3), 4-6, 7-6 (7/4) से जीत हासिल की।तीन महीने के डोपिंग प्रतिबंध से वापस आने के बाद से रोम में रूड, सिनर के लिए सबसे कठिन चुनौती थे, क्योंकि इस महीने की शुरुआत में मैड्रिड में जीत के बाद नॉर्वे का यह खिलाड़ी क्ले पर शानदार फॉर्म में था। अपने पिछले मैचों में सिनर पिछले साल मार्च में क्लोस्टेबोल के लिए सकारात्मक

परीक्षण के लिए विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी से निलंबन स्वीकार किए जाने के बाद अभी भी अपने पैरों पर खड़े दिख रहे थे। लेकिन 23 वर्षीय खिलाड़ी ने टेनिस के शानदार प्रदर्शन के साथ मात्र एक घंटे से भी कम समय में छठी वरीयता प्राप्त रूड को हरा दिया। दूसरी तरफ, पूर्व यूएस ओपन विजेता कोको गॉफ ने ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट झेंग के खिलाफ लगातार तीसरी जीत दर्ज की। इस मुकाबले में गॉफ ने अपनी सर्विस पर 15 डबल फॉल्ट किए, जबकि दोनों खिलाड़ियों की ओर से कुल 156 अनफोर्स्ड एरर (ग़लतियां) देखने को मिलीं। 21 वर्षीय गॉफ इस सीज़न का अपना पहला खिताब जीतने की कोशिश कर रही हैं।

इससे पहले वह मैड्रिड ओपन के फाइनल में आर्यना सबालेंका से हार गई थीं। अब अपने दूसरे फाइनल में वह इटली की पाओलिनी से भिड़ेंगी, जहां उन्हें घरेलू दर्शकों के कारण कहीं ज़्यादा जोश और दबाव वाला माहौल देखने को मिलेगा – जो कि पिछले मुकाबले की सुस्त भीड़ से बिल्कुल अलग होगा, जिसने आधी रात के बाद तक मैच देखा।

तस्कीन अहमद ने की शॉन टेट की तारीफ, कहा- टी20 विश्व कप में मददगार साबित होंगे नए कोच

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद ने टीम के नए फास्ट बॉलिंग कोच शॉन टेट की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज के टीम से जुड़ने से विशेष रूप से टी20 क्रिकेट में टीम को काफी फायदा मिलेगा। तस्कीन ने यह बयान शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में पत्रकारों से बातचीत के दौरान दिया। तस्कीन ने कहा, वो (टेट) बहुत अच्छे फास्ट बॉलर थे और ऑस्ट्रेलिया के लिए लंबे समय तक खेले। सबसे बड़ी बात ये है कि हमारे सामने अब काफी टी20 क्रिकेट है और उन्होंने आधुनिक टी20 युग में खेला है। ऐसे में उनके पास बड़े टूर्नामेंट्स का अनुभव है और इससे हमें फायदा होगा। उन्होंने आगे कहा, जब आप नेशनल सेटअप में होते हैं तो कोच गेम अवेयरनेस और कुछ तकनीकी पहलुओं में मदद करते हैं, लेकिन अधिकतर गेंदबाजों को खुद कोचिंग करनी होती है। हालांकि जब आपके साथ टेट जैसे बड़ी शख्सियत होते हैं, तो चीजें आसान हो जाती हैं।फिलहाल तस्कीन अपनी एड़ी की चोट से उबर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अभी तक पांच सेशन पूरे हो चुके हैं और उन्होंने हल्की गेंदबाजी भी शुरू कर दी है। तस्कीन ने कहा, क्रिकेट बोर्ड के फिजियो, ट्रेनर और इंग्लैंड के स्पेशलिस्ट मिलकर एक रिहैब प्लान पर काम कर रहे हैं। अब तक किसी तरह की दिक्कत नहीं हुई है और अगर सब कुछ ठीक रहा तो जून में होने वाली श्रीलंका सीरीज में वापसी की उम्मीद है। बता दें कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने हाल ही में शॉन टेट को तेज गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। इससे पहले आंद्रे एडम्स इस भूमिका में थे।

ब्राजील फुटबॉल महासंघ अध्यक्ष एडनाल्डो रोड्रिग्स पद से हटाए गए

एजेंसी

रियो डी जनेरियो। ब्राजील फुटबॉल महासंघ (सीबीएफ) में बड़ा प्रशासनिक उलटफेर हुआ है। रियो डी जनेरियो के एक जज ने सीबीएफ के अध्यक्ष एडनाल्डो रोड्रिग्स को उनके पद से हटा दिया है और जल्द से जल्द नए चुनाव कराने का आदेश दिया है। यह फैसला उस समय आया है जब कुछ ही दिन पहले रोड्रिग्स ने इटालियन कोच कार्लो एंसेलोटी को ब्राज़ील की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का नया कोच नियुक्त किया था। अब रोड्रिग्स ने देश की सुप्रीम कोर्ट में अपील दाखिल कर दोबारा पद पर बहाल होने की मांग की है।

रोड्रिग्स का कार्यकाल घोषित, लेकिन कानूनी अड़चन

मार्च 2025 में रोड्रिग्स को दोबारा 2030 तक के लिए सीबीएफ अध्यक्ष चुना गया था, लेकिन जज गैब्रिएल डी ओलिवेरा जेफ़ीरो ने उस समझौते को अमान्य करार दिया जिसके तहत उन्हें पहले कार्यकाल की वैधता मिली थी। अदालत ने कहा कि उस समझौते के बिना रोड्रिग्स दोबारा चुनाव लड़ने के पात्र नहीं थे।

वाइस प्रेसिडेंट सरने ने संभाली कमान

इस फैसले के बाद सीबीएफ के सबसे वरिष्ठ उपाध्यक्ष फर्नांडो सरने ने

संगठन की जिम्मेदारी संभाल ली है और नए चुनाव कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उन्होंने कहा, सभी खेल गतिविधियां और मौजूदा अनुबंध सुरक्षित रहेंगे। हालांकि यह साफ नहीं है कि एंसेलोटी का करार कानूनी रूप से अभी मान्य है या नहीं। टीवी ग्लोबो से बात करते हुए सरने ने कहा, मैं इस पद पर अस्थायी रूप से हूं। मेरा लक्ष्य जल्द से जल्द चुनाव कराना है ताकि कोर्ट की लड़ाई खत्म हो सके। फुटबॉल चलता रहेगा। यह दूसरी बार है जब रोड्रिग्स को अदालत के आदेश से पद से हटाया गया है। इससे पहले दिसंबर 2023 में भी कोर्ट ने उन्हें पद से हटाया था, जब वह एंसेलोटी के साथ बातचीत कर रहे थे। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने बाद में उन्हें बहाल कर दिया था। जनवरी 2024 में सीबीएफ के उपाध्यक्षों ने एक आपसी समझौता कर रोड्रिग्स के पहले कार्यकाल को मान्यता दी थी, ताकि वे फिर से चुनाव लड़ सकें। लेकिन अब जज जेफ़ीरो ने उस समझौते को अवैध करार दिया है, क्योंकि उसमें हस्ताक्षर करने वाले एक सदस्य – 86 वर्षीय एंटोनियो कार्लोस नून्स की मानसिक स्थिति को लेकर संदेह जताया गया है जज के मुताबिक नून्स को 2018 में ब्रेन कैंसर का पता चला था और तभी से उनकी मानसिक क्षमता सवालों के घेरे में है। अदालत ने सोमवार को नून्स की मानसिक स्थिति पर सुनवाई निर्धारित की थी, लेकिन उसी दिन एंसेलोटी की नियुक्ति की घोषणा के कुछ घंटे बाद ही यह सुनवाई स्थगित कर दी गई।

सबसे अधिक कमाई करने वाले एथलीटों की सूची में क्रिस्टियानो रोनाल्डो शीर्ष पर

एजेंसी

नई दिल्ली। स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो फोर्ब्स की 2025 की दुनिया के 50 सबसे अधिक कमाई करने वाले एथलीटों की सूची में शीर्ष पर हैं। उन्होंने मई 2024 और मई 2025 के बीच 275 मिलियन डॉलर कमाए हैं। यह उनका लगातार तीसरा वर्ष है जब वे रैंकिंग में शीर्ष पर हैं। शीर्ष 50 एथलीटों ने सामूहिक रूप से रिकॉर्ड 4.23 बिलियन डॉलर कमाए।

जो पिछले साल के 3.88 बिलियन डॉलर से अधिक है। लियोनेल मेस्सी 135 मिलियन डॉलर के साथ पांचवें स्थान पर हैं। कोई भी महिला एथलीट इस सूची में शामिल नहीं है। कोको गॉफ़ 19.2 मिलियन डॉलर से मामूली अंतर से चूक गई। इसी तरह, इस साल कोई भी भारतीय एथलीट रैंकिंग में शामिल नहीं है।

शीर्ष दस सबसे ज्यादा कमाई करने वाले एथलीट

1 - क्रिस्टियानो रोनाल्डो (फुटबॉल) - 275 मिलियन अमेरिकी डॉलर

2 - स्टीफन करी (बास्केटबॉल) - 156 मिलियन अमेरिकी डॉलर

3 - टायसन फ्यूरी

(बॉक्सिंग) - 146 मिलियन अमेरिकी डॉलर

4 - डैक प्रेस्कॉट (एनएफएल) - 137 मिलियन अमेरिकी डॉलर

5 - लियोनेल मेस्सी (फुटबॉल) - 135 मिलियन अमेरिकी डॉलर

6 - लेब्रोन जेम्स (बास्केटबॉल) - 133.8 मिलियन अमेरिकी डॉलर

7 - जुआन सोटो (बेसबॉल) - 114 मिलियन अमेरिकी डॉलर

8 - करीम बेंजेमा (फुटबॉल) - 104 मिलियन अमेरिकी डॉलर

9 - शोही ओहतानी (बेसबॉल) - 102.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर

10 - केविन ड्यूरेंट (बास्केटबॉल) - 101.4 मिलियन अमेरिकी डॉलर

प्रो कबड्डी लीग सीजन 12 की नीलामी 31 मई और 1 जून को मुंबई में

एजेंसी

मुंबई। मशाल स्पोर्ट्स ने प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 के लिए प्लेयर ऑक्शन की तारीखों का ऐलान कर दिया है। यह बहुप्रतीक्षित नीलामी 31 मई और 1 जून 2025 को मुंबई में आयोजित की जाएगी। सीजन 11 की शानदार समाप्ति के बाद अब प्रो कबड्डी एक बार फिर नई शुरुआत के लिए तैयार है। पिछले साल 29 दिसंबर 2024 को समाप्त हुए सीजन 11 में हरियाणा स्टीलर्स ने पहली बार खिताब अपने नाम किया था। फाइनल मुकाबले में उन्होंने तीन बार की चैंपियन पटना पाइरेट्स को हराकर इतिहास रच दिया था। प्रो कबड्डी लीग की शुरुआत 2014 में हुई थी और अब तक 11 सीजन में 8 अलग-अलग चैंपियन बन चुके हैं। सीजन 11 लीग के दूसरे दशक की शुरुआत का प्रतीक

रहा, जिसने पीकेएलको भारत की सबसे सफल और लोकप्रिय खेल लीगों में शामिल कर दिया है। सीजन 12 की यह नीलामी एक और शानदार सीजन की शुरुआत का संकेत है–जहां फिर से राइवलरी देखने को मिलेगी, चैंपियन टीम अपनी ट्रॉफी बचाने उतरेगी, और देश-विदेश से जुड़े फैंस कबड्डी के जोश को नए स्तर पर ले जाएंगे। मशाल स्पोर्ट्स के बिजनेस हेड और प्रो कबड्डी लीग के चेयरमैन अनुपम गोस्वामी ने कहा, हमें सीजन 12 की नीलामी की तारीखों की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। यह नीलामी सिर्फ खिलाड़ियों की खरीद-फरोख्त का मंच नहीं है, बल्कि यह दिखाता है कि टीमें कितनी रणनीतिक, महत्वाकांक्षी और प्रदर्शन के प्रति प्रतिबद्ध हैं। यह भारत के इस देशी खेल के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिभा को सामने लाने का भी माध्यम है। एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया (एकेएफआई) के संरक्षण में मशाल स्पोर्ट्स और जियोस्टार ने मिलकर पीकेएल को देश की सबसे बड़ी खेल लीगों में से एक बना दिया है।

वेस्टइंडीज ने अपने खिलाड़ियों को आईपीएल 2025 में खेलने को दी मंजूरी, जीटी और आरसीबी को राहत

एजेंसी

नई दिल्ली। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने फैसला किया है कि भले ही वेस्टइंडीज टीम मई में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज खेलेगी, लेकिन इसके बावजूद खिलाड़ियों को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) में खेलने की अनुमति दी जाएगी। यह फैसला खासतौर पर गुजरात टाइटंस (जीटी) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) जैसी फ्रेंचाइजी के लिए राहत की खबर है, जिनके अहम खिलाड़ी इंटरनेशनल कमिटमेंट्स के कारण अनुपलब्ध हो सकते थे। शेरफेन रदरफोर्ड ने इस सीजन में गुजरात टाइटंस के लिए 11 मैचों में 299 रन बनाए हैं, औसत 38 और स्ट्राइक रेट 159 का रहा है। वो अक्सर इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में खेले और टीम को संकट से निकालते रहे। वहीं, रोमारियो शेफर्ड ने आरसीबी के लिए एकमात्र पारी में 53 रन बनाए थे, वो भी 378 के स्ट्राइक रेट से - जो मैच जिताऊ पारी साबित हुई। इस वक्त आईपीएल में आठ वेस्टइंडीज खिलाड़ी खेल रहे हैं - रदरफोर्ड, शेफर्ड, आंद्रे रसेल, सुनील नारायण, रोवमैन पॉवेल (तीनों केकेआर), निकोलस पूरन, शमर जोसेफ (दोनों एलएसजी) और शिमरोन हेटमायर (राजस्थान रॉयल्स)। इनमें से सिर्फ तीन - रदरफोर्ड, शेफर्ड और जोसेफ - को वेस्टइंडीज की वनडे सीरीज के लिए चुना गया है।

वर्ल्ड कप क्वालिफायर के लिए अर्जेंटीना टीम में लौटे लियोनेल मेसी, चिली और कोलंबिया से होंगे मुकाबले

एजेंसी

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना फुटबॉल टीम को वर्ल्ड कप क्वालिफायर मुकाबलों से पहले बड़ी राहत मिली है। कप्तान लियोनेल मेसी एक बार फिर टीम में वापसी कर रहे हैं। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने यह घोषणा की कि मेसी जून में होने वाले वर्ल्ड कप क्वालिफायर मुकाबलों में चिली और कोलंबिया के खिलाफ मैदान में उतरेंगे।

मार्च में नहीं खेल पाए थे मेसी: 37 वर्षीय इंटर मियामी स्टार मेसी मार्च में चोट की वजह से टीम का हिस्सा नहीं थे। उन्हें ग्रोइन (एडक्टर) में चोट थी। इसके बावजूद अर्जेंटीना ने उरुग्वे और ब्राज़ील को हराकर अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई कर लिया था।

अर्जेंटीना का कार्यक्रम

अर्जेंटीना टीम 5 जून को चिली के खिलाफ उसका घरेलू मैदान में भिड़ेगी, जो अभी संघर्ष कर रही है।

इसके बाद 10 जून को ब्यूनस आयर्स में छठे स्थान पर काबिज कोलंबिया से मुकाबला होगा। इन दोनों मुकाबलों के बाद मेसी अमेरिका लौट जाएंगे, जहां 14 जून को इंटर मियामी क्लब वर्ल्ड कप के पहले मुकाबले में मिस्र के अल-अहली से भिड़ेगा।

गार्नाचो की वापसी, डिबाला बाहर: कोच लियोनेल स्कालोनी ने 28 खिलाड़ियों की टीम घोषित की है, जिसमें मैनचेस्टर यूनाइटेड के युवा फॉरवर्ड एलेजांद्रो गार्नाचो की वापसी हुई है। उन्हें पिछली बार रणनीतिक कारणों से टीम से बाहर रखा गया था। वहीं चोटिल पाउलो डिबाला और गोंजालो मोंटीएल टीम का हिस्सा नहीं हैं।

ओटामेंडी, एनज़ो और पारेडेस निलंबित

पहले मैच में डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी और मिडफील्डर एनज़ो फर्नांडीज़ व लिआंद्रो पारेडेस नहीं खेल पाएंगे क्योंकि वे निलंबन की सजा झेल रहे हैं। हालांकि तीनों को स्क्वाड में शामिल किया गया है। डिफेंडर मार्कोस अकुन्या और जर्मन पेज़ेला को भी इस बार टीम में जगह नहीं मिली है।

इग्लैंड दौरे के लिए भारतीय महिला एकदिवसीय और टी20 टीम का ऐलान, श्रृंखला की शुरुआत 28 जून से

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला चयन समिति ने इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की सीनियर महिला टीम की घोषणा कर दी है। इस दौरे पर भारत की महिला टीम 28 जून 2025 से 22 जुलाई तक पांच टी20 और तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में जून-जुलाई में टी20 और एकदिवसीय श्रृंखला के लिए इंग्लैंड जाने वाली चयनित भारतीय टीम में शेफाली वर्मा को टी20 टीम में जगह दी गई है। शेफाली लंबे समय के बाद भारतीय टीम में वापसी करेंगी, हालांकि उन्हें वनडे टीम का हिस्सा नहीं बनाया गया है।

ऑलराउंडर की भूमिका निभाने को लेकर बेन स्टोक्स आशान्वित,कहा- इस बार रिकवरी बेहतर रही

एजेंसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने इस गर्मी में ज़िम्बाब्वे और भारत के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज़ में एक ऑलराउंडर के रूप में अपनी पूरी भूमिका निभाने को लेकर बहुत, बहुत आत्मविश्वास जताया है। स्टोक्स पिछले पांच महीनों से हैमस्ट्रिंग की चोट से उबरने में जुटे थे। उन्होंने कहा कि इस बार उन्होंने अपनी रिकवरी को पहले से बेहतर तरीके से संभाला है। स्टोक्स को यह चोट पिछले साल अगस्त में 'द हंड्रेड' टूर्नामेंट के दौरान लगी थी। हालांकि वे पाकिस्तान के खिलाफ अक्टूबर में टेस्ट खेलने के लिए लौटे थे, लेकिन दो महीने बाद न्यूजीलैंड में गेंदबाज़ी करते समय फिर से वही चोट उभर आई थी। इस बार उन्होंने पूरी सावधानी बरती है ताकि भारत और ऑस्ट्रेलिया जैसी बड़ी सीरीज़ से पहले पूरी तरह फिट हो सकें। स्काई स्पोर्ट्स को दिए इंटरव्यू में स्टोक्स ने कहा, मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। हालांकि ट्रेनिंग और असली मैच में फर्क होता है। चाहे आप ट्रेनिंग में कितना भी पसीना

बहा लें, मैच की तीव्रता को दोहराना मुश्किल होता है। लेकिन मेरी भूमिका एक खिलाड़ी के रूप में–चौथे सीमर की तरह गेंदबाज़ी करना, नंबर 6 पर बल्लेबाज़ी करना और हर मौके पर टीम के लिए मैच बदलने की कोशिश करना–वही रहेगी। मुझे पूरा विश्वास है कि मैं फिर से वैसा ही प्रदर्शन कर सकता हूं जैसा पहले कर चुका हूं।पिछली बार जल्दबाज़ी में वापसी करने के अपने फैसले पर स्टोक्स ने कहा, उस वक्त मुझे लगा कि मुझे जल्दी वापसी करनी है, लेकिन इससे मैंने खुद को नुकसान पहुंचाया। इस बार मेडिकल टीम और मैंने तय किया कि हम इसे पूरी तरह से सही करेंगे। शुरू के दो महीने काफी धीमे और थकाऊ थे, लेकिन इस बार शारीरिक और मानसिक रूप से यह सफर उतना मुश्किल नहीं रहा।स्टोक्स ने यह भी बताया कि उन्होंने कोच ब्रेंडन मैकुलम से चर्चा की है ताकि वे खुद को ज़्यादा थकान से बचा सकें। हमने आपसी बातचीत में ये तय किया है कि ब्रेंडन मुझे इस तरह की चीज़ों में और बेहतर तरीके से मार्गदर्शन देंगे। मैं अब 33 साल का हूं और नहीं चाहता कि मैं अनावश्यक रूप से मैदान से बाहर रहूं।

बार्सिलोना ने जीता ला लीगा 2024-25 का खिताब, यामाल के गोल ने दिलाई जीत

एजेंसी

कॉर्नेला डे लोब्रेगेट (स्पेन)। बार्सिलोना ने गुरुवार देर रात ला लीगा 2024-25 खिताब पर कब्जा जमा लिया, जब उसने स्थानीय प्रतिद्वंद्वी एस्पेन्योल को 2-0 से हराया। 17 वर्षीय स्टार लामिन यामाल ने 53वें मिनट में गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई, और इंजुरी टाइम में फर्मिन लोपेज़ के गोल ने जीत पक्की कर दी। इस जीत के साथ हांसी फ्लिक की टीम रियल मैड्रिड से सात अंक आगे निकल गई है, जबकि लीग में केवल दो मुकाबले बाकी हैं। इसी के साथ बार्सिलोना ने अपना 28वां ला लीगा खिताब जीत लिया और घरेलू ट्रेबल (ला लीगा, कोपा डेल रे और स्पेनिश सुपर कप) भी पूरा कर लिया। दिलचस्प बात यह है कि बार्सिलोना ने यह खिताब उसी एस्पेन्योल के मैदान पर जीता, जहां 2023 में भी उसे खिताबी जीत मिली थी। हालांकि उस समय नाराज़ दर्शकों ने खिलाड़ियों को मैदान से भागने पर मजबूर कर दिया था। इस बार भी एस्पेन्योल फैंस की नाराज़गी दिखी, लेकिन उन्होंने सिर्फ मैदान पर पानी के फव्वारे चला दिए जिससे बार्सिलोना के जश्न को जल्दी समाप्त करना पड़ा।

पहले हाफ में संघर्ष, फिर चमका बार्सिलोना

पहले हाफ में बार्सिलोना ने भले ही गेंद पर कब्जा बनाए रखा, लेकिन वह कोई खास मौका नहीं बना सका। एस्पेन्योल ने काउंटर अटैक से परेशान किया और उनके खिलाड़ी जावी पुआदो को गोल करने का अच्छा मौका भी मिला, जिसे वोज्शेच शेज़नी ने शानदार तरीके से बचा लिया। दूसरे हाफ में यामाल ने शानदार अंदाज़ में गोल करके बर्फ तोड़ी। उन्होंने दाईं विंग से अंदर आते

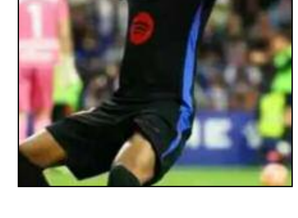

हुए बॉक्स के बाहर से शानदार कर्लिंग शॉट मारा, जो सीधे टॉप कॉर्नर में गया। यह गोल उनकी स्पेन के लिए यूरो 2024 सेमीफाइनल में किए गए गोल की याद दिला गया।

10 खिलाड़ी बचे एस्पेन्योल ने किया संघर्ष, लेकिन नहीं बचा सके हार

62वें मिनट में एस्पेन्योल को झटका लगा जब लेएंड्रो कैब्रेरा को यामाल के पेट में कोहनी मारने के चलते रेड कार्ड दिखाया गया। इसके बावजूद एस्पेन्योल ने दबाव बनाए रखा, लेकिन आखिरी समय में फर्मिन लोपेज़ ने गोल दागकर उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

मैच से पहले हादसा, लेकिन कोई गंभीर रूप से घायल नहीं

मैच से पहले एक हादसे में कुछ एस्पेन्योल फैंस एक कार की चपेट में आ गए। हालांकि पुलिस ने इसे दुर्घटना बताया और किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं मिली।

अब बस चैंपियंस लीग की कमी

इस सीज़न में बार्सिलोना ने घरेलू स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया और केवल चैंपियंस लीग ही एक ऐसा खिताब रहा, जो उससे दूर रह गया। लेकिन युवा खिलाड़ियों से सजी इस टीम ने भविष्य के लिए उम्मीदें जगा दी हैं।

टीसीएस विश्व के शीर्ष 50 ब्रांडों में शामिल, कंपनी का मूल्य 57.3 अरब डॉलर पहुंचा

नई दिल्ली। देश की दिग्गज आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को एक और बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज 57.3 अरब डॉलर के मूल्यांकन के साथ दुनिया के शीर्ष 50 सबसे मूल्यवान ब्रांडों में शामिल हो गई है। इसके साथ ही कंपनी मूल्य बढ़कर 57.3 अरब डॉलर पर पहुंच गया है।टीसीएस के मुताबिक प्रतिष्ठित कांटार ब्रांडज़ मोस्ट वैल्यूएबल ग्लोबल ब्रांड्स 2025 रिपोर्ट में टीसीएस को दुनिया के 100 सबसे मूल्यवान ब्रांडों में शामिल किया गया है, जहां वह 45वें स्थान पर है। टीसीएस का ब्रांड मूल्य बढ़कर 57.3 अरब डॉलर हो गया है। शीर्ष 100 में केवल 4 भारतीय कंपनियां इसके शामिल है। कैंटर ब्रैंडज़ की एक रिपोर्ट के अनुसार कंपनी ने पिछले एक साल में अपने ब्रांड मूल्य में 28 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। कंपनी के मुताबिक टीसीएस ने दुनिया भर में अपनी ब्रांड इक्विटी, जागरूकता और लोकप्रियता में वृद्धि देखी है। पिछले साल कंपनी 41.2 अरब डॉलर के ब्रांड मूल्य के साथ कैंटर ब्रैंडज़ रिपोर्ट में 46वें स्थान पर रही थी। मोमेंटम-आईटीएसएमए की एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक 26 देशों में अपने व्यावसायिक अधिकारियों के साथ टीसीएस ने 95 फीसदी सहायक ब्रांड जागरूकता दिखाई है।

पतंजलि फूड्स का तिमाही मुनाफा 73.8 प्रतिशत उछला

मुंबई। देश की प्रमुख एफएमसीजी कंपनी पतंजलि फूड्स लिमिटेड का 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में एकल शुद्ध मुनाफा इसके पिछले वित्त वर्ष के 206.31 करोड़ रुपये के मुकाबले 73.8 प्रतिशत की छलांग लगाकर 358.53 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में उसे 358.53 करोड़ रुपये का एकल शुद्ध मुनाफा हुआ है, जो वित्त वर्ष 2023-24 की इसी तिमाही के 206.31 करोड़ रुपये के मुकाबले 73.8 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में उसकी कुल एकल आय में 16.7 प्रतिशत का इजाफा हुआ और यह 8348.02 करोड़ रुपये से बढ़कर 9744.73 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। इसी तरह उसका कुल एकल व्यय भी 8048.31 करोड़ रुपये से बढ़कर 9286.25 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने बताया कि 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष 2024-25 में उसे 1301.34 करोड़ रुपये का एकल शुद्ध मुनाफा हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 के 765.15 करोड़ रुपये से 70.1 प्रतिशत अधिक है। आलोच्य अवधि में उसके कुल एकल आय 31961.62 करोड़ रुपये से 7.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 34289.40 करोड़ रुपये हो गई। इसी तरह उसका कुल एकल व्यय भी 30901.53 करोड़ रुपये से बढ़कर 32563.23 रुपये पर पहुंच गया।

आयकर की धारा 80 आईएसी के तहत 187 और स्टार्टअप को आयकर छूट

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने आयकर अधिनियम की संशोधित धारा 80-आईएसी के तहत 187 और स्टार्टअप को आयकर छूट के प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है।विभाग के अनुसार इनमें से 75 स्टार्टअप को 79वीं अंतर-मंत्रालयी बोर्ड (आईएमबी) बैठक तथा 112 को 80वीं बैठक के दौरान मंजूरी दी गई। इसके साथ ही, योजना की शुरूआत से अब तक 3,700 से अधिक स्टार्टअप्स को छूट दी जा चुकी है।उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने बताया कि यह निर्णय गत 30 अप्रैल को आयोजित आईएमबी की 80वीं बैठक के दौरान 112 इकाइयों को छूट देने का निर्णय लिया गया। डीपीआईआईटी के एक प्रवक्ता के अनुसार, कर लाभ से पात्र स्टार्टअप्स को निगमन की तारीख से दस वर्ष की अवधि के भीतर किसी भी लगातार तीन वर्षों के लिए मुनाफे पर शत-प्रतिशत आयकर कटौती की छूट मिलती है। प्रवक्ता के अनुसार यह योजना उभरते व्यवसायों को उनके प्रारंभिक वर्षों में समर्थन देने, नवाचार, रोजगार सृजन और धन सृजन को प्रोत्साहित करने के लिए तैयार की गई है। उल्लेखनीय है कि बजट 2025-26 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने धारा 80-आईएसी के तहत लाभ का दावा करने के लिए स्टार्टअप्स के लिए पात्रता अवधि बढ़ाने की घोषणा की थी । इसके तहत अब पहली अप्रैल 2030 से पहले गठित स्टार्टअप इकाइयों को इस छूट के लिए आवेदन करने का पात्र माना जाएगा।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी का मुनाफा 20.05 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई। विद्युत उत्पादक कंपनी जेएसडब्ल्यू एनर्जी लिमिटेड का 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में सकल शुद्ध मुनाफा इसके पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 345.27 करोड़ रुपये के मुकाबले 20.05 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 414.51 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में उसे 414.51 करोड़ रुपये का सकल शुद्ध मुनाफा हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 की इसी तिमाही के 345.27 करोड़ रुपये के मुकाबले 20.05 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में उसकी कुल आय 2,879.35 करोड़ रुपये से 21.5 प्रतिशत बढ़कर 3,497.39 करोड़ रुपये हो गई। इसी तरह उसका कुल व्यय भी 2,547.28 करोड़ रुपये से बढ़कर 3,142.05 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। कंपनी ने बताया कि 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष 2024-25 में उसे 1,982.88 करोड़ रुपये का सकल शुद्ध मुनाफा हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 के 1,724.65 करोड़ रुपये से 14.9 प्रतिशत अधिक है। आलोच्य अवधि में उसकी कुल आय 11,941.34 करोड़ रुपये के मुकाबले 5.84 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 12,639.49 करोड़ रुपये हो गई।

चार दिन की गिरावट के बाद सर्राफा बाजार में उछला सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। लगातार चार दिन तक गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने के भाव में जोरदार तेजी दर्ज की गई है। आज के कारोबार में सोना 1,100 रुपये से लेकर 1,200 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। हालांकि चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है।

कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 95,130 रुपये से लेकर 95,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 87,200 रुपये से लेकर 87,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 97,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 95,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 87,350 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 95,130 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 95,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 87,250 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 95,130 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 87,200 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 95,130 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 95,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 87,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 95,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 87,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 95,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है।

सैजिलिटी इंडिया का चौथी तिमाही में कर पश्चात लाभ 128 फीसदी बढ़कर 183 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। सैजिलिटी इंडिया लिमिटेड के वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया गया है। 31 मार्च, 2025 को समाप्त जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का कर पश्चात लाभ (पीएटी) 128 फीसदी बढ़कर 183 करोड़ रुपये रहा है। सैजिलिटी इंडिया लिमिटेड ने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में कंपनी को 182.57 करोड़ रुपये का समेकित शुद्ध लाभ दर्ज किया है, जो वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही के 80.20 करोड़ रुपये की तुलना में 127.64 फीसदी अधिक है। वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में परिचालन से प्राप्त राजस्व 22.23 फीसदी बढ़कर 1,568.5 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में कर-पूर्व लाभ (पीबीटी) 238.99 करोड़ रुपये रहा, जो वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही के 92.87 करोड़ रुपये की तुलना में 157.33 फीसदी अधिक है। इसी तरह वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में सैजिलिटी इंडिया लिमिटेड का समायोजित ईबीआईटीडीए 383.20 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 311.90 करोड़ रुपये था। सैजिलिटी इंडिया लिमिटेड के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में समायोजित ईबीआईटीडीए मार्जिन 24.4 फीसदी रहा, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में यह 24.3त्र था। डॉलर के संदर्भ में कंपनी ने 181.8 मिलियन डॉलर का राजस्व हासिल दर्ज किया है, जबकि समायोजित पीएटी वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में 27.8 मिलियन डॉलर रहा।

सरकार ने 187 स्टार्टअप को आयकर छूट का लाभ देने की दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 187 स्टार्टअप कंपनियों को आयकर में छूट देने की मंजूरी दी है। इन स्टार्टअप को यह छूट आयकर अधिनियम की संशोधित धारा 80-आईएसी के तहत दी गई है। इस संबंध में निर्णय अंतर-मंत्रालयी बोर्ड (आईएमबी) की बैठक के दौरान लिया गया। लाभ से पात्र स्टार्टअप को अपने गठन की तारीख से 10 साल की अवधि के भीतर किसी भी लगातार तीन वर्षों के लिए मुनाफे पर 100 फीसदी आयकर कटौती की अनुमति मिलती है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि कुल स्वीकृतियों में से 75 स्टार्टअप को 79वीं आईएमबी बैठक के दौरान और 112 को 80वीं आईएमबी बैठक के दौरान मंजूरी दी गई है। इसके साथ ही योजना की शुरुआत से अबतक 3,700 से अधिक स्टार्टअप को छूट दी जा चुकी है। सरकार ने केंद्रीय बजट 2025-26 के दौरान एक घोषणा में धारा 80-आईएसी के तहत लाभ का दावा करने के लिए स्टार्टअप के लिए पात्रता अवधि बढ़ा दी थी। इसके तहत एक अप्रैल, 2030 से पहले बने स्टार्टअप अब आयकर में छूट के लिए आवेदन के पात्र हैं, जिससे नए उद्यमों को इस वित्तीय राहत से लाभ उठाने के लिए ज्यादा समय और अवसर मिलेगा। स्टार्टअप्स के लिए आयकर में छूट की पात्रता अप्रैल 2030 तक बढ़ाई गई है। आयकर लाभ योजना उभरते व्यवसायों को उनके प्रारंभिक वर्षों में सहायता प्रदान करने, नवाचार, रोजगार एवं धन सृजन को प्रोत्साहित करने के लिए तैयार की गई है।

अक्टूबर के बाद पहली बार 25 हजार के पार पहुंचा निफ्टी, निवेशकों को 5.10 लाख करोड़ का मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार कारोबार के दौरान जबरदस्त उलटफेर का गवाह बना। शेयर बाजार ने आज सपाट स्तर पर कारोबार की शुरुआत की। दिन के पहले सत्र में बाजार गिरावट का शिकार हो गया, लेकिन दूसरे सत्र में दोपहर 1 बजे के बाद चौतरफा खरीदारी शुरू हो जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी ने निचले स्तर से जोरदार छलांग लगाई। सेंसेक्स इंट्रा-डे में 1,955 अंक और निफ्टी 621 अंक उछल गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.48 प्रतिशत और निफ्टी 1.60 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।बाजार में आई आज की तेजी के कारण निफ्टी अक्टूबर 2024 के बाद पहली बार 25 हजार अंक के स्तर को पार करने में सफल हो सका। बाजार की मजबूती के कारण निवेशकों को भी जबरदस्त मुनाफा हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद घरेलू शेयर बाजार के निवेशकों की संपत्ति में 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का इजाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार के दौरान स्टॉक मार्केट के सभी सेक्टोरल इंडेक्स मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। मेटल, रियल्टी और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में आज सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसी तरह बैंकिंग, आईटी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, कैपिटल गुड्स, फार्मास्यूटिकल और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.67 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरफ स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.94 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

दिन के दोनों सत्रों में अलग-अलग मूड में दिखा शेयर बाजार, बड़ी गिरावट के बाद क्यों उछले सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज दिन के दोनों सत्रों के दौरान अलग-अलग मूड में नजर आया। दिन के पहले सत्र में जहां बाजार लगातार गिरता हुआ दिखा, वहीं दूसरे सत्र में खरीदारी के सपोर्ट से बाजार ने शानदार रिकवरी भी की। जानकारों का मानना है कि दिन के पहले सत्र में रुपये की कमजोरी, एशियाई बाजारों के कमजोर संकेत और विदेशी निवेशकों की जरूरत से अधिक सतर्कता के कारण बाजार लगातार गिरता चला गया। सेंसेक्स 568.40 अंक तक टूट गया, वहीं निफ्टी भी 24,500 अंक के स्तर से नीचे लुढ़क कर 24,494.45 अंक तक गिर गया। दिन के पहले सत्र में स्टॉक मार्केट में जहां लगातार दबाव बना रहा, वहीं दूसरे सत्र की शुरुआत होने के कुछ देर बाद स्थिति पूरी तरह से बदल गई। विदेशी निवेशकों ने अपनी रणनीति बदलते हुए चौतरफा खरीदारी शुरू कर दी। इसी तरह ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिलने के कारण घरेलू निवेशक भी आक्रामक अंदाज में लिवाली करने लगे, जिसके कारण शेयर बाजार न केवल दिन के पहले सत्र में हुए नुकसान की भरपाई करने में सफल रहा, बल्कि जोरदार उछाल के साथ निवेशकों को जबरदस्त मुनाफा भी करा दिया। मार्केट एक्सपर्ट्स के मुताबिक शेयर बाजार में निचले स्तर से हुई जबरदस्त रिकवरी का सबसे बड़ा कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का वो बयान रहा, जिसमें उन्होंने भारत और अमेरिका के बीच बिना टैरिफ वाले ट्रेड डील होने की बात कही है। ट्रंप के इस बयान के बाद निवेशकों ने बाजार में चौतरफा खरीदारी शुरू कर दी, जिसके कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में तेजी आ गई। अप्रैल में डोनाल्ड ट्रंप ने भारत समेत दुनिया के कई देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। हालांकि बाद में इस टैरिफ को 90 दिनों के लिए स्थगित कर दिया गया था?। उसके बाद से ही भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ को लेकर लगातार बातचीत चल रही है। अब डोनाल्ड ट्रंप के बयान के बाद उम्मीद की जा रही है कि दोनों देशों के बीच ट्रेड डील जल्दी ही फाइनल हो जाएगी।

दुनिया में अनिश्चितता के बीच सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा भारत; संयुक्त राष्ट्र का अनुमान

एजेंसी

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र ने 2025 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ अनुमान को घटाकर 6.3 फीसदी कर दिया है। जनवरी 2025 में यह अनुमान 6.6फीसदी था। हालांकि, इस गिरावट के बावजूद भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक माना गया है। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र की नई रिपोर्ट '2025 के मध्य तक विश्व आर्थिक स्थिति और संभावनाएं' में दी गई है, जिसे 16 मई को जारी किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था को मुख्य रूप से मजबूत घरेलू खपत और सरकारी निवेश का समर्थन मिला है। इसके अलावा, सेवा क्षेत्र का निर्यात भी आर्थिक विकास को मजबूती देता रहा है। इस रिपोर्ट में कहा गया, 'भारत की आर्थिक वृद्धि को निजी उपभोग, सार्वजनिक निवेश और मजबूत सेवा निर्यात का समर्थन प्राप्त है।'

व्यापारिक तनाव और वैश्विक अनिश्चितता का असर

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था इस समय जोखिमपूर्ण स्थिति में है। अमेरिका की तरफ से शुल्क बढ़ाए जाने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर असर पड़ा है। इससे उत्पादन लागत बढ़ी है और निवेश में अनिश्चितता आई है। भारत के माल निर्यात पर भी इसका असर हो सकता है, हालांकि दवा, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, ऊर्जा और तांबा जैसे सेक्टर इस प्रभाव से फिलहाल बचे हुए हैं।

एमएसएमई मंत्रालय ने राष्ट्रीय पुरस्कार 2024 के लिए पात्र सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यमों से आवेदन किए आमंत्रित

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय ने राष्ट्रीय एमएसएमई पुरस्कार 2024 के लिए पात्र एमएसएमई से आवेदन आमंत्रित किए हैं। वर्तमान में एमएसएमई को विभिन्न श्रेणियों में 35 राष्ट्रीय पुरस्कार दिए जाने का प्रावधान है।

मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि वर्ष 2024 के लिए विभिन्न श्रेणियों में एमएसएमई से राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए आवेदन राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल https://dashboard.msme.gov.in/na/Ent_NA_Admin/Ent_inde&.asp& के जरिए आमंत्रित किए गए हैं। ये आवेदन 14 अप्रैल से 20 मई, 2025 तक भेजे जा सकते हैं। इच्छुक एमएसएमई गृह मंत्रालय के राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल https://awards.gov.in/ के माध्यम से भी अपने आवेदन जमा कर सकते हैं। मंत्रालय ने कहा कि वर्तमान में एमएसएमई को विभिन्न श्रेणियों में 35 राष्ट्रीय पुरस्कार दिए जाने का प्रावधान है। महिला उद्यमियों, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति उद्यमियों और पूर्वोत्तर क्षेत्र के उद्यमियों के नेतृत्व वाले एमएसएमई को पुरस्कारों का विशेष प्रावधान है। इस योजना के तहत पुरस्कार विजेता को 3.0 लाख रुपये (प्रथम पुरस्कार), 2.0 लाख रुपये (द्वितीय पुरस्कार) और 1.0 लाख रुपये (तृतीय पुरस्कार) के नकद पुरस्कार के अलावा ट्रॉफी और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाता है। उल्लेखनीय है कि एमएसएमई मंत्रालय एमएसएमई उद्यमियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उनके योगदान को मान्यता देता है और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार प्रदान करके प्रेरित तथा प्रोत्साहित करता है। विस्तृत जानकारी www.dcmsme.gov.in पर उपलब्ध है। इच्छुक एमएसएमई किसी भी स्पष्टीकरण के लिए नजदीकी एमएसएमई-विकास और सुविधा कार्यालय या टेलीफोन नंबर 011-23063342 पर संपर्क कर सकते हैं।

MSME
MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम
OUR STRENGTH • हमारी शक्ति
सत्यमेव जयते
Ministry of MSME, Govt. of India

ट्रंप ने एपल से कहा – भारत में न लगाएं फैक्ट्री

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एपल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) टिम कुक से कहा है कि कंपनी को भारत में नई फैक्ट्रियां लगाने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि भारत अपनी जरूरतों का खुद ख्याल रख सकता है। यह बयान ट्रंप ने कतर यात्रा के दौरान दोहा में बिजनेस लीडर्स के एक कार्यक्रम में दिया।

इस कार्यक्रम में उन्होंने टिम कुक के साथ हुई बातचीत का जिक्र करते हुए कहा, मैं नहीं चाहता कि एपल भारत में प्रोडक्ट बनाए। एपल को केवल भारतीय बाज़ार को ध्यान में रखते हुए वहां फैक्ट्री लगानी चाहिए, न कि उत्पादन के लिए। ट्रंप ने यह भी कहा कि एपल अब अमेरिका में अपने उत्पादन का स्तर बढ़ाएगा। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि भारत ने अमेरिका को व्यापार में 'ज़ीरो टैरिफ डील' की पेशकश की है, यानी भारत अमेरिका से आयात पर कोई शुल्क नहीं लेना चाहता। हालांकि ट्रंप ने यह स्पष्ट नहीं किया कि इस बातचीत का भारत में एपल की उत्पादन योजनाओं पर कोई प्रभाव पड़ेगा या नहीं।

उल्लेखनीय है कि ट्रम्प ने आतंक के मुद्दे पर भारत की पाकिस्तान पर कार्रवाई के बाद दोनों देशों के बीच हुए संघर्ष को रोकने में अपनी भूमिका होने का दावा किया था। उनका कहना था कि व्यापार को हथियार बनाकर उन्होंने दो परमाणु शक्ति सम्पन्न देशों को शांति के लिए मनाया था। हालांकि भारत ने इस दावे का खंडन किया था। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता ने अमेरिकी नेताओं के साथ संघर्ष के दौरान बातचीत की बात स्वीकारी थी लेकिन स्पष्ट किया था कि संघर्ष विराम पाकिस्तान की ओर से किए गए अनुरोध के बाद हुआ है।

ट्रम्प ने इसके साथ कश्मीर पर मध्यस्त बनने का भी प्रस्ताव रखा था जिसे भारत ने सीरे से खारिज कर दिया। भारत का कहना है कि कश्मीर द्विपक्षीय मसला है और पीओके ही एकमात्र बातचीत का विषय है। माना जा रहा है कि ट्रम्प का आज का बयान भारत पर दवाब बनाने और उनके दावों का खंडन करने की प्रतिक्रिया हो सकती है। अमेरिका द्वारा भारतीय स्टील और एल्युमीनियम पर शुल्क बढ़ाने के जवाब में भारत ने वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूटीओ) में जवाबी टैरिफ का प्रस्ताव दिया है।

विपुल ऑर्गेनिक्स ने अमेरिका में खोला नया बिक्री कार्यालय

एजेंसी

मुंबई। भारत की प्रमुख स्पेशलिटी केमिकल कंपनी विपुल ऑर्गेनिक्स लिमिटेड ने अमेरिका के डेलावेयर में अपना नया बिक्री कार्यालय शुरू करने की घोषणा की है। कंपनी ने बयान जारी कर कहा कि 'विपुल ऑर्गेनिक्स इस नए कार्यालय ने सभी स्थानीय अनुमोदन एवं प्रक्रियाएं पूरी कर ली हैं। कंपनी ने अमेरिका में एक गोदाम भी स्थापित करने की योजना बनाई है, जिसमें रंग और पिगमेंट के उत्पाद स्टॉक में रखे जाएंगे ताकि ग्राहकों को तेज और समय पर डिलीवरी दी जा सके। कंपनी के प्रबंध निदेशक विपुल पी. शाह ने कहा, 'अमेरिका हमारे निर्यात कारोबार का एक बड़ा हिस्सा है लेकिन हाल ही में भू-राजनीतिक परिस्थितियों और टैरिफ से जुड़ी चुनौतियों के कारण डिलीवरी में देरी हो रही थी। इस नई इकाई के जरिए हम यह सुनिश्चित करेंगे कि ग्राहक हमारी पहली प्राथमिकता बने रहें और उन्हें समय पर उत्पाद मिलें। वेयरहाउसिंग से हमारे पिगमेंट और डाई प्रोडक्ट्स की डिलीवरी अब कहीं अधिक तेज़ हो पाएगी।'

VIPULORGANICS
Interconnected Chemistry

अप्रैल 2025 में भारत की बेरोजगारी दर 5.1 फीसदी, पहली बार मासिक आंकड़े जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश में पहली बार मासिक आधार पर मापी गई बेरोजगारी दर के आंकड़ें जारी किए हैं। इसके अनुसार अप्रैल महीने में बेरोजगारी की दर 5.1 फीसदी रही। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने बेरोजगारी से जुड़े आंकड़े जारी किए। मंत्रालय ने देश में नौकरियों के लिए पात्र लोगों में बेरोजगार लोगों के अनुपात की वास्तविक समय पर निगरानी करने के प्रयासों के तहत पहला मासिक आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) जारी किया हैं। अब तक श्रम बल सर्वेक्षण तिमाही के साथ-साथ वार्षिक आधार पर भी जारी किया जाता था। मंत्रालय की ओर से जारी साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) में एकत्र किए गए नवीनतम आंकड़ों से पता चला है कि अप्रैल 2025 के दौरान सभी उम्र के व्यक्तियों के लिए बेरोजगारी दर 5.1 फीसदी रही। इस दौरान पुरुषों में बेरोजगारी की दर 5.2 फीसदी रही, जबकि महिलाओं में यह दर 5 प्रतिशत रही। आंकड़ों के मुताबिक देशभर में 15-29 आयु वर्ग के लोगों में बेरोजगारी दर अप्रैल महीने में 13.8 फीसदी थी। शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर 17.2 फीसदी थी, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह 12.3 फीसदी थी। अध्ययन से यह पता चला कि 15-29 आयु वर्ग की महिलाओं में बेरोजगारी दर (यूआर) पूरे देश में (ग्रामीण+शहरी) 14.4 फीसदी थी, जबकि शहरों में यह 23.7 प्रतिशत और गांवों में 10.7 फीसदी थी। देश में 15-29 वर्ष आयु वर्ग के पुरुषों में बेरोजगारी दर 13.6 फीसदी दर्ज की गई है, जबकि शहरों में यह 15 प्रतिशत और गांवों में 13 फीसदी थी। आंकड़ों से यह भी पता चला कि अप्रैल, 2025 के दौरान 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों में श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) 55.6 फीसदी थी। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में भागीदारी दर 58.0 फीसदी थी, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 50.7 प्रतिशत थी। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के पुरुषों में एलएफपीआर क्रमशः 79.0 और 75.3 फीसदी थी। अप्रैल 2025 के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं में श्रम बल भागीदारी की दर 38.2 प्रतिशत थी। आंकड़ों के अनुसार अप्रैल महीने में ग्रामीण क्षेत्रों में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों में डब्ल्यूपीआर 55.4 फीसदी थी। शहरी क्षेत्रों में यह अनुपात 47.4 फीसदी था, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर समग्र डब्ल्यूपीआर 52.8 प्रतिशत दर्ज की गई। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं में डब्ल्यूपीआर क्रमशः 36.8 फीसदी और 23.5 प्रतिशत थी। देशभर में समान आयु वर्ग की समग्र महिला डब्ल्यूपीआर 32.5 फीसदी थी।

हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं।

बच्चों में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के ये हैं बेस्ट तरीके

क्रिएटिविटी एक ऐसी चीज है, जो आपको जीवन में और बेहतर बनाता है। हालांकि यह एक गलत धारणा है कि रचनात्मकता एक जन्मजात प्रतिभा है। इसमें आप खूब सारे आइडियाज और इमेजिनेशन का यूज करते हैं और कुछ शानदार आर्ट के साथ आते हैं। हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं। अपने बच्चों को क्रिएटिव थिंकिंग के लिए कैसे प्रोत्साहित करें यह हर मां-बाप सोचता है।

सीनियर क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट कहती हैं, 'बच्चों को नई चीजों को आजमाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्हें उन चीजों के बारे में बताएं और वो चीजें करने के लिए प्रेरित करें, जो उनकी स्कूल करिकुलम का हिस्सा न हों। उनके साथ डॉक्यूमेंट्री देखें और उनसे डॉक्यूमेंट्री के बारे में पूछें।' आइए एक्सपर्ट से जानें कि बच्चों को और किन तरीकों से प्रेरित किया जा सकता है।

बच्चों को सवाल पूछना सिखाएं

बच्चों में रचनात्मक सोच विकसित करने का एक मेन तरीका यह है कि उन्हें हमेशा सवाल करते रहने के लिए प्रेरित करें। जब भी आप उनके साथ समय बिता रहे हों तो उनसे सवाल पूछें। जैसे आप उनसे छोटे-छोटे सवाल कर सकते हैं। ऐसे में उनके मन में जिज्ञासा बनेगी और वह नई चीजों के बारे में समझने की कोशिश करेंगे। इससे उनके कल्पनाशील कौशल में वृद्धि होगी और समस्या को सुलझाने की क्षमता विकसित होगी।

अच्छी डॉक्यूमेंट्रीज दिखाएं

एक शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री स्टोरी स्टूडेंट्स की लिटरेसी को सोर्स, स्वयं से और दुनिया से जुड़ाव के साथ बढ़ाने में मदद करती है। यह न केवल दुनिया को समझने और उससे जुड़ने का अवसर प्रदान करती हैं, बल्कि हमारे आसपास कई चीजों को समझने का भी एक अच्छा तरीका है। अपने बच्चों के साथ कोई भी डॉक्यूमेंट्रीज देखें तो उसकी चर्चा करें। उन्होंने इससे क्या सीखा और क्या समझा जानने की कोशिश करें।

उनके साथ क्विज और पजल खेलें

क्विज और पजल जैसे गेम बच्चों के दिमागी विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। पजल आपके बच्चे की समस्या-समाधान और क्रिटिकल थिंकिंग स्किल को विकसित करती हैं, जो बाद में जीवन में अन्य स्किल की महारत के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। पजल्स बच्चों को पैटर्न रिकग्निशन, मेमोरी और ग्रॉस और फाइन मोटर स्किल दोनों में मदद कर सकती हैं। इसलिए उनके साथ पजल खेलें।

आउटडोर गेम खिलाएं

अपने बच्चों को घर में रहने के लिए ही न कहें। उन्हें बाहर निकालें और कई फन एक्टिविटीज में उन्हें शामिल होने के लिए कहें। बच्चों के साथ आउटडोर गेम्स खेलें। ऐसे में उनकी एक्सरसाइज भी होगी और वे कुछ नया भी सीखेंगे। आप उन्हें तैराकी करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। किसी गेम में जैसे क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन आदि जैसे खेलों में शामिल होने के लिए कह सकते हैं।

सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाएं

अपने बच्चों सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाना भी बहुत जरूरी है। उन्हें पशु आश्रयों और वृद्धाश्रमों जैसी जगहों पर ले जाएं और स्वयं सेवा का महत्व सिखाएं। जब बच्चे ऐसा करेंगे तो वह औरों के प्रति भी संसेटिव अप्रोच रखने में सक्षम होंगे। ऐसी जगहों पर वे महत्वपूर्ण सामाजिक और भावनात्मक कौशल सीख सकेंगे और साथ ही समाज में भी योगदान दे सकेंगे।

नींद में न करें लापरवाही

इन सबके बाद सबसे महत्वपूर्ण चीज है कि आपका बच्चा पूरी और अच्छी नींद ले। अच्छी नींद का मतलब है कि उसके दिमाग को बेहतर आइडियाज उत्पन्न करने के लिए और नई चीजों पर काम करने के लिए समय मिलेगा। इनोवेटिव आइडियाज तभी आएंगे जब उसके दिमाग को शांति मिलेगी। बाकी एक्टिविटी के साथ उसकी नींद का भी पूरा ध्यान दें।

घर में लगाएं ये फूल तनाव होगा दूर, भीनी-भीनी खुशबू से आएंगी जीवन में खुशियां

आजकल के भागदौड़ भरे जीवन में सुकुन के दो पल चुराना बेहद मुश्किल हो गया है। बिजी लाइफ स्टाइल की वजह से लोग अक्सर तनाव में रहते हैं। ऐसे में इस तनाव को दूर करने के लिए अधिकतर लोग शहर से दूर बाहर किसी हिल स्टेशन पर जाना पसंद करते हैं। लेकिन हर कोई टेंशन कम करने के लिए हिल स्टेशन नहीं जा सकते हैं। लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि आप तनाव में रहें।

आप जीवन की टेंशन को घर में ही कम कर सकते हैं। आपके दिमाग में भी यहीं सवाल आया होगा कि कैसे टेंशन कम होगी? घबराइए मत हम आपकी सारी उलझन को दूर कर देंगे। इस लेख में हम आपको कुछ फूल के बारे में बताएंगे, जो आपके घर में खुशियां लेकर आएंगे। साथ ही यह फूल घर के साथ-साथ जीवन को भी महका देंगे।

चमेली

फूल न केवल घर की सुंदरता को बढ़ाते हैं बल्कि घर का वातावरण भी शुद्ध होता है। ऐसे में आप अपने घर में चमेली के फूल का पौधा लगा सकते हैं। चमेली का फूल अक्सर हर घर में मिल जाता है। इस फूल से पॉजिटिव एनर्जी मिलती है। फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके घर को खुशनुमा माहौल देगी। कहा जाता है कि चमेली का पौधा लगाने से घर में खुशियां आती हैं।

कमल

हिंदू धर्म में कमल का फूल बेहद खास माना जाता है। यह फूल मां लक्ष्मी को बेहद प्रिय है। कहा जाता है कि इस फूल को लगाने से घर में लक्ष्मी और सुख-समृद्धि आती है। घर में इस पौधे को लगाना बेहद शुभ माना जाता है।

मोगरा का फूल

ऐसा कहा जाता है कि घर में मोगरा पौधा लगाने से नकारात्मक ऊर्जा कम हो जाती है। मोगरे के फूल गर्मियों के मौसम में खिलता है। इस फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके तनाव को कम कर देंगे। मोगरा के फूल की खुशबू से घर आपके मन को तरोताजा कर देगी।

गुलाब

गुलाब का फूल न केवल दिखने में खूबसूरत है बल्कि यह फूल औषधीय गुण से भरपूर है। गुलाब की खुशबू तनाव को दूर करने में मदद करती है, साथ ही इससे रिश्ते की मिठास बनी रहती हैं।

चम्पा

चम्पा फूल को लगाने से घर का वातावरण शुद्ध होता है। हल्के पीले और सफेद रंग के ये चम्पा के फूल बहुत ही खूबसूरत होते हैं। इस फूल को लगाने से घर में सौभाग्य आता है।

गुड़हल का फूल

गुड़हल के फूल का उपयोग पूजा-पाठ में किया जाता है। भगवान गणेश को लाल गुड़हल के फूल बेहद पसंद है। ऐसा माना जाता है कि इस फूल को घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा आती है। लाल गुड़हल के फूल को आप भगवान बजरंगबली को भी अर्पित कर सकते हैं।

पारिजात

ऐसा माना जाता है कि पारिजात का फूल लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है। यह फूल रात के समय में खिलते हैं सुबह पेड़ से टूटकर गिर जाते हैं। इस फूल की खुशबू से पूरा घर महक जाता है। सुबह-सुबह घर में भीनी-भीनी खुशबू से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती हैं। पारिजात के फूल को हरसिंगार के नाम से भी जाना जाता है। इस फूल की खुशबू से तनाव कम हो जाता है।